खुलते पंख

हिंदी पाठमाला

भाग–3

लेखिका

कुसुमलता अग्रवाल

संपादक

सदन कुमार सिन्हा

Publications

पी.पी. पब्लिकेशंस

नई दिल्ली–110015

प्रकाशक :
प्रवेश गुप्ता

पी.पी. पब्लिकेशंस
(पी.पी. बुक्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई)
ए–18/2, प्लॉट नं० 70,
रामा रोड इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली–110015
दूरभाष : 011–40452007/08, 09212723456
टेलीफ़ैक्स : 011–42437204
ई–मेल : pp_bookspublication@yahoo.co.in

© प्रकाशकाधीन

लेज़र टाइपसेटिंग :
राशि ग्राफ़िक्स

मुद्रक :
राजू प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली

प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिक, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से पुन: पद्धति द्वारा संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है इस शर्त के उल्लंघन पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है।

हर संभव प्रयास किया गया है कि इस प्रकाशन में त्रुटि या चूक न हो। यदि कोई भूल, त्रुटि या कमी आपकी नजर में आए तो कृप्या हमें बताएँ, पुस्तक के अगले संस्करण में आपके सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह सूचित किया जाता है कि न तो प्रकाशक न लेखक और न ही विक्रेता किसी भी प्रकार की क्षति हेतु जिम्मेदार होगा।

इस पुस्तक में संकलित अधिकांश रचनाओं की अनुमति प्रकाशक के पास है। कुछ रचनाओं के लेखकों/प्रकाशनाधिकार धारकों से पर्याप्त सूचनाओं के अभाव में संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। उनसे अनुरोध है कि वे इस विषय में प्रकाशक से संपर्क करें।

प्रकाशक

आपसे

खुलते पंख हिंदी पाठमाला जीवन के निस्सीम आकाश में बच्चों की निर्बाध उड़ान की तैयारी की ओर एक छोटा-सा प्रयास है। बाल-केंद्रित तथा क्रियाकलाप आधारित इस पुस्तक माला को प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। **खुलते पंख हिंदी पाठमाला** का निर्माण 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा' के सिद्धांतों—**शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आनंदमय बनाना, सीखने का बोझ कम करना** तथा **शिक्षण को बाहरी जीवन से जोड़ना**—के आधार पर किया गया है।

खुलते पंख हिंदी पाठमाला का विशिष्ट उद्देश्य सहज-सरल ढंग से हिंदी भाषा का ज्ञान कराना, हिंदी पठन गतिविधियों को रोचक और उपयोगी बनाना तथा विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन की रुचि विकसित करना है। इस पाठमाला की प्रस्तुत पुस्तक हिंदी पढ़ने वाले **कक्षा—तीन** के विद्यार्थियों के लिए है।

पठन-सामग्री : पुस्तक की पठन-सामग्री का निर्माण बच्चों में भाषा के विविध कौशलों—सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना और सोचना की योग्यताएँ विकसित करने तथा उनकी कल्पनाशक्ति का विकास करने के लिए उनकी रुचि और परिवेश के अनुकूल किया गया है। पुस्तक में ऐसे पाठों का चयन किया गया है जो हमें हमारी परंपरा और अतीत के साथ जोड़ने के साथ-साथ वर्तमान के प्रति सजग और जागरूक बनाते हैं। इस दृष्टि से साहित्य, समाज, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन, कला, धर्म, विज्ञान, स्वास्थ्य, खेल, मनोरंजन, फ़िल्म, प्रकृति, प्राणी-जगत, पर्यावरण आदि विषयों से संबंधित रचनाओं का समावेश किया गया है।

विधाएँ : कक्षा के स्तर के अनुकूल गद्य व पद्य की विभिन्न विधाओं — कहानी, कविता, गीत, प्रसंग, संवाद, एकांकी, चित्रकथा, चुटकुले, पहेली तथा क्रियाकलाप और खेल आदि को पुस्तक में सम्मिलित किया गया है।

जीवन मूल्य : पठन-सामग्री का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि बच्चों में सौंदर्यप्रियता, देशप्रेम, बंधुत्व, परिश्रम, दृढ़निश्चयता, सच्चाई, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, आदर, सूझ-बूझ, साहस, निडरता, मिल-जुलकर काम करना, खुशियाँ बाँटना, खेल भावना, आत्मविश्वास, सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक व सामाजिक मूल्यों और चारित्रिक गुणों का विकास हो सके।

भाषा : इस पुस्तक में भाषा के व्यावहारिक प्रयोग पर बल दिया गया है। विद्यार्थी स्वरों, मात्राओं, संयुक्त व्यंजनों और संयुक्त अक्षरों का शुद्ध उच्चारण करते हुए पढ़ना और लिखना सीख सकें तथा जीवन के विविध संदर्भों में भाषा का प्रयोग कर सकें, इसी उद्देश्य से पाठों की संरचना तथा शब्दों का चयन किया गया है जो उनकी आयु-वर्ग और मानसिक स्तर के अनुकूल हैं।

पुस्तक में **केंद्रीय हिंदी निदेशालय** द्वारा स्वीकृत मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है परंतु साथ-साथ संयुक्त अक्षरों के पुराने लिखित रूप से भी परिचय कराया गया है।

व्याकरण : सरल रूप में व्यावहारिक व्याकरण का प्रारंभ किया गया है। व्याकरण के नियमों व परिभाषाओं को रटने के स्थान पर उदाहरणों द्वारा उन्हें समझने और भाषा में प्रयुक्त करने पर बल दिया गया है।

अभ्यास : पठन–कुशलताओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए सुनियोजित, उद्देश्यपरक **मौखिक** और **लिखित** अभ्यास दिए गए हैं। इसी दृष्टि से **बहुविकल्पी प्रश्न**, **मूल्य आधारित प्रश्न** और **उच्च स्तरीय चिंतन कौशल** के प्रश्नों का निर्माण किया गया है।

गतिविधियाँ : पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता, मौलिकता व रचनात्मकता विकसित करने में सहायक होंगे। **अब करने की बारी** के अंतर्गत कविता गाना, सुनाना, चित्र बनाना, रंग भरना, जानकारी एकत्र करना, अभिनय करना, नारा लिखना, पोस्टर या चार्ट बनाना, प्रोजेक्ट (परियोजना) बनाना, कहानी कहना आदि गतिविधियाँ सामान्य ज्ञान में वृद्धि करने, करके सीखने की योग्यता विकसित करने तथा अतिरिक्त पठन के लिए प्रेरित करने के लिए रखी गई हैं। सीखने की प्रक्रिया आनंदमय हो, बच्चे खुशी–खुशी कुछ करते हुए सीखें — इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है।

सुंदर और आकर्षक चित्र : पठन–सामग्री से संबंधित सुंदर और आकर्षक चित्र पाठ की समझ में विस्तार और गहराई लाने में सहायक होंगे। चित्रों को ध्यान से देखना और उनपर बातचीत करना बच्चों की विश्लेषण क्षमता और तर्किक क्षमता जैसे कौशलों को विकसित करता है।

पाठ मूल्यांकन : भाषिक योग्यताओं, व्याकरण बिंदुओं, गतिविधियों, विधाओं, जीवन मूल्यों के आधार पर पाठों का मूल्यांकन दिया गया है।

सुझावित प्रश्न पत्र : पुस्तक के अंत में दो प्रश्न पत्र दिए गए हैं जो नमूने के रूप में शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए सहायक हो सकते हैं।

सी.डी. + ई–बुक : पुस्तक के साथ पाठों के एनीमेशन, वाचन, अभ्यास और गतिविधियों की निःशुल्क सी.डी. व ई–बुक केवल शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए उपलब्ध है।

निःशुल्क कार्यपत्रिकाएँ : पुस्तकों के साथ कार्यपत्रिकाओं का निर्माण किया गया है। ये कार्यपत्रिकाएँ विद्यार्थियों के मूल्यांकन करने तथा अभ्यास करने में सहायक होंगी। ये कार्यपुस्तिकाएँ भी केवल शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए उपलब्ध हैं।

हमें विश्वास है कि बच्चों के परिवेश से जुड़ी तथा बाल मनोविज्ञान पर आधारित यह पाठमाला विद्यार्थियों के हिंदी सीखने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। मार्गदर्शन हेतु आपकी प्रतिक्रियाओं तथा सुझावों का सदैव स्वागत है।

—कुसुमलता अग्रवाल

पाठ-सूची

1.	वर्षा ऋतु	1
2.	वह बदल गया	6
3.	गोपाल की सच्चाई	13
✤	मुल्ला नसरुद्दीन (चित्रकथा)	19
4.	चतुर गीदड़	21
5.	कैसे चलेगी	29
6.	मेरे दोस्त बनोगे	33
✤	चाँद का कुरता (केवल पढ़ने के लिए)	40
7.	साहसी सलोनी	42
8.	गुरुमंत्र	48
9.	बादल	53
✤	अपना-अपना काम (केवल पढ़ने के लिए)	57
10.	सुंदर बदली	60
✤	बीज (केवल पढ़ने के लिए)	67
11.	गुलाबी नगरी	68
✤	एक था शेखचिल्ली (केवल पढ़ने के लिए)	74
12.	फ़ैसला	77
13.	फूल	83
14.	अंगुलिमाल	87
15.	बूढ़ा घोड़ा	95
✤	हिंदी की गिनती	102
✤	हिंदी वर्तनी का मानकीकरण	103
✤	प्रश्न पत्र-1	104
✤	प्रश्न पत्र-2	106

पाठ मूल्यांकन

क्रम संख्या	पाठ का नाम	विधा	भाषा की योग्यताएँ/दक्षताएँ
1.	वर्षा ऋतु	कविता	लय व तान से भावपूर्ण सस्वर वाचन, अर्थ एवं भावग्रहण, चिंतन, प्रत्यास्मरण, सौंदर्यानुभूति, प्रश्नोत्तर (मौखिक व लिखित), बहुविकल्पी प्रश्न
2.	वह बदल गया	कहानी	सस्वर वाचन, अर्थग्रहण, प्रत्यास्मरण, तर्कपूर्ण चिंतन, लिखित अभिव्यक्ति, प्रश्नोत्तर, कारण जानना, बहुविकल्पी प्रश्न
3.	गोपाल की सच्चाई	संस्मरण	वाचन, प्रत्यास्मरण, कारण जानना, निष्कर्ष निकालना, प्रश्नों के उत्तर देना, तर्कपूर्ण चिंतन, ब.वि. प्रश्न, रचनात्मक लेखन
✤	**मुल्ला नसरुद्दीन**	चित्रकथा	केवल पढ़ने के लिए
4.	चतुर गीदड़	कहानी	समझते हुए पढ़ना, कारण जानना, प्रत्यास्मरण, अनुमान लगाना, तर्कपूर्ण चिंतन, शीर्षक लिखना, चरित्र-चित्रण, बहुविकल्पी प्रश्न
5.	कैसे चलेगी	कविता	कविता का सुरलय, तान से वाचन, रसास्वादन, अर्थग्रहण, तर्कपूर्ण चिंतन, प्रत्यास्मरण, प्रश्नोत्तर लिखना, रचनात्मक लेखन
6.	मेरे दोस्त बनोगे	संवादात्मक लेख	वाचन, अर्थग्रहण, प्रत्यास्मरण, चिंतन, बहुविकल्पी प्रश्न, प्रश्नों का उत्तर लिखना
✤	**चाँद का कुरता**	कविता	केवल पढ़ने के लिए
7.	साहसी सलोनी	कहानी	कहानी पढ़ना व समझना, प्रत्यास्मरण, कारण जानना, निष्कर्ष निकालना, शीर्षक लिखना, चरित्र-चित्रण, बहुविकल्पी प्रश्न, प्रश्नोत्तर लिखना
8.	गुरुमंत्र	प्रसंग	वाचन, अर्थग्रहण, प्रत्यास्मरण, कारण जानना, तर्कपूर्ण चिंतन, अनुमान लगाना, शीर्षक लिखना, बहुविकल्पी प्रश्न

व्याकरण बिंदु	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य
समानार्थी शब्द, विशेषण का प्रयोग, तुक वाले शब्द	लिखित अभिव्यक्ति, सूची बनाना, कविता पढ़ना और सुनाना, चित्र बनाना व रंग भरना, जानकारी प्राप्त करना	प्रकृति-चित्रण, सौंदर्यानुभूति
संयुक्त व्यंजन, ऊष्म व्यंजन वाले शब्द, विलोम शब्द, वाक्य रचना, सर्वनाम	रचनात्मक लेखन, बातचीत, घटना सुनाना	समय की उपयोगिता, अभ्यास, लगन
प्रसंग संकेत से शब्द चुनना, बहुवचन, अनुस्वार-अनुनासिक व ऑ का प्रयोग, अनेकार्थी शब्दों का वाक्य प्रयोग, संयुक्त व्यंजनों का लेखन, विलोम शब्द	चित्र पहचानकर नाम लिखना, चित्र इकट्ठे करना, जानकारी प्राप्त करना, प्रसंग-संस्मरण पढ़ना और सुनाना, फीतियों पर नारे लिखना	सच्चाई और ईमानदारी, साहस
		हास्य, चतुराई, सूझ-बूझ
संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के रूप, र में उ-ऊ की मात्रा का प्रयोग, समानार्थी शब्द, मुहावरों का अर्थ समझना	कहानी सुनाना, कहानियाँ पढ़ना, कहानी का अभिनय करना	चतुराई, सूझ-बूझ, धैर्य, घमंड न करना
गद्यान्वय, समानार्थी शब्द, तुकांत शब्द	रचनात्मक लेखन, पहचानना व नाम लिखना, सूची बनाना, कविताएँ एकत्र करना, याद करना-सुनाना, कविता पढ़ना	पेड़ों की उपयोगिता, पर्यावरण संरक्षण
संयुक्त व्यंजनों का लेखन, बहुवचन, शब्द निर्माण, विशेषण, श्रुतलेख (वर्तनी)	सूची बनाना, चर्चा, तर्कपूर्ण बात-चीत, सामान्य ज्ञान, मौखिक अभिव्यक्ति	पशु-पक्षियों से प्रेम, दोस्ती, सामान्य ज्ञान
		बाल हठ
पंचम वर्ण का प्रयोग, संयुक्त व्यंजन, अनुस्वार-अनुनासिक, विलोम शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द	बाल पत्रिकाओं में से कहानियाँ पढ़ना-सुनना, मत प्रकट करना, घटना सुनाना, चर्चा करना, अनुभव सुनाना	साहस, निडरता, अंधविश्वास छोड़ना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
शब्द-युग्म, विशेषण से संज्ञा, क्रिया रूपों का प्रयोग	कहानियाँ पढ़ना व सुनाना, जानकारी प्राप्त करना	अतिथि-सत्कार, मानव-सेवा, गुरुभक्ति

क्रम संख्या	पाठ का नाम	विधा	भाषा की योग्यताएँ/दक्षताएँ
9.	बादल	कविता	समझते हुए कविता का लयपूर्ण वाचन, भावग्रहण, आनंदानुभूति, प्रत्यास्मरण, कारण समझना, कल्पना केवल पढ़ने के लिए
✤	**अपना–अपना काम**	चित्रकथा	केवल पढ़ने के लिए
10.	सुंदर बदली	कहानी	सस्वर वाचन, अर्थग्रहण, प्रत्यास्मरण, कारण बताना, चिंतन, प्रश्नों के उत्तर देना व लिखना, बहुविकल्पी प्रश्न, कल्पना
✤	**बीज**	कविता	केवल पढ़ने के लिए
11.	गुलाबी नगरी	पत्र	पत्र लेखन विधि से परिचय, वाचन, प्रश्नों के उत्तर देना, प्रत्यास्मरण, उत्तर लिखना, बहुविकल्पी प्रश्न
✤	**एक था शेखचिल्ली**	कहानी	केवल पढ़ने के लिए
12.	फ़ैसला	कहानी	वाचन, प्रत्यास्मरण, तर्कपूर्ण चिंतन, कारण बताना, निष्कर्ष निकालना, प्रश्नों के उत्तर लिखना
13.	फूल	कविता	भावपूर्ण वाचन, अर्थ व भाव ग्रहण, रसास्वादन, प्रत्यास्मरण, कविता पूरी करना, अंतर करना
14.	अंगुलिमाल	एकांकी	पात्रानुसार सस्वर वाचन, प्रत्यास्मरण, कारण जानना, प्रश्नों के उत्तर लिखना
15.	बूढ़ा घोड़ा	कहानी	सस्वर वाचन, प्रत्यास्मरण, तर्कपूर्ण चिंतन, कारण जानना, प्रतिक्रिया व्यक्त करना, बहुविकल्पी प्रश्न

व्याकरण बिंदु	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य
समानार्थी शब्द, अनेकार्थी शब्द, वाक्य बनाना	कविता पढ़ना, गाना, सुनाना, कविताएँ एकत्र करना, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, चित्र बनाना	वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रकृति-प्रेम, आनंदानुभूति
		अपना काम करना, दूसरों के काम में दखल न देना, हास्य
संयुक्त व्यंजन, विलोम शब्द, द्वित्व व्यंजन, विशेषण-विशेष्य, वाक्य रचना	रचनात्मक लेखन, कल्पना, चित्र बनाना, रंग भरना	सराहना, प्रकृति सौंदर्य, अपना काम करना, दूसरों की खुशी में खुश होना
उच्चारण, उपसर्ग, सामासिक शब्द, शब्द-परिवार, वाक्यों का शोधन	पत्र लिखना, नक्शा पढ़ कर स्थान ढूँढ़ना, सूची बनाना, जानकारी प्राप्त करना	पर्यटन, जीवन-संस्कृति, मनोरंजन, ज्ञानवर्धन
		लोगों की बातों पर ध्यान न देना
संयुक्त व्यंजनों का उच्चारण व पठन, नुक्ते और अनुनासिक का उच्चारण, बहुवचन, समानार्थी, संज्ञा व क्रिया शब्द चुनना, योजक लगाकर वाक्य बनाना	रचनात्मक लेखन, सूची बनाना, पोस्टर बनाना, जानकारी एकत्र करना	पर्यावरण संरक्षण, पेड़-पौधों व जीवों से प्यार, सहायता, प्रदूषण रोकना
उपसर्ग से नए शब्द बनाना, क्रिया शब्द लिखना, समानार्थी	कविता याद करना-सुनाना, कविताएँ इकट्ठी करना, चर्चा करना, अंतर करना, अक्षर जाल से फूलों के नाम चुनना	प्रकृति-प्रेम, जिज्ञासा, स्नेह-सुगंध, वैज्ञानिक दृष्टिकोण
समानार्थी शब्द, विराम-चिह्न, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, विलोम शब्द, मुहावरे और वाक्य प्रयोग	नाटक को कहानी रूप में लिखना, बातचीत करना, अभिनय करना, कहानियाँ पढ़ना व सुनाना, चित्र देखकर कहानी लिखना	प्रेम, शांति, अहिंसा, सद्भाव, धैर्य
लिंग, शब्द बनाना, विशेषण के लिए विशेष्य लिखना, शब्द-युग्मों का वाक्य में प्रयोग, मुहावरे	मौखिक अभिव्यक्ति, कहानियाँ पढ़ना व सुनाना, सामान्य ज्ञान में वृद्धि	जीव-प्रेम, बुज़ुर्गों की देखभाल, न्यायप्रियता

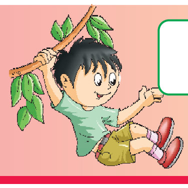

1 वर्षा ऋतु

बच्चों से ऋतुओं के बारे में बात कीजिए। गरमी के बाद कौन-सी ऋतु आती है? वर्षा ऋतु तुम्हें कैसी लगती है? वर्षा ऋतु में पौधों, पशु-पक्षियों और तुम पर क्या असर होता है?

गरमी का मौसम बीत गया,
बरसात सुहानी आई है।
जिस ओर नज़र उठ जाती है,
सुंदर हरियाली छाई है।

अब लू के गरम **झकोरों** से,
मिल गई **मुक्ति** **जड़**-जीवों को,
तन-मन को सुख देने वाली,
चलती **शीतल** पुरवाई है।

सूरज का ज़ोर हुआ हलका,
बादल के दल उमड़े-घुमड़े,
पूरब की ओर उठी देखो,
घनघोर **घटा** सुखदायी है।

जो पेड़ खड़े थे **मन मारे**,
सूखे-सूखे मुरझाए से,
उनकी रग-रग में जोश नया,
प्यारी वर्षा ऋतु लाई है।

मूल्य — ❖ प्रकृति चित्रण ❖ सौंदर्यानुभूति

प्यासी धरती की प्यास बुझा,
नदियों का वेग हुआ दूना,
पर्वत धुल-धुलकर साफ़ हुए,
झरनों की धुन मन भाई है।

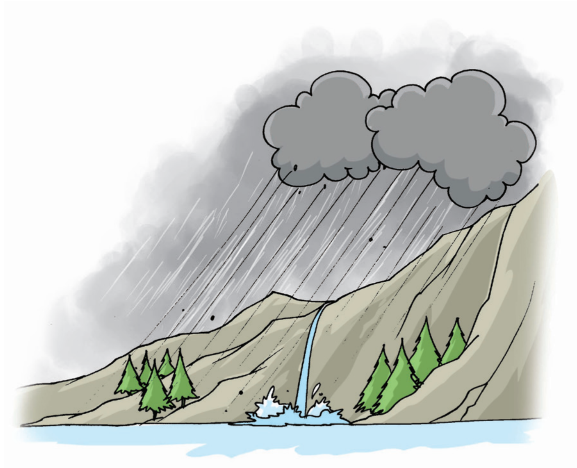

बगिया के फूलों को देखो,
मन में फूले न समाते हैं,
गुलमेहँदी छटा दिखाती है,
पर सूरजमुखी शरमाई है।

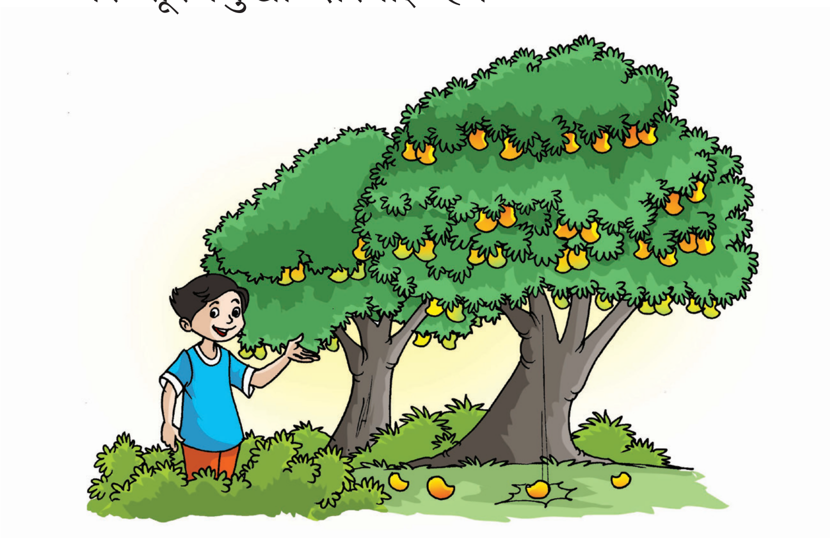

चलने से पवन झकोरों के,
टप-टप गिरते हैं आम पके,
वर्षा ऋतु में घर से ज़्यादा,
अच्छी लगती अमराई है।

—निरंकारदेव सेवक

शब्दार्थ और मुहावरे

झकोरा — हवा का झोंका **मुक्ति** — छुटकारा **जड़** — जिनमें जान न हो **तन** — शरीर **शीतल** — ठंडी **घटा** — काले बादल **मन मारे** — उदास **वेग** — गति, चाल, बहाव **पर्वत** — पहाड़ **फूला न समाना** — बहुत खुश होना **छटा** — शोभा, सुंदरता **पवन** — हवा **अमराई** — आम का बगीचा

अभ्यास

कविता से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. बरसात का मौसम किस मौसम के बाद आता है?

ख. जड़-जीवों को किससे छुटकारा मिल गया है?

ग. पेड़ों पर बरसात का क्या असर हुआ?

Skills
Comprehension
(Oral and Written)
- Recall
- Factual thinking
- Written expression
- Appreciation
- MCQs

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. बरसात का मौसम आने पर चारों ओर क्या दिखता है?

....

ख. वर्षा ऋतु में आसमान कैसा दिखता है?

....

ग. वर्षा ऋतु में कौन-सा फूल सुंदरता बिखेरता है?

....

घ. वर्षा ऋतु में नदियों, पर्वतों और झरनों में क्या बदलाव आता है?

....

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. हवा के झोंकों से कौन-सा फल टप-टप गिरता है?

जामुन ☐ आम ☐ लीची ☐

भाषिक योग्यताएँ — ❖ अर्थ एवं भाव ग्रहण-प्रत्यास्मरण ❖ चिंतन ❖ सौंदर्यानुभूति ❖ लिखित अभिव्यक्ति ❖ बहुविकल्पी प्रश्न

ख. किनका बहाव दुगुना हो जाता है?

झरनों का ☐ तालाब का ☐ नदियों का ☐

ग. वर्षा ऋतु में कैसी हवा चलती है?

गरम लू ☐ आँधी ☐ शीतल पुरवाई ☐

भाषा से

Skills

Grammar

- Synonyms
- Use of adjectives
- Rhyming words

1. पढ़ो और समझो—

पेड़	—	वृक्ष, तरु	पर्वत	—	पहाड़, गिरि
फूल	—	सुमन, पुष्प	बादल	—	मेघ, घन
हवा	—	पवन, वायु	सूरज	—	रवि, दिनकर

2. पढ़ो, समझो और चुनकर लिखो—

.........सुहानी.........	बरसात
....	घटा
....	धरती
....	पुरवाई
....	हरियाली
....	जोश
....	झकोरे

गरम, सुंदर, नया, सुहानी, प्यासी, घनघोर, शीतल

3. समान तुक वाले शब्द लिखो—

जोश	—	....	घटा	—	....
मारे	—	....	सुख	—	....
दल	—	....	शीतल	—	....
आम	—	....	धुन	—	....

भाषिक योग्यताएँ — ❖ समानार्थी शब्द ❖ विशेषण का प्रयोग ❖ तुक वाले शब्द

अब करने की बारी

क. तुम्हें कौन-सी ऋतु अच्छी लगती है और क्यों? लिखो।

ख. वर्षा ऋतु में कौन-कौन से फल और सब्ज़ियाँ आती हैं? सूची बनाओ।

ग. वर्षा ऋतु के बारे में अन्य कविता पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

घ. वर्षा ऋतु के बारे में कोई चित्र चार्ट पेपर पर बनाओ और रंग भरो। कक्षा में सजाओ।

ङ. भारत में छह ऋतुएँ होती हैं। इनके नाम मालूम करो और लिखो।

Activities
- Written expression
- Enlisting
- Reading and reciting poem
- Drawing and colouring
- Collecting information

गतिविधियाँ — ✤ लिखित अभिव्यक्ति ✤ सूची बनाना ✤ कविता पढ़ना और सुनाना ✤ चित्र बनाना व रंग भरना ✤ जानकारी प्राप्त करना

2 वह बदल गया

बच्चों से बातचीत कीजिए—तुम सुबह कितने बजे उठते हो? तुम्हें कौन उठाता है? क्या तुम अपने काम समय पर करते हो? क्या तुम्हें कभी माँ या अध्यापक से डाँट पड़ी है? क्यों? समय पर काम न करने का नतीजा अच्छा नहीं होता। कई बार एक छोटी-सी घटना ही हमें बदल देती है। आकाश के साथ क्या हुआ—आओ पढ़ें।

"आकाश, चलो उठो। स्कूल के लिए तैयार हो जाओ, वरना देर हो जाएगी।" माँ की आवाज़ सुनते ही आकाश चादर से मुँह ढाँप लेता और सोया रहता। वह अकसर स्कूल देर से पहुँचता और अध्यापक से डाँट खाता। कभी उसका गृहकार्य पूरा नहीं होता था, कभी वह कॉपी या किताब घर पर ही भूल जाता था। वह कोई काम समय पर नहीं करता था। बस हर समय खेलना-कूदना या शरारतें करना ही उसे अच्छा लगता था।

आकाश के स्कूल में वार्षिक खेल-प्रतियोगिताएँ आरंभ होने वाली थीं। आकाश दौड़ में अच्छा था। उसने भी प्रतिभागियों में अपना नाम लिखवा दिया। घर आकर उसने माँ को इसके बारे में बताया। माँ खुश होकर बोली, "यह तो बहुत अच्छी बात है। खेल-कूद में तो हिस्सा लेना ही चाहिए। लेकिन, प्रतियोगिता जीतने के लिए अभ्यास आवश्यक है। कल से तुम्हें सुबह जल्दी उठकर दौड़ने का अभ्यास करना होगा।"

"हाँ माँ! मैं खूब अभ्यास करूँगा और प्रतियोगिता जीतकर दिखाऊँगा।" आकाश ने उत्साहित होकर कहा।

मूल्य — ❖ समय की उपयोगिता ❖ अभ्यास ❖ लगन

अगले दिन प्रातः माँ आकाश को उठाने गईं तो वह फिर 'अभी उठता हूँ माँ' कहकर सो गया। वह रोज़ सुबह उठने में आनाकानी करता और 'अच्छा, कल से उठ जाऊँगा' कहकर सो जाता। आज नहीं कल करते-करते दस दिन बीत गए। प्रतियोगिता का दिन भी आ गया। उस दिन ज़रूर आकाश उठकर दौड़ने का अभ्यास करने गया। उसे विश्वास था कि उससे तेज़ कोई दौड़ नहीं सकता। ऐसा उसके दोस्त भी कहते थे।

उस दिन स्कूल में काफ़ी भीड़ थी। बच्चों के माता-पिता भी आए थे। फोटोग्राफर की भी व्यवस्था की गई थी। विजेता की फोटो स्कूल पत्रिका में छपनी थी। आकाश की बड़ी अभिलाषा थी कि उसकी फोटो स्कूल पत्रिका में छपे।

नियत समय पर दौड़ शुरू हुई। आकाश सबसे आगे था। उसके मित्र उसका उत्साह बढ़ा रहे थे। लेकिन शीघ्र ही असद उसे पीछे छोड़कर आगे निकल गया। आकाश ने अपनी पूरी ताकत लगा दी पर अभ्यास न होने के कारण उसकी साँस फूलने लगी। वह पिछड़ गया और तीसरे नंबर पर रह गया।

आकाश का मुँह उतर गया। उसे अपनी हार का बड़ा दुख हुआ। सब असद को बधाई दे रहे थे, "यार असद, तूने तो कमाल कर दिया। दौड़ में आकाश को हराना कोई आसान काम नहीं है। यह तूने किया कैसे?"

असद बहुत खुश था। वह बोला, "इसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है। पता है, मैं

रोज़ सुबह जल्दी उठकर मैदान में दौड़ने का अभ्यास करता था। मैंने मन में ठान ली थी कि इस बार की दौड़ प्रतियोगिता मैं ही जीतूँगा। मैंने पूरी लगन से अभ्यास किया और परिणाम तुम्हारे सामने है।''

आकाश पास में ही खड़ा उनकी बातें सुन रहा था। उसे अपनी भूल का अहसास हो रहा था। उसने भी आगे बढ़कर असद को बधाई दी और घर लौट आया।

अगले दिन माँ आकाश को उठाने गईं तो आकाश बिस्तर पर था ही नहीं। वह तो नहा-धोकर स्कूल की वरदी पहने तैयार खड़ा था। माँ ने मुसकुराते हुए आकाश के गाल थपथपा दिए।

अब आकाश कभी देर से स्कूल नहीं पहुँचता। उसका बस्ता पहले से तैयार होता है और काम हमेशा पूरा रहता है। अध्यापक भी उससे खुश रहते हैं। वह बदल गया है।

शब्दार्थ और मुहावरे

ढाँपना — ढक लेना **वार्षिक** — सालाना **प्रतियोगिता** — मुकाबला **प्रतिभागी** — भाग लेने वाले **आवश्यक** — ज़रूरी **उत्साहित** — उमंग में भरकर **प्रातः** — सवेरे **आनाकानी** — अनसुनी **विश्वास** — यकीन **व्यवस्था** — इंतज़ाम **विजेता** — जीतने वाला **अभिलाषा** — इच्छा **मुँह उतरना** — उदास हो जाना **ठान लेना** — दृढ़ निश्चय करना **परिणाम** — नतीज़ा

अभ्यास

कहानी से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. आकाश को अध्यापक से डाँट क्यों पड़ती थी?

ख. आकाश ने किस प्रतियोगिता में अपना नाम लिखाया?

ग. आकाश की क्या अभिलाषा थी?

घ. आकाश दौड़ में क्यों पिछड़ गया?

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Recall
- Logical thinking
- Written expression
- MCQs

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. सवेरे-सवेरे माँ की आवाज़ सुनकर आकाश क्या करता था?

....

ख. आकाश ने दौड़ में अपना नाम क्यों लिखवाया?

....

ग. दौड़ में असद के जीत जाने का क्या कारण था?

....

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. आकाश को क्या करना अच्छा लगता था?

पढ़ना ☐ खेलना-कूदना ☐ गाना ☐

भाषिक योग्यताएँ — ❖ अर्थग्रहण-प्रत्यास्मरण ❖ तर्कपूर्ण चिंतन ❖ लिखित अभिव्यक्ति ❖ बहुविकल्पी प्रश्न

ख. स्कूल में उस दिन भीड़ क्यों थी?
खेल प्रतियोगिता थी। ☐ दूसरे स्कूलों के बच्चे आए थे। ☐
बच्चों के माता पिता आए थे? ☐

ग. आकाश दौड़ में किस नंबर पर आया?
प्रथम ☐ द्वितीय ☐ तृतीय ☐

भाषा से

Skills
Vocabulary
- Joint consonants
- ऊष्म व्यंजन वाले शब्द
- Antonyms

1. समझो, पढ़ो और लिखो—

भ् + य = भ्य	अभ्यास	सभ्य	....
श् + व = श्व	विश्व	अश्व	....
स् + थ = स्थ	व्यवस्था	स्वस्थ	....
ध् + य = ध्य	संध्या	अध्यापक	....

2. इन वर्णों से बने तीन-तीन शब्द लिखो—

श	आकाश	....	....	....
ष	वर्ष	....	....	....
स	सुबह	....	....	....

3. इन शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखो—

अगला — ....
आरंभ — ....
सुबह — ....
जीत — ....
आज — ....
मित्र — ....

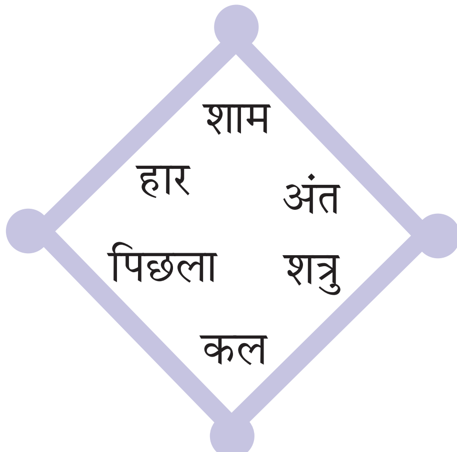

भाषिक योग्यताएँ — ❖ संयुक्त व्यंजन तथा ऊष्म व्यंजन वाले शब्द ❖ विलोम शब्द

4. वाक्य बनाकर लिखो—

आकाश के		में बहुत भीड़ थी।
उस दिन	स्कूल	देर से पहुँचता था।
उसकी फोटो		की पत्रिका में नहीं छपी।
वह हमेशा		में खेल प्रतियोगिता थी।

....

....

....

....

5. पढ़ो, समझो और करो—

हरिया नाम का एक किसान था। **उसके** पास काफ़ी ज़मीन थी। लेकिन **वह** एक नंबर का आलसी था। धीरे-धीरे **उसकी** हालत बिगड़ने लगी।

ऊपर दिए वाक्यों में **उसके**, **वह** और **उसकी** शब्द हरिया नाम के लिए प्रयोग किए गए हैं। नाम की जगह प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं। मैं, हम, तुम, आप, वह, वे उस, उन, इस आदि सर्वनाम हैं।

नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्दों पर गोला लगाओ—

क. मैं घर जा रहा हूँ।

ख. वह नदी किनारे सैर करने गया।

ग. उसने एक अद्भुत नज़ारा देखा।

घ. उसकी गाय खो गई थी।

ङ. तुम गाय को ढूँढ़ लाओ।

Skills
Grammar
- Sentence construction
- Pronoun

अब करने की बारी

क. यदि हम अपने काम समय पर न करें तो क्या होगा? कॉपी पर लिखो।

ख. आकाश ने दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। तुम अपने स्कूल में किन-किन खेलों में भाग लेते हो और उसके लिए क्या-क्या तैयारियाँ करते हो? बताओ।

ग. दौड़ प्रतियोगिता के परिणाम ने आकाश को बदल दिया। अपने बारे में कोई ऐसी घटना सुनाओ जो तुम्हारे अंदर कोई बदलाव ले आई हो।

Activities
- Logical thinking
- Written expression
- Discussion in the class
- Narrating incidents

गतिविधियाँ — ❖ तर्कपूर्ण चिंतन एवं रचनात्मक लेखन ❖ बातचीत ❖ घटना सुनाना

3 गोपाल की सच्चाई

बच्चों से बातचीत कीजिए—तुम्हारे अच्छे काम के लिए तुम्हारी प्रशंसा की जाती है तो तुम खुश होते हो किंतु काम कोई और करे और प्रशंसा तुम्हारी की जाए तो तुम्हें कैसा लगेगा? क्या तुम खुशी महसूस करोगे? आओ, यह घटना पढ़कर जानें।

बालक गोपाल विद्यालय में पढ़ता था। एक दिन कक्षा में अध्यापक ने बच्चों को गणित का एक प्रश्न हल करने के लिए दिया। बच्चे वह प्रश्न हल न कर सके। छुट्टी की घंटी बज गई। अध्यापक ने बच्चों को वह प्रश्न घर से हल कर लाने के लिए कह दिया। सब बच्चे घर चले गए।

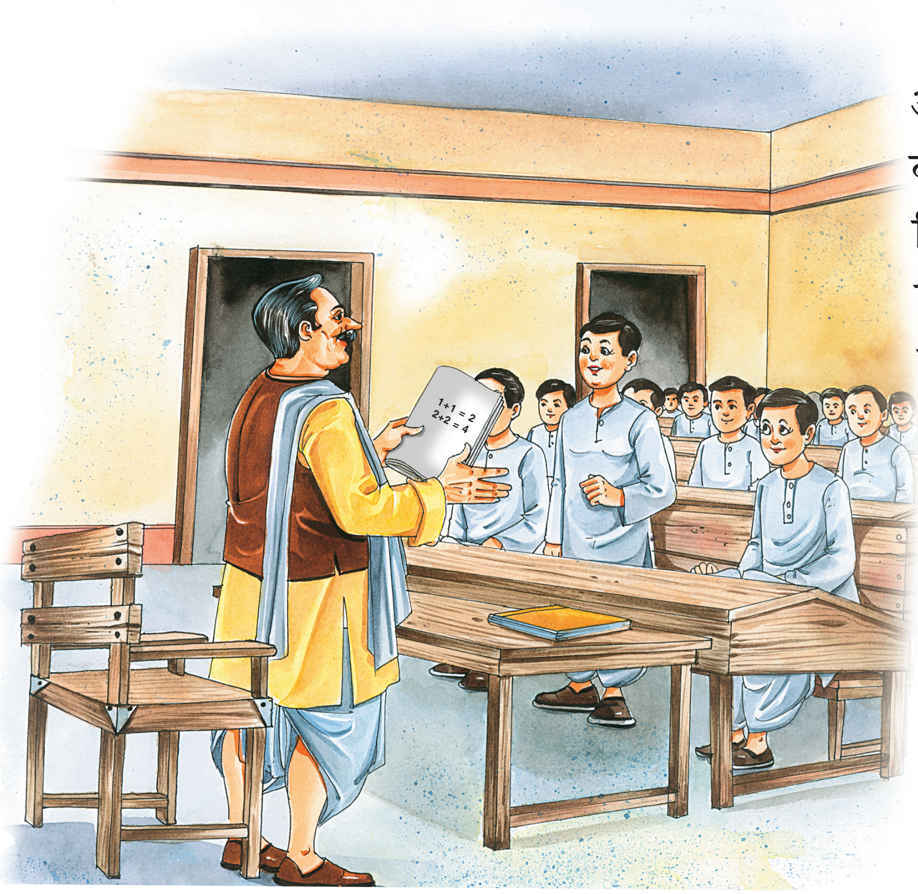

अगले दिन कक्षा में अध्यापक आए। उन्होंने बच्चों से अपनी-अपनी कॉपी दिखाने को कहा। कुछ बच्चे तो गणित का वह प्रश्न हल करके ही नहीं लाए थे और जो करके लाए थे, उनका उत्तर सही नहीं था। अंत में गोपाल की बारी आई। अध्यापक ने गोपाल की कॉपी लेकर उत्तर जाँचा तो वह बिलकुल ठीक था। अध्यापक बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसकी पीठ थपथपाई और उसकी बहुत प्रशंसा की।

मूल्य — ✤ सच्चाई ✤ ईमानदारी ✤ साहस

अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल ज़रा भी खुश नहीं हुआ बल्कि उसके चेहरे पर उदासी छा गई। वह सिर नीचा किए खड़ा रहा। ज्यों-ज्यों अध्यापक उसकी प्रशंसा करते जाते, त्यों-त्यों उसकी उदासी बढ़ती जाती। अंत में वह फूट-फूटकर रो पड़ा।

अध्यापक को बड़ा आश्चर्य हुआ। उन्होंने गोपाल के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, "बेटा, तुमने तो प्रश्न को सही हल किया है। तुम क्यों रो रहे हो?"

गोपाल ने रोते हुए कहा, "गुरु जी, मैं प्रशंसा के लायक नहीं हूँ। यह प्रश्न मैंने स्वयं हल नहीं किया है। इसे मैंने अपने एक मित्र से हल करवाया था। अपनी प्रशंसा सुनकर मुझे बड़ा दुख हो रहा है।"

गोपाल की बात सुनकर अध्यापक का हृदय भर आया। वे गोपाल की सच्चाई से बहुत प्रभावित हुए। उसकी प्रशंसा करते हुए बोले, "बेटा, तुम एक सच्चे बालक हो। तुम अवश्य अपने देश का नाम ऊँचा करोगे।"

अध्यापक की कही हुई बात सच निकली। यही बालक आगे चलकर गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से भारत का महान नेता बना। गोपाल कृष्ण गोखले ने अपना पूरा जीवन देश की उन्नति के लिए अर्पित कर दिया। महात्मा गांधी उन्हें अपना गुरु मानते थे और उनका बहुत आदर करते थे।

शब्दार्थ और मुहावरे

प्रश्न — सवाल **पीठ थपथपाना** — शाबाशी देना **अंत** — आखिर **फूट-फूटकर रोना** — ज़ोर-ज़ोर से रोना **आश्चर्य** — हैरानी **हृदय भर आना** — भावुक हो जाना **प्रभावित होना** — असर पड़ना **अवश्य** — ज़रूर **उन्नति** — विकास, प्रगति **अर्पित** — दे देना

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Reasoning
- Logical thinking
- Verbal expression
- MCQs

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. अध्यापक ने बालक गोपाल की प्रशंसा क्यों की?

ख. अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल क्यों रोने लगा?

ग. अध्यापक गोपाल के उत्तर से बहुत प्रभावित हुए। क्यों?

घ. अध्यापक ने गोपाल के भविष्य के बारे में क्या कहा?

ङ. गोपाल का पूरा नाम क्या था?

लिखित

1. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. अध्यापक ने बच्चों को कौन-सा प्रश्न हल करने को दिया?

विज्ञान का ☐ गणित का ☐ अंग्रेज़ी का ☐

ख. अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल पर क्या असर हुआ?

वह खुश हो गया ☐ वह हँसने लगा ☐

वह उदास हो गया ☐

ग. गोपाल ने प्रश्न किससे हल करवाया था?

मित्र से ☐ पिता से ☐ पड़ोसी से ☐

भाषिक योग्यताएँ — ❖ प्रत्यास्मरण ❖ कारण जानना ❖ तर्कपूर्ण चिंतन ❖ प्रश्नों के उत्तर देना ❖ बहुविकल्पी प्रश्न

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो—

उन्नति अवश्य आश्चर्य हृदय प्रशंसा

क. किरण की बात सुनकर पिताजी को बड़ा .... हुआ।

ख. स्वस्थ रहने के लिए हमें व्यायाम .... करना चाहिए।

ग. अच्छे बच्चों की सभी .... करते हैं।

घ. मेरा विद्यालय हर क्षेत्र में .... कर रहा है।

ङ. पुत्र को लंबे समय बाद देखकर माँ का .... भर आया।

3. तुम्हारी प्रशंसा कब-कब कौन करता है और क्यों? लिखो।

भाषा से

Skills
- Using words in context
- Creative writing
- Plurals
- Nasal and Semi-nasal vowels

1. पढ़ो और समझो—

क.	बच्चा	बच्चे	बच्चों ने		
	छुट्टी	छुट्टियाँ	छुट्टियों में		
	कॉपी	कॉपियाँ	कॉपियों में		
	घंटी	घंटियाँ	घंटियों की		
ख.	ॅ	कॉपी	बॉल	डॉक्टर	रॉकेट
	ँ	जाँच	आँख	मूँछ	बाँध

ग.	अंत	=	अन्त	घंटी	=	घण्टी
	कंधा	=	कन्धा	डंडा	=	डण्डा
	सुंदर	=	सुन्दर	कंठ	=	कण्ठ

भाषिक योग्यताएँ — ✤ प्रसंग संकेत से शब्द चुनना ✤ रचनात्मक लेखन ✤ बहुवचन ✤ अनुस्वार-अनुनासिक व ऑ का प्रयोग

Skills
Grammar
- Homonyms
- Writing joint consonants
- Antonyms

2. समझो और वाक्य बनाओ—

क. बालक ने प्रश्न **हल** कर लिया।

ख. किसान खेत में **हल** चला रहा है।

पहले वाक्य में **हल** शब्द का अर्थ है, **समाधान करना** या सुलझाना।
दूसरे वाक्य में **हल** शब्द का अर्थ है, **खेती का यंत्र**।

नीचे लिखे शब्दों का अलग-अलग अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर — ....
....

फल — ....
....

3. पढ़ो और लिखो—

अध्यापक	ध्यान	ध्येय	संध्या
....	....	....	....
आश्चर्य	निश्चय	पश्चात	पश्चिम
....	....	....	....

4. उलटे अर्थ वाले शब्द पर (✓) लगाओ—

उन्नति	—	प्रगति	☐	अवनति	☐	तरक्की	☐
प्रश्न	—	उत्तर	☐	हल	☐	जवाब	☐
अंत	—	शुरू	☐	आदि	☐	समाप्त	☐
आदर	—	अनादर	☐	निरादर	☐	सम्मान	☐
प्रशंसा	—	तारीफ़	☐	बुराई	☐	निंदा	☐

भाषिक योग्यताएँ — ✤ अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग ✤ संयुक्त व्यंजनों का लेखन ✤ विलोम शब्द

अब करने की बारी

क. पुस्तकालय से पुस्तक लेकर महान व्यक्तियों के बचपन के प्रसंग पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

ख. भारत की आज़ादी के लिए लड़ने वाले इन महान व्यक्तियों को पहचानो और इनके नाम लिखो।

Activities
- Extra reading
- Narrating incidents
- Identifying the great personalities
- Writing slogans on wall boards

....

....

....

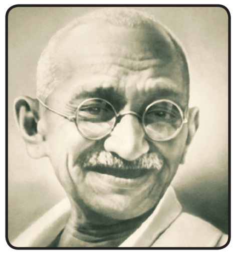
....

....

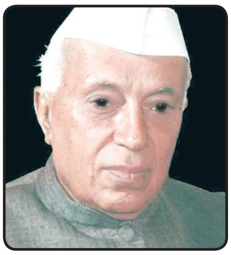
....

....

....

घ. प्रसिद्ध नारों को चार्ट पेपर की फीतियों पर लिखो और कक्षा में लगाओ।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।
—सुभाष चंद्र बोस

जय जवान, जय किसान।
—लाल बहादुर शास्त्री

करो या मरो।
—महात्मा गांधी

भाषिक योग्यताएँ — ❖ अतिरिक्त पठन ❖ प्रसंग सुनाना ❖ चित्र पहचानकर नाम लिखना ❖ चार्ट पेपर की फीतियों पर नारे लिखना

मुल्ला नसरुद्दीन (चित्रकथा)

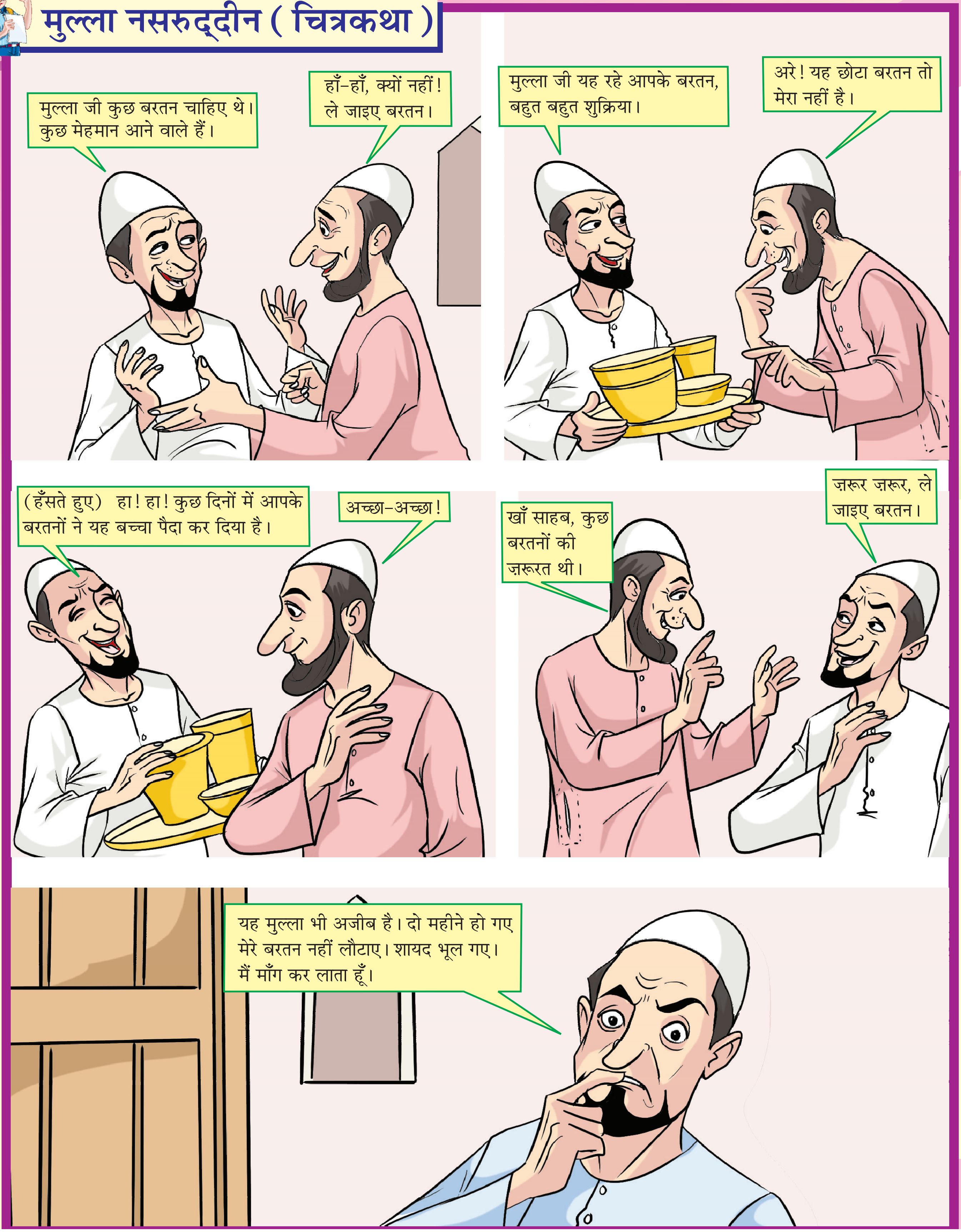

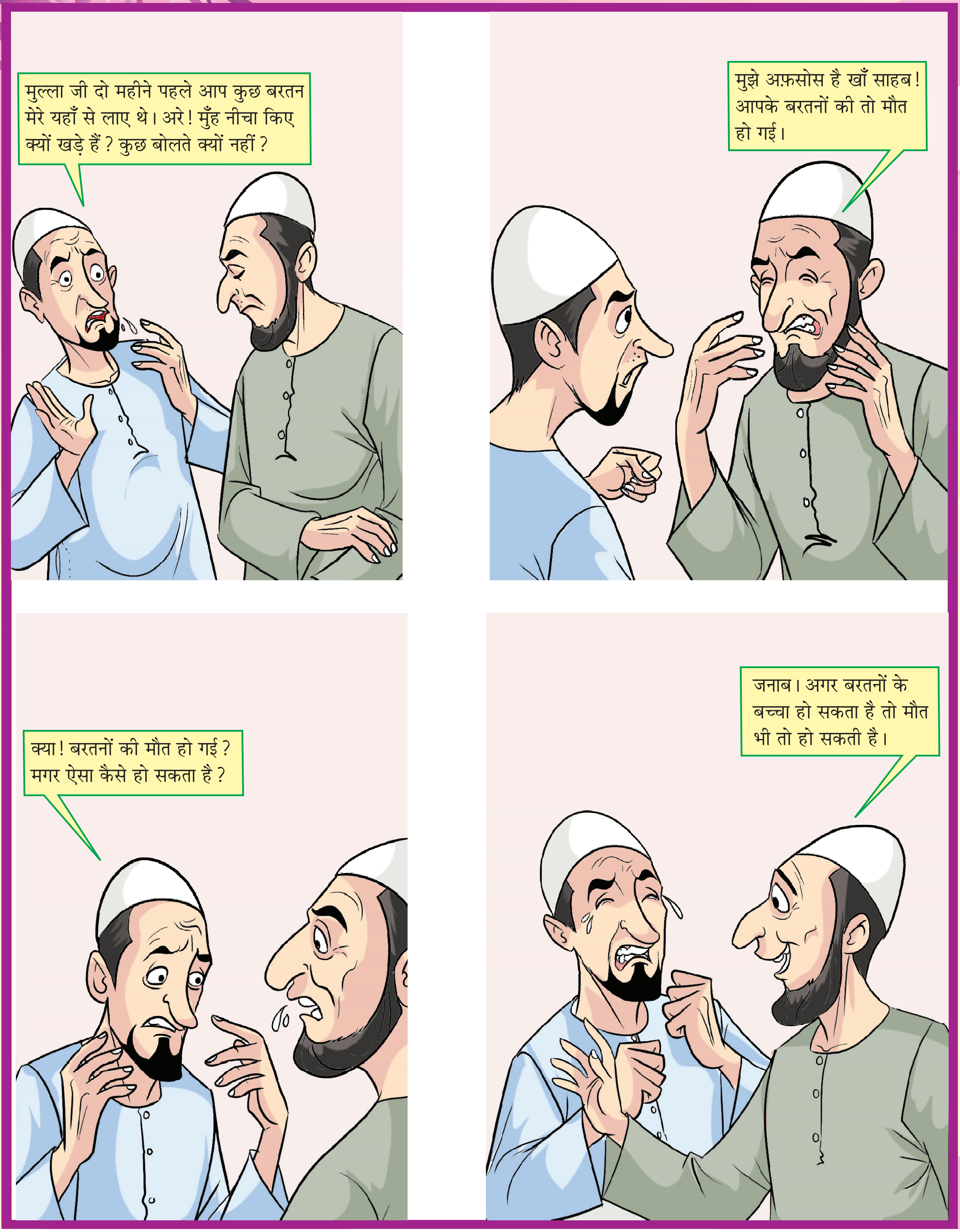
मुल्ला जी दो महीने पहले आप कुछ बरतन मेरे यहाँ से लाए थे। अरे! मुँह नीचा किए क्यों खड़े हैं? कुछ बोलते क्यों नहीं?
मुझे अफ़सोस है खाँ साहब! आपके बरतनों की तो मौत हो गई।
क्या! बरतनों की मौत हो गई? मगर ऐसा कैसे हो सकता है?
जनाब। अगर बरतनों के बच्चा हो सकता है तो मौत भी तो हो सकती है।

4

चतुर गीदड़

बच्चो! तुमने लोमड़ी और खरगोश की चतुराई की कई कहानियाँ सुनी हैं। ऐसी ही कोई कहानी सुनाइए। आज हम एक ऐसी कहानी पढ़ेंगे जिसमें लोमड़ी घमंड के कारण अपनी जान गँवा बैठी और गीदड़ ने अपनी सूझ-बूझ और धैर्य से मुसीबत को दूर भगा दिया।

बड़े ज़ोर की बारिश हो रही थी। एक गीदड़ -गीदड़ी जंगल में अपने नन्हे बच्चों के साथ भटक रहे थे। उन्हें एक गुफा दिखाई दी। वे उसी में घुस गए।

वह गुफा एक शेर की थी। गुफा में जगह-जगह मांस के टुकड़े पड़े थे। गीदड़ी डर गई। वह बोली, ''यह तो शेर की गुफा है। वह किसी भी समय यहाँ आ जाएगा और हमें मार डालेगा।''

गीदड़ बोला, ''तू डर मत। जब शेर आएगा तो मैं उससे निपट लूँगा। बस, मैं जैसा कहूँ, तू वैसा करती जाना।''
गीदड़ ने गीदड़ी को अपनी योजना बता दी।

थोड़ी देर बाद गुफा के बाहर कुछ आहट हुई। गीदड़ी ने झाँककर देखा – शेर आ रहा था। गीदड़ तैयार था। उसने भारी-भरकम ऊँची आवाज़ में पुकारा – ''जंजीराऽऽऽऽऽऽ!'' गुफा के दरवाज़े के पास से गीदड़ी ने जवाब दिया, ''जी तीसमार खाँ!''

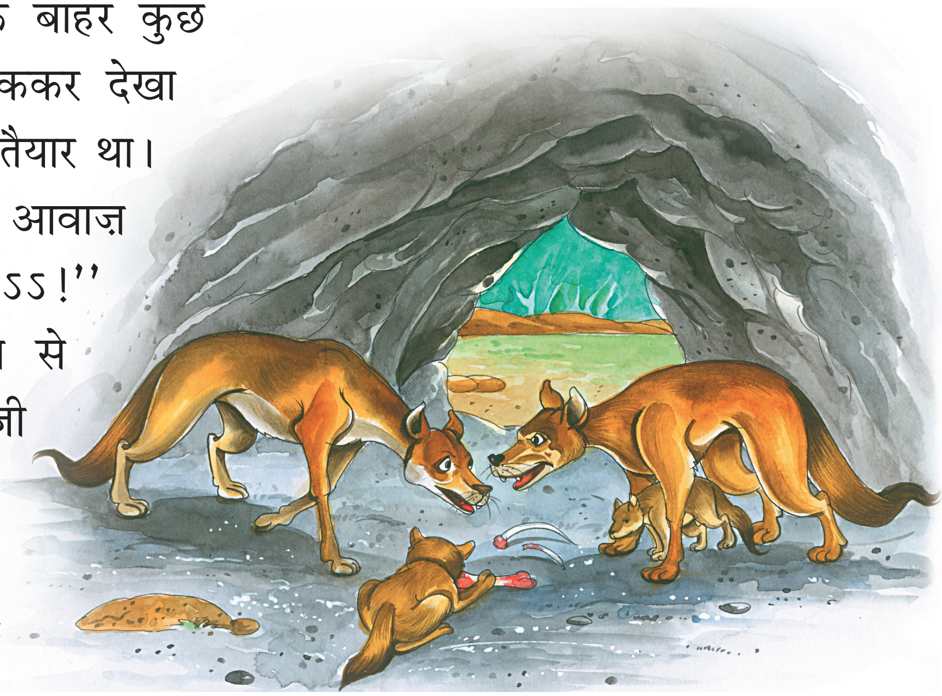

शेर ने सुना तो रुक गया। वह सोचने लगा ''तीसमार

मूल्य — ❖ चतुराई ❖ सूझ-बूझ ❖ धैर्य ❖ घमंड न करना

खाँ! यह तीसमार खाँ कौन है? ज़रूर कोई भयानक शक्तिशाली जीव होगा, तभी तो मेरी गुफा में घुसने की उसकी हिम्मत हुई।''

शेर उलटे पाँव लौट गया। उसने यह बात जाकर अपने साथियों को बताई। वे सब उसपर हँसने लगे। एक साथी बोला, ''भई, तुम तो बड़े डरपोक निकले। अपने को जंगल का राजा कहते हो। चलो, हम तुम्हारे साथ चलते हैं। देखते हैं, कौन बड़ा तीसमार खाँ है।''

शेर बोला, ''मैं बता रहा हूँ कि वहाँ जाना खतरनाक हो सकता है। लेकिन, तुम लोग कहते हो तो चलता हूँ।''

वे एक साथ गुफा की तरफ चल दिए। तीसमार खाँ से मुकाबला करने के लिए उन्होंने सोचा कि क्यों न हम एक दूसरे की पीठ पर चढ़ जाएँ। इससे हम भी भयानक और शक्तिशाली लगेंगे। वे एक दूसरे की पीठ पर चढ़ गए।

गीदड़ ने उन्हें आते देखा तो रौबीली आवाज़ में बोला, ''अरे जंजीरा! ये बच्चे क्यों रो रहे हैं?''

गीदड़ी बोली, ''बच्चे भूखे हैं। ये शेर का मांस माँग रहे हैं।''

गीदड़ ने कहा, ''सुबह ही तो मैं एक शेर मारकर लाया था।''

गीदड़ी बोली ''तीसमार खाँ जी! बच्चों को शेर का ताजा मांस चाहिए। मुझे शेर की गंध आ रही है। आप बाहर जाकर जल्दी से शेर मारकर लाइए।''

"मैं अभी जाता हूँ।" गीदड़ बोला।

सबसे नीचे खड़े शेर ने गीदड़-गीदड़ी की बात सुनी तो उसके पसीने छूट गए। वह जो दुम दबाकर भागा तो उसके ऊपर खड़े शेर भी धड़ाम-धड़ाम करते नीचे आ गिरे। वे भी गिरते-पड़ते जान बचाकर भागे।

रास्ते में एक लोमड़ी ने उन्हें भागते देखा तो पूछा, "क्या बात है? आप लोग इस तरह घबराकर क्यों भाग रहे हैं"?

शेर रुककर हाँफ़ते-हाँफ़ते बोला, "मेरी गुफा पर किसी तीसमार खाँ नाम के भयानक जानवर ने कब्ज़ा कर लिया है। वह बड़ा शक्तिशाली है। वह तो हमें मारकर खाने वाला था। बड़ी मुश्किल से हम किसी तरह जान बचाकर भागे हैं।"

"भयानक जानवर! तीसमार खाँ! अरे आपसे शक्तिशाली और कौन हो सकता है? आप बेकार ही डर रहे हैं। मेरे साथ चलिए। मैं देखती हूँ कि कौन तीसमार खाँ है!" लोमड़ी बोली।

"न भई न! मैं नहीं जाऊँगा। इतनी मुश्किल से तो जान बची है। और तुम्हारा क्या भरोसा? मुसीबत आते ही भाग गई तो?" शेर बोला।

लोमड़ी ने कहा, "आप इतना क्यों डर रहे हैं? मुझपर भरोसा नहीं है तो हम एक-दूसरे को रस्सी से बाँध लेते हैं। फिर तो मेरे भागने का कोई खतरा नहीं होगा?"

शेर ने कहा, "हाँ, यह ठीक रहेगा।"

लोमड़ी ने मज़बूत रस्सी के एक सिरे से शेर को और दूसरे

से खुद को बाँध लिया और चल दिए गुफा की तरफ़। लोमड़ी आगे-आगे, शेर पीछे-पीछे।

गीदड़ ने उन्हें आते देखा तो मुसकराने लगा। उनके गुफा के पास आते ही गीदड़ चिल्लाकर बोला, "लोमड़ी की बच्ची, मैंने तुझे दो शेर लाने को कहा था, तू यह मरियल-सा एक ही शेर लेकर आई है।"

इतना सुनना था कि शेर 'धोखा, धोखा' चिल्लाता हुआ सिर पर पाँव रखकर भागा। लोमड़ी 'रुको, रुको' चिल्लाती रह गई। पर, शेर को तो अपनी जान की पड़ी थी। वह लोमड़ी को साथ में घसीटता हुआ भागता गया, भागता गया। झाड़ियों और पत्थरों से टकरा-टकराकर बेचारी लोमड़ी की जान निकल गई। शेर फिर कभी उस गुफा की ओर नहीं आया।

शब्दार्थ और मुहावरे

भटकना — इधर-उधर घूमना **निपटना** — भुगतना **योजना** — कुछ करने की सोच या व्यवस्था **आहट** — चलने की आवाज़ **भयानक** — डरावना **शक्तिशाली** — ताकतवर **जीव** — प्राणी **रौबीली** — रौब से भरी **गंध** — बू **पसीने छूटना** — घबरा जाना **दुम दबाकर भागना** — डरकर भागना **कब्ज़ा** — अधिकार **सिरा** — किनारा **मरियल-सा** — कमज़ोर, मरे जैसा **सिर पर पाँव रखकर भागना** — बहुत तेज़ भागना

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. गीदड़ी ने यह क्यों कहा कि यह तो शेर की गुफा है?

ख. गीदड़ ने गीदड़ी को क्या योजना बताई होगी?

ग. 'जी तीसमार खाँ!' सुनते ही शेर उलटे पाँव क्यों लौट गया?

घ. शेर ने स्वयं को लोमड़ी के साथ क्यों बाँधा?

ङ. गीदड़ की बात सुनकर शेर क्यों भागा?

> **Skills**
> *Comprehension (Oral)*
> - Logical thinking
> - Recall
> - Reasoning
> - MCQs

लिखित

1. किसने कहा? किससे कहा? सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. यह तो शेर की गुफा है।

गीदड़ी ने गीदड़ से ☐ गीदड़ी ने लोमड़ी से ☐
लोमड़ी ने गीदड़ से ☐

ख. मैं बता रहा हूँ कि वहाँ जाना खतरनाक हो सकता है।

शेर ने लोमड़ी से ☐ गीदड़ ने गीदड़ी से ☐
शेर ने अपने साथियों से ☐

ग. मैं देखती हूँ कि कौन तीसमारखाँ है।

गीदड़ी ने लोमड़ी से ☐ लोमड़ी ने शेर से ☐
लोमड़ी ने गीदड़ से ☐

भाषिक योग्यताएँ — ✤ अर्थग्रहण-कारण जानना ✤ अनुमान लगाना ✤ प्रत्यास्मरण ✤ बहुविकल्पी प्रश्न

2. प्रश्नों के उत्तर कॉपी पर लिखो—

क. इस कहानी का नाम 'चतुर गीदड़' क्यों रखा गया है?

ख. कहानी के लिए कोई और शीर्षक लिखो। तुम यह शीर्षक क्यों रखना चाहते हो?

3. शेर, लोमड़ी और गीदड़ कैसे थे? चित्र से शब्द तक रेखा खींचकर बताओ—

मूर्ख		चालाक
समझदार		बड़बोली
डरपोक		घमंडी
बातूनी		निडर

Skills
Comprehension (Written)
- Logical thinking
- Heading of the lesson
- Character sketch
- Nouns

1. कहानी में बहुत-से नाम वाले शब्द हैं। नाम वाले (संज्ञा) शब्दों को चुनकर अलग-अलग खानों में लिखो—

जानवरों के नाम	जगहों के नाम	चीज़ों के नाम
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

भाषिक योग्यताएँ — ❖ तर्कपूर्ण चिंतन ❖ शीर्षक लिखना ❖ चरित्र-चित्रण ❖ संज्ञा

2. पढ़ो और समझो—

मैं	मेरा	मुझे	हम	हमारा	हमें
तू	तेरा	तुझे	तुम	तुम्हारा	तुम्हें
वह	उसका	उसे	वे	उनका	उन्हें

3. पढ़ो, समझो और तीन-तीन शब्द लिखो—

र् + उ = रु रुक ....

र् + ऊ = रू रूठना ....

4. समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ—

हिम्मत	प्राण
शक्तिशाली	डरावना
भरोसा	उत्तर
मुश्किल	साहस
जान	कठिन
जवाब	ताकतवर
भयानक	विश्वास

Skills

Grammar

- Pronouns
- Symbols of उ-ऊ
- Synonyms
- Meaning of idioms

5. अपने शब्दों में लिखो—

क. शेर उलटे पाँव लौट गया।

....

ख. गीदड़-गीदड़ी की बात सुनकर शेर के पसीने छूट गए।

....

भाषिक योग्यताएँ — ✤ सर्वनाम के रूप ✤ र में उ-ऊ की मात्रा का प्रयोग ✤ समानार्थी शब्द ✤ मुहावरों का अर्थ समझना

ग. शेर दुम दबाकर भागा।

....

घ. शेर सिर पर पाँव रखकर भागा।

....

अब करने की बारी

क. कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

ख. गीदड़ की चतुराई की और कहानियाँ पढ़ो और सुनो तथा कक्षा में सुनाओ।

ग. मुखौटे लगाकर कक्षा में कहानी का अभिनय करो। गत्ता काटकर मुखौटे बनाओ।

Activities
- Narrating story
- Reading stories
- Enacting story

गतिविधियाँ — ✤ कहानी सुनाना ✤ कहानियाँ पढ़ना ✤ कहानी का अभिनय करना

5 कैसे चलेगी

बच्चों से पेड़ों के बारे में बातचीत कीजिए। पेड़ों के नाम पूछिए। पेड़ों से क्या-क्या मिलता है? यदि धरती पर पेड़ न होते तो क्या होता? बताइए—हमें पेड़ों को काटना या नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

पेड़ सहकर धूप खुद,
देते सभी को छाँह अपनी।
मदद करने को बढ़ाते,
डालियों-सी बाँह अपनी।

खींचते रहते निरंतर
ये हवा गंदी हमारी।
है हमें मिलती इन्हीं से,
प्राण वायु विशुद्ध सारी।

सींचते धरती हमारी,
बादलों को भी बुलाते।
जल बरसता खेत-उपवन,
वन सभी हैं लहलहाते।

जाएँ उनको काटते ही,
तो मिलेगी छाँह कैसे?
मदद करने को बढ़ेगी,
डालियों सी बाँह कैसे?

और लेने साँस को फिर,
प्राण वायु कहाँ मिलेगी?
प्राण वायु नहीं मिली,
तो ज़िंदगी कैसे चलेगी?

—द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

मूल्य — ✤ पेड़ों की उपयोगिता ✤ पर्यावरण संरक्षण

शब्दार्थ और मुहावरे

छाँह — छाया **निरंतर** — लगातार **विशुद्ध** — स्वच्छ **उपवन** — बगीचा
वन — जंगल **प्राण वायु** — जीवित रहने के लिए आवश्यक हवा (ऑक्सीजन)

अभ्यास

कविता से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. पेड़ हमें छाया देने को खुद क्या कष्ट उठाते हैं?

ख. डालियों की तुलना किससे की गई है?

ग. प्राण वायु क्या होती है?

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Logical thinking
- Appreciation
- Recall
- Writing answers

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. पेड़ हमारी कौन-सी गंदी हवा खींच लेते हैं?

....

ख. पेड़ धरती की मदद कैसे करते हैं?

....

ग. पेड़ों के बिना हमारी ज़िंदगी क्यों नहीं चलेगी?

....

भाषिक योग्यताएँ — ❖ अर्थ एवं भाव ग्रहण-तर्कपूर्ण चिंतन ❖ कविता का रसास्वादन ❖ प्रत्यास्मरण ❖ प्रश्नों के उत्तर लिखना

Skills
- गद्यान्वय
- Synonyms
- Rhyming words

2. पढ़ो, समझो और लिखो—

पेड़ सहकर धूप खुद
देते सभी को छाँह अपनी।

इसे हम इस तरह भी लिखे सकते हैं—

पेड़ खुद धूप सहकर सभी को अपनी छाँह देते हैं।

क. खींचते रहते निरंतर,
ये हवा गंदी हमारी।

....

ख. जाएँ इनको काटते ही,
तो मिलेगी छाँह कैसे?

....

ग. और लेने साँस को फिर,
प्राण वायु कहाँ मिलेगी?

....

भाषा से

1. इन चित्रों के दो-दो नाम लिखो।

....
....

....
....

2. तुक वाले शब्द लिखो।

बाँह —	....	खेत —	....
हवा —	....	धरती —	....
सारी —	....	साँस —	....

भाषिक योग्यताएँ — ✤ गद्यान्वय ✤ समानार्थी ✤ कांत शब्द

अब करने की बारी

क. अगर पेड़ न होते तो क्या होता? लिखो।

ख. तुम्हारे घर के आस-पास कौन-कौन से पेड़ हैं? उनके नाम लिखो।

ग. तुम अपने घर में बहुत-सी चीज़ें इस्तेमाल करते हो। देखो कि उनमें से कौन-सी चीज़ें पेड़ों से प्राप्त हुई हैं। उनकी सूची बनाओ।

घ. पेड़ों से संबंधित कविताएँ पत्र-पत्रिकाओं से इकट्ठी करो। याद करके कक्षा में सुनाओ।

पढ़ो, याद करो और गाओ।

मेरे घर के पास लगा है,
पेड़ नीम का हरा-भरा।
उसकी डालें झुक-झुक छूतीं,
मेरे रहने का कमरा।

शाम सवेरे चिड़ियाँ आकर,
इसमें शोर मचाती हैं।
तरह-तरह के गाने गाकर,
मेरा दिल बहलाती हैं।

जब सावन आता है तब,
इसकी डालों में झूला डाल।
मैं झूला करता हूँ इसमें,
झूला करता है गोपाल।

वैसे भी मैं रोज़ बैठता,
इसकी छाया के नीचे।
खेला करता आँख-मिचौनी,
कभी-कभी आँखें मींचे।

नीम न होता अगर सामने,
घर उजड़ा-उजड़ा दिखता।
हरियाली के बिना हमारा,
दिल न हरा-भरा रहता।

Activities
- Creative writing
- Recognizing and writing names of trees
- Enlisting things
- Collecting poems
- Learning poems and reciting them

गतिविधियाँ — ❖ रचनात्मक लेखन ❖ पहचानना व नाम लिखना ❖ सूची बनाना ❖ कविताएँ एकत्र करना ❖ याद करना व सुनाना ❖ कविता पढ़ना

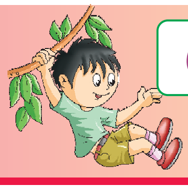

6 मेरे दोस्त बनोगे

बच्चों से पक्षियों के बारे में बात कीजिए। पूछिए— तुमने कौन-कौन से पक्षी देखे हैं? हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है? क्या तुमने पक्षियों से दोस्ती की है? दोस्ती कैसे हुई? आशीष ने भी एक पक्षी से दोस्ती की। आओ, उसके बारे में जानें।

सावन का महीना था। आशीष बड़े भैया के साथ नेहा दीदी के घर गया। अजमेर में दीदी का बहुत बड़ा घर है। घर के आँगन में नीम का बड़ा-सा पेड़ भी है।

शाम का समय था। आकाश में काले-काले **मेघ** छाए थे। आशीष आँगन में बैठा दीदी से बातें कर रहा था। तभी एक मोर पेड़ से नीचे उतर आया। "मोर, मोर! देखो दीदी, मोर!" कहते हुए आशीष उसकी तरफ़ भागा।

नेहा ने उसे रोका, "रुको आशु, रुक जाओ। वह तुम्हारे हाथ नहीं आएगा।"

"कितना सुंदर है मोर! दीदी मैं इसे पकड़ूँगा।" आशीष बोला।

"मोर को पकड़ना आसान नहीं है। यह हमेशा **चौकन्ना** रहता है। हाँ, चाहो तो इसे अपना दोस्त ज़रूर बना सकते हो।" नेहा ने कहा।

"दोस्त! वह कैसे?" आशीष ने आश्चर्य से पूछा।

"रुको, अभी बताती हूँ!" कहकर नेहा भीतर चली गई और एक कटोरी में दाल के दाने ले आई। उसने दाने आँगन में बिखेर दिए और आशीष को लेकर **ओट में** खड़ी हो गई। मोर दाने चुगने लगा।

मूल्य — ❖ पशु-पक्षियों से प्रेम ❖ दोस्ती ❖ सामान्य ज्ञान

नेहा ने बताया, ''आशु, यदि मोर को प्रतिदिन अनाज या दाल के दाने खिलाओ तो ये पालतू जैसे हो जाते हैं।''

''दीदी, मोर और क्या-क्या खाना पसंद करते हैं?'' आशीष ने पूछा।

''इन्हें बीज, मूँगफली, बेर, बरगद और पीपल के फल बहुत अच्छे लगते हैं।'' नेहा बोली।

''दीदी, मैंने तो सुना है कि मोर साँप से नहीं डरते और उन्हें भी खा लेते हैं।'' आशीष ने कहा।

''ठीक सुना है तुमने। जहाँ मोर होते हैं, वहाँ साँप के अलावा कनखजूरे, बिच्छू, टिड्डियाँ और अन्य विषैले कीड़े-मकोड़े भी लगभग खत्म हो जाते हैं।'' नेहा ने बताया।

तभी बादल गरजने लगे। मोर नाचने लगा। उसके पंख जापानी पंखे की तरह गोल-गोल फैल गए। आशीष खुशी से उछल पड़ा। अद्भुत दृश्य था। उसने इससे पहले मोर को नाचते कभी नहीं देखा था। ''दीदी, इसकी पूँछ देखो। कैसा चमकदार गहरा हरा रंग है! पंखों में तो लगता है कि ढेर सारी ताँबे की चमकदार आँखें लगी हैं। इनके बीच का जामुनी रंग भी कैसा चमक रहा है!'' आशीष प्रसन्नता और जोश में बोले जा रहा था।

नेहा बोली, ''तुमने इसकी गरदन देखी। गहरे नीले रंग की है और पेट बिलकुल बादामी रंग का।''

''हाँ, और देखो नाचते समय इसने अपनी गरदन कैसे तान रखी है।'' आशीष ने कहा।

नेहा हँसकर बोली, “भई, जब यह इतना अच्छा नाचता है तो थोड़ा घमंड तो होगा ही।”

आशीष भी हँस पड़ा और बोला, “लेकिन इसके पैर एकदम सफ़ेद हैं। ज़रा भी सुंदर नहीं हैं।”

“तो क्या हुआ? हैं तो बड़े ताकतवर। इसके पंख भी बड़े मज़बूत होते हैं। तभी तो आवश्यकता पड़ने पर यह तेज़ दौड़ सकता है और उड़ भी सकता है। जब यह किसी शिकारी जानवर को देख लेता है तो झट से उड़कर पेड़ पर बैठ जाता है और ‘कें...ओ, कें...ओ’ करके सबको सावधान कर देता है। इसके माथे की कलगी भी कितनी सुंदर है। तुम इसे मोर का मुकुट कह सकते हो।” नेहा ने बताया।

आशीष बोला, “दीदी, मैंने पढ़ा है कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। कृष्ण जी भी अपने मुकुट में मोर का पंख लगाते थे। मुझे भी अपनी पुस्तक में मोर का पंख रखना है। आप इससे पूछो कि क्या यह मेरा दोस्त बनेगा।” इतना कहकर आशीष मोर की तरफ़ बढ़ा। मोर झट-से उड़कर मुँडेर पर बैठ गया और नाचने लगा। तभी मोर का एक पंख उड़कर नीचे आ गिरा। नेहा आशीष के कंधे पर हाथ रखकर बोली, “लो आशु, मोर ने तुम्हारी दोस्ती स्वीकार कर ली है और दोस्ती की निशानी के रूप में यह पंख भी दे दिया है।”

“सच दीदी!” आशु ने जल्दी से पंख उठा लिया। बूँदें पड़ने लगी थीं। “धन्यवाद दोस्त!” कहकर आशु भीतर चला गया।

शब्दार्थ और मुहावरे

मेघ — बादल **चौकन्ना** — सावधान **ओट** — आड़ **प्रतिदिन** — रोज़-रोज़
विषैला — ज़हरीला **अद्भुत** — अनूठा, विचित्र **कलगी** — मोर के सिर की चोटी
स्वीकार — मान लेना

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

> **Skills**
> *Comprehension (Oral)*
> - Recall
> - Factual thinking
> - MCQs

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. आशीष अपने भाई के साथ कहाँ गया ?

ख. मोर क्या-क्या खाता है ?

ग. मोर को पालतू कैसे बनाया जा सकता है ?

घ. मोर अन्य पशु-पक्षियों को खतरे से कैसे सावधान करता है ?

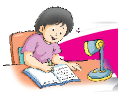

लिखित

1. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. मोर को पकड़ना आसान क्यों नहीं है ?

यह बहुत तेज़ भागता है। ☐

यह हमेशा चौकन्ना रहता है। ☐

यह हाथों से फिसल जाता है। ☐

ख. नेहा कटोरी में क्या लेकर आई ?

अनाज के दाने ☐ बीज ☐ दाल के दाने ☐

भाषिक योग्यताएँ— ✤ अर्थग्रहण-प्रत्यास्मरण ✤ चिंतन ✤ बहुविकल्पी प्रश्न

ग. मोर का पेट किस रंग का होता है?

बादामी ☐ सफ़ेद ☐ नीला ☐

घ. कौन अपने मुकुट में मोर का पंख लगाते थे?

श्रीराम ☐ श्री कृष्ण ☐ कार्तिकेय ☐

2. सही कथन के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) लगाओ—

क. मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। ☐

ख. मोर साँप से डरता है। ☐

ग. मोर उड़ नहीं सकता। ☐

घ. मोर के पैर बड़े ताकतवर होते हैं। ☐

ङ. मोर के सिर पर सुंदर कलगी होती है। ☐

Skills

Comprehension (Written)

- Recall Grammar
- Writing joint consonants
- Plurals
- Word formation

भाषा से

1. बोलकर पढ़ो, समझो और लिखो—

न् + य = न्य — अन्य ....

स् + व = स्व — स्वच्छ ....

ट् + र = ट्र — राष्ट्र ....

2. इन शब्दों के बहुवचन रूप लिखो—

कटोरी —	....	पुस्तक —	....
टिड्डी —	....	दाल —	....
मूँगफली —	....	गरदन —	....
आँख —	....	दाना —	....

3. पढ़ो, समझो और लिखो—

कई रंगों के नाम उसी रंग की वस्तु के नाम से बनते हैं, जैसे— बादाम से बादामी।

भाषिक योग्यताएँ— ✤ प्रत्यास्मरण ✤ संयुक्त व्यंजनों का लेखन ✤ बहुवचन ✤ शब्द निर्माण

नीचे लिखे शब्दों से जुड़े रंगों के नाम लिखो—

जामुन	—	....	सुरमा	—	....
बैंगन	—	....	कत्था	—	....
गुलाब	—	....	संतरा	—	....
चंपा	—	....	सोना	—	....
किशमिश	—	....	आसमान	—	....

4. पढ़ो और समझो—

प्रति + दिन = प्रतिदिन		चमक + दार = चमकदार
प्रति + पल = प्रतिपल		धार + दार = धारदार
प्रति + क्षण = प्रतिक्षण		काँटा + दार = काँटेदार
प्रति + वर्ष = प्रतिवर्ष		चूड़ी + दार = चूड़ीदार

Skills
- Word formation
- Adjectives

5. पढ़ो, समझो और लिखो—

काले मेघ, **बड़ा** घर, **एक** कटोरी

'काले', 'बड़ा' और 'एक'— ये शब्द 'मेघ', 'घर' और 'कटोरी' के बारे में बता रहे हैं कि ये कैसे और कितने हैं। काले, बड़ा और एक— ये **विशेषण** शब्द हैं।

संज्ञा शब्दों के आगे सही विशेषण शब्द चुनकर लिखो—

.... दृश्य

.... आँखें

.... कीड़े

.... जानवर

.... पक्षी

.... पंखा

शिकारी अद्भुत चमकदार विषैले जापानी राष्ट्रीय

भाषिक योग्यताएँ— ✤ शब्द निर्माण ✤ विशेषण

6. श्रुतलेख लिखो—

चौकन्ना	बिच्छू	विषैला	अद्भुत	मुकुट
ताँबा	कृष्ण	राष्ट्रीय	दृश्य	धन्यवाद

अब करने की बारी

क. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है। हमारा राष्ट्रीय पशु, फूल, खेल कौन-सा है? बताओ।

ख. तुम्हारे घर के आँगन या छत पर कौन-कौन से पक्षी आते हैं? कौन से कीड़े-मकोड़े आते हैं? उनके नामों की सूची बनाओ।

ग. क्या पशु-पक्षियों और मनुष्यों के बीच दोस्ती हो सकती है? कैसे? यदि तुम्हें किसी पशु या पक्षी को मित्र बनाना हो तो क्या करोगे? बताओ।

घ. पक्षियों को पकड़ना और उन्हें पिंजरे में रखना कहाँ तक उचित है? अपने पक्ष में तर्क दो।

Skills & Activities
- Dictation (Spelling)
- General knowledge
- Enlisting
- Logical thinking
- Verbal expression
- Discussion

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ✤ श्रुतलेख ✤ सामान्य ज्ञान ✤ सूची बनाना ✤ मौखिक अभिव्यक्ति ✤ तर्कपूर्ण चिंतन व चर्चा

केवल पढ़ने के लिए

चाँद का कुरता

हठ कर बैठा चाँद एक दिन,
माता से यह बोला—
सिलवा दो माँ मुझे ऊन का
मोटा एक झिंगोला।

सन-सन करती हवा रात भर
जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह
यात्रा पूरी करता हूँ।

आसमान का सफ़र और यह
मौसम है जाड़े का,
न हो अगर तो ला दो कुरता,
माँ कोई भाड़े का।

बच्चे की सुन बात कहा
माता ने — अरे सलोने!
कुशल करें भगवान, लगे ना
तुझको जादू-टोने।

जाड़े की तो बात ठीक है
पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं
तुझको देखा करती हूँ।

कभी एक अंगुल भर चौड़ा
कभी एक फ़ुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है
और किसी दिन छोटा।

घटता-बढ़ता रोज़, किसी दिन
ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की आँखों को
तू दिखलाई पड़ता है।

अब तू ही यह बतला, नाप
तेरा किस रोज़ लिवाएँ,
सी दें एक झिंगोला जो
हर रोज़ बदन में आए!

—रामधारी सिंह 'दिनकर'

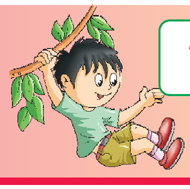

7 साहसी सलोनी

गणतंत्र दिवस पर पुरस्कृत साहसी बच्चों के बारे में बात कीजिए। बच्चों से भूत के बारे में चर्चा कीजिए। बताइए कि भूत जैसी कोई चीज़ नहीं होती। किसी बात पर विश्वास करने से पहले जाँच-परख कर लेनी चाहिए। आओ एक ऐसी साहसी लड़की की कहानी पढ़ें जिसने हिम्मत दिखाकर गाँववालों के मन से भूत का डर निकाल दिया।

जंगल के पास वाले गाँव में सलोनी अपनी माँ के साथ रहती थी। सलोनी की माँ मिट्टी के बरतन और मूर्तियाँ बनाती थी। स्कूल से लौटकर सलोनी भी अपनी माँ की सहायता करती थी। उसे मूर्तियों को रँगने में बड़ा आनंद आता था। सप्ताह में एक दिन सलोनी की माँ मूर्तियाँ लेकर शहर जाती थी।

गाँव में अधिकतर कारीगर और दस्तकार रहते थे। उनका शहर आना-जाना लगा रहता था। वे सभी जंगल के रास्ते ही जाते थे क्योंकि जंगल के रास्ते से शहर पहुँचने में बहुत कम समय लगता था।

एक दिन रात के समय अचानक जंगल की ओर से घंटा बजने की आवाज़ आने लगी। गाँववाले नींद से उठकर बैठ गए। सब हैरान थे कि जंगल में घंटा कौन बजा रहा है। किसी को कुछ समझ न आया।

मूल्य— ❖ साहस ❖ निडरता ❖ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास ❖ अंधविश्वास का खंडन

अगले दिन दोपहर में भी कुछ-कुछ घंटे की आवाज़ें सुनाई दीं। रात को घंटे की आवाज़ बड़ी स्पष्ट सुनाई देने लगी। गाँव वाले डर गए। एक व्यक्ति बोला, "जंगल में अवश्य कोई भूत आ गया है।" घंटा बजने की आवाज़ अकसर सुनाई देने लगी। जंगल में भूत होने की बात सबके मन में बैठ गई। किसी ने हिम्मत नहीं की कि जंगल में जाकर पता लगाए।

धीरे-धीरे लोगों ने भूत के डर से जंगल में जाना बंद कर दिया। सलोनी की माँ भी जंगल से मिट्टी लेने जाने में घबराने लगी। लेकिन, सलोनी एक समझदार, निडर और साहसी लड़की थी। उसे भूतों में बिलकुल विश्वास नहीं था। उसने गाँववालों को समझाया कि भूत-वूत कुछ नहीं होते लेकिन किसी ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया।

जंगल के बाहर से चक्कर लगाकर शहर जाने में गाँववालों को कठिनाई होने लगी। उनके काम-धंधे पर भी असर पड़ने लगा। एक दिन सलोनी की माँ की तबीयत ठीक नहीं थी। सलोनी ने कहा— "माँ, आज मैं मूर्तियाँ लेकर शहर चली जाती हूँ।"

माँ ने रोकने की कोशिश की पर सलोनी न मानी। उसने मन ही मन जंगल के रास्ते से ही शहर जाने की ठान ली थी।

सलोनी बड़ी सावधानी से मूर्तियों का टोकरा लिए जा रही थी। तभी उसे बंदरों की खों-खों सुनाई दी और घंटे की आवाज़ भी आने लगी। सलोनी थोड़ा घबरा गई लेकिन वह हिम्मत करके आवाज़ की दिशा में बढ़ने लगी। वहाँ का दृश्य देखकर सलोनी की हँसी छूट पड़ी। एक पेड़ पर एक घंटा

लटका था और बंदर उछल-कूद कर रहे थे। इससे घंटा हिल रहा था और बज रहा था। बंदर शायद किसी आते-जाते राहगीर का घंटा उठा लाए थे।

सलोनी शहर में दुकानदार को मूर्तियाँ देकर जल्दी ही गाँव वापस लौट आई। उसने माँ को कुछ न बताया। अगले दिन उसने गाँव में खबर फैला दी कि वह आज जंगल के भूत को पकड़ने जा रही है, जिसे चलना है, उसके साथ चले। पहले तो कोई तैयार नहीं हुआ पर सलोनी की हिम्मत देखकर मुखिया जी अपने कुछ आदमियों को साथ लेकर चलने को मान गए। सलोनी के स्कूल के कुछ बच्चे भी साथ हो लिए।

सलोनी आगे-आगे और पीछे-पीछे मुखिया और बच्चे। अभी थोड़ा ही आगे गए थे कि घंटे की आवाज़ें आने लगीं। मुखिया जी और उनके आदमियों के चेहरों पर हवाइयाँ उड़ने लगीं। पर सलोनी निडर आगे बढ़ती गई। बच्चे शोर मचाने लगे, "सलोनी, कहाँ है भूत?"

"अभी दिखाती हूँ।" सलोनी ने कहा।

पेड़ की ओर इशारा करते हुए सलोनी बोली, "वह देखो! कितने सारे भूत।"

"अरे! ये तो बंदर हैं" कहकर बच्चे हँसने लगे।

"मुखिया जी, वह देखिए पेड़ पर लटका घंटे वाला भूत"— सलोनी ने पलटकर कहा। मुखिया जी ने सामने का नज़ारा देखा तो उन्हें बात समझते देर न लगी। वे भी खिलखिलाकर हँस पड़े। मुखिया जी के आदमी भी हँसने लगे। वे बोले, "यह तो घंटे वाला भूत नहीं बल्कि हँसाने वाला भूत निकला।"

शब्दार्थ और मुहावरे

आनंद — खुशी, प्रसन्नता **दस्तकार** — हाथ से काम करने वाले **स्पष्ट** — साफ़ **विश्वास** — यकीन **कठिनाई** — मुश्किल **ठान लेना** — पक्का इरादा कर लेना **चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना** — घबरा जाना

अभ्यास

कहानी से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Reasoning
- Inference
- MCQs

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. सलोनी की माँ क्या करती थी?

ख. सलोनी माँ की क्या मदद करती थी?

ग. गाँव के लोग जंगल के रास्ते से शहर क्यों जाते थे?

घ. लोगों ने जंगल में जाना क्यों बंद कर दिया?

ङ. घंटे वाला भूत कौन था?

लिखित

1. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. सलोनी को क्या करना अच्छा लगता था?

मूर्तियाँ बनाना ☐ मूर्तियाँ रँगना ☐ बरतन बनाना ☐

ख. गाँव में अधिकतर कौन लोग रहते थे?

दस्तकार ☐ फ़िल्मकार ☐ संगीतकार ☐

भाषिक योग्यताएँ— ✤ अर्थग्रहण-प्रत्यास्मरण ✤ कारण जानना ✤ निष्कर्ष निकालना ✤ बहुविकल्पी प्रश्न

ग. सलोनी को मूर्तियाँ लेकर शहर क्यों जाना पड़ा?
   उसे शहर देखना था। ☐
   उसे भूत का पता लगाना था। ☐
   उसकी माँ की तबीयत ठीक न थी। ☐

घ. गाँव वाले कैसे व्यक्ति थे?
   निडर ☐ समझदार ☐ अंधविश्वासी ☐

2. सोचो और लिखो—

क. इस कहानी का कोई और शीर्षक लिखो। यह शीर्षक तुमने क्यों रखा?

ख. सलोनी के बारे में तीन वाक्य लिखो।

Skills
- Writing heading
- Character sketch

Grammar
- पंचम वर्ण का प्रयोग
- Joint consonants
- अनुस्वार-अनुनासिक

भाषा से

1. समझो और लिखो—

बंदर	—	बन्दर	घंटा	—	घण्टा
आनंद	—	....	पंडित	—	....
मंदिर	—	....	कंठ	—	....
अंत	—	....	डंडा	—	....

2. समझो और बोल-बोलकर पढ़ो—

प् + त = प्त — सप्ताह तृप्त लिप्त

ष् + ट = ष्ट — स्पष्ट कष्ट सृष्टि

3. वाक्य के खाली स्थान के लिए सही शब्द के सामने (✓) लगाओ और लिखो—

क. जोकर को देखकर बच्चे .... पड़े।
   हंस ☐ हँस ☐

भाषिक योग्यताएँ— ❖ शीर्षक लिखना ❖ चरित्र-चित्रण ❖ पंचम वर्ण का प्रयोग ❖ संयुक्त व्यंजन ❖ अनुस्वार-अनुनासिक

ख. अचानक आसमान में काली .... छा गई।

घटा ☐ घंटा ☐

ग. आप .... जा रहे हैं?

कहा ☐ कहाँ ☐

घ. लंगूर की .... लंबी होती है।

पूछ ☐ पूँछ ☐

Skills & Activities

- Antonyms
- One words substitution
- Verbal expression
- Comparing
- Narrating incidents
- Reading stories from magazines
- Discussion

4. उलटे अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखो—

डरपोक पिछला घटना सरलता अंदर अधिक

कठिनाई — .... निडर — ....

बढ़ना — .... अगला — ....

थोड़ा — .... बाहर — ....

5. इन्हें क्या कहते हैं? लिखो—

हाथ के काम करनेवाला ....

मूर्ति बनानेवाला ....

मिट्टी के बरतन बनानेवाला ....

जो डरता न हो ....

अब करने की बारी

क. सलोनी या गाँववालों में से तुम्हें कौन अच्छा लगा और क्यों? अपने साथियों को बताओ।

ख. क्या तुम भूत से डरते हो? अपने साथ बीती कोई ऐसी घटना सुनाओ जब तुम डर गए।

ग. बाल पत्रिकाओं से साहसी बच्चों की कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

घ. क्या सचमुच भूत होते हैं? कक्षा में चर्चा करो।

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ❖ विलोम शब्द ❖ वाक्यांशों के लिए एक शब्द ❖ मौखिक अभिव्यक्ति—मत प्रकट करना ❖ घटना सुनाना ❖ कहानियाँ पढ़ना ❖ चर्चा करना

8

गुरुमंत्र

बच्चो, तुम्हारे घर कोई मेहमान आता है, तो तुम क्या करते हो? यदि मेहमान तुम्हारे गुरु हों तो तुम क्या करोगे? गुरु हमें अच्छा जीवन जीने का मंत्र देते हैं, हमारा मार्गदर्शन करते हैं। आज एक ऐसा ही प्रसंग पढ़कर जानेंगे कि गुरु ने क्या मंत्र दिया।

एक बार गुरु गोविंद सिंह जी पटना जा रहे थे। रास्ते में कुछ समय के लिए वे एक ज़मीदार के घर रुके। ज़मींदार उनका शिष्य था। गुरु जी पहली बार उसके घर पधारे थे, इसलिए ज़मींदार की खुशी का ठिकाना न था। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दौड़-दौड़कर गुरु जी की सेवा-सत्कार में जुट गया।

ज़मींदार हाथ जोड़े गुरु जी की आज्ञा की प्रतीक्षा में खड़ा था। गुरु जी ने उसे एक गिलास पानी मँगवाने के लिए कहा। तुरंत ज़मींदार ने अपने बड़े बेटे से कहा, "बेटा जाओ, तुम अपने हाथ से गुरु जी के लिए पानी लाओ। गुरु की सेवा का अवसर बड़े भाग्य से मिलता है।"

बेटा दौड़कर गिलास में पानी ले आया। उसने गिलास गुरु जी की ओर बढ़ाया तो उसके हाथ देखकर वे बोले, "बेटा, तुम्हारे हाथ तो बहुत सुंदर हैं। यह बताओ कि इन हाथों से तुम केवल मुझे ही पानी पिला रहे हो या किसी और को भी पिलाते हो।"

इससे पहले कि बेटा कुछ उत्तर देता, ज़मींदार बोल उठा, "महाराज! जीवन में पहली बार यह आपके लिए ही पानी लाया है। किसी और के लिए यदि कहा जाता तो यह कभी पानी न लाता।"

मूल्य— ✤ अतिथि सत्कार ✤ मानव-सेवा ✤ गुरुभक्ति

ज़मींदार की बात सुनकर गुरु जी गंभीर हो गए। वे बोले, "भाई, मेरे लिए तो किसी मामूली नौकर से पानी मँगवा दो। इसके हाथ का पानी मैं नहीं पी सकूँगा।"

सब एक दूसरे का मुँह देखने लगे। ज़मींदार बड़ी विनम्रता से बोला, "महाराज, मेरे बेटे को आपकी सेवा का ऐसा सुअवसर फिर कहाँ मिलेगा! आप उसके हाथ से पानी पी लेंगे तो वह धन्य हो जाएगा।"

बेटे ने पानी का गिलास गुरु जी की ओर बढ़ाया पर गुरु जी ने ग्रहण नहीं किया। वे बोले, "तुम्हारे हाथ पवित्र नहीं हैं। मैं तुम्हारे हाथ का पानी नहीं पी सकता।"

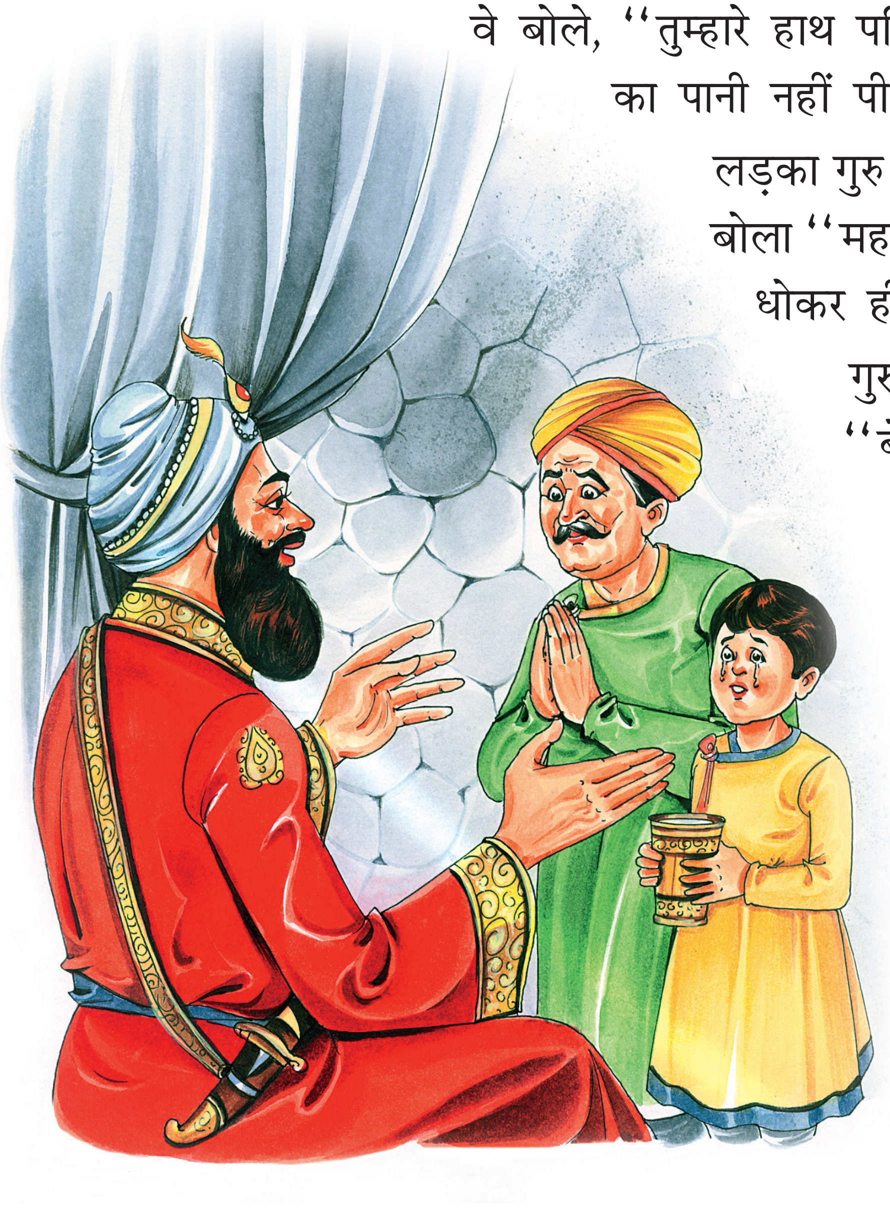

लड़का गुरु जी की बात नहीं समझा और बोला "महाराज, मैं तो अच्छी तरह हाथ धोकर ही पानी लाया हूँ।"

गुरु गोविंद सिंह ने उत्तर दिया, "बेटा, हाथ दूसरों की सेवा करने से पवित्र होते हैं, धोने से नहीं। जब तुम हाथों को सेवा से पवित्र कर लोगे तब मैं अवश्य तुम्हारे हाथ से जल ग्रहण करूँगा।"

ज़मींदार के बेटे की आँख भर आई। उसे गुरुमंत्र मिल गया था। उस दिन से उसने जीवन भर दूसरों की सेवा करने का व्रत ले लिया।

शब्दार्थ और मुहावरे

शिष्य — चेला **खुशी का ठिकाना न रहना** — बहुत खुश होना **सत्कार** — खातिरदारी **प्रतीक्षा** — इंतज़ार **गंभीर** — शांत, चुप **विनम्रता** — शिष्टता, सुशीलता **धन्य** — बड़ाई के योग्य **ग्रहण** — स्वीकार **आँखें भर आना** — आँसू आ जाना **व्रत** — संकल्प, दृढ़ निश्चय

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Reasoning
- Logical thinking
- Verbal expression
- MCQs

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. गुरु जी ज़मींदार के घर क्यों रुके?

ख. ज़मींदार ने अपने बेटे से ही पानी लाने को क्यों कहा?

ग. ज़मींदार के बेटे की आँखे क्यों भर आईं?

घ. ज़मींदार के बेटे को कौन-सा गुरुमंत्र मिल गया था?

2. सोचो और बताओ—

क. इस कहानी का शीर्षक 'गुरुमंत्र' क्यों रखा गया है?

ख. इस कहानी के लिए कोई दूसरा शीर्षक सुझाओ और यह बताओ कि तुम यह शीर्षक क्यों रखना चाहते हो।

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ—

गुरु जी ने ज़मींदार के बेटे के हाथ से जल ग्रहण नहीं किया क्योंकि—

भाषिक योग्यताएँ— ❖ अर्थग्रहण-प्रत्यास्मरण ❖ कारण जानना ❖ तर्कपूर्ण चिंतन ❖ मौखिक अभिव्यक्ति ❖ बहुविकल्पी प्रश्न

- ☐ उसके हाथ साफ़ नहीं थे।
- ☐ उसने अपने हाथों से कभी किसी की सेवा नहीं की थी।
- ☐ गिलास बहुत गंदा था।

Skills

Comprehension (Written)

- Logical thinking
- Reasoning
- Pair of words
- Nouns from adjective

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. ज़मींदार की खुशी का ठिकाना न था। क्यों?

....

....

ख. ''मेरे लिए तो किसी मामूली नौकर से पानी मँगवा दो।'' गुरुजी ने ऐसा क्यों कहा?

....

....

भाषा से

1. सही जोड़े बनाकर लिखो—

सेवा	सम्मान	....	....
पालन	पहचान	....	....
किस्से	पोषण	....	....
मान	सत्कार	....	....
जान	कहानी	....	....

2. पढ़ो, समझो और लिखो—

विनम्र	—	विनम्रता	उदास	—	उदासी
सुंदर	—	....	गरीब	—	....
गंभीर	—	....	बीमार	—	....
पवित्र	—	....	अमीर	—	....

भाषिक योग्यताएँ— ❖ तर्क पूर्ण चिंतन ❖ कारण समझना ❖ शब्द-युग्म पहचानना ❖ विशेषण से संज्ञा बनाना

3. सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—

ला   लाओ   लाया   लाई   लाए   लाएँगे

क. .... यह किताब मुझे दे दो।

ख. अरे! यह किताब कौन .... ?

ग. हम बाज़ार से फल खरीदकर ....।

घ. मीना मेरे लिए एक गुड़िया ....।

ङ. .... पानी पिला।

च. कल पापा खिलौने .... ।

Skills & Activities
- Use of verbs
- Written expression
- Reading and narrating stories
- Collecting information

अब करने की बारी

क. किसी मेहमान के आने पर तुम क्या-क्या करते हो? लिखो।

ख. गुरु नानकदेव के बचपन की कहानियाँ पढ़ो और सुनाओ।

ग. गुरु गोविंद सिंह जी और दूसरे सिक्ख गुरुओं के बारे में जानकारी प्राप्त करो।

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ✤ क्रिया रूपों का प्रयोग ✤ लिखित अभिव्यक्ति ✤ कहानियाँ पढ़ना व सुनाना ✤ जानकारी प्राप्त करना

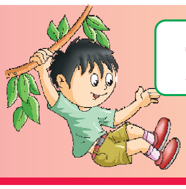

9

बादल

बच्चों से बादलों के बारे में बातचीत कीजिए। पूछिए—बादलों को देखकर तुम्हारे मन में क्या सवाल आते हैं? क्या तुम कभी बादलों से बात करते हो? बादलों में तुम्हें क्या-क्या शक्लें दिखाई देती हैं? आओ बादल और बच्चों के बीच की बातचीत पढ़ें।

बादल भइया बोलो जी,
भेद तो अपना खोलो जी।

बिन पंखों के उड़ते हो,
आगे-पीछे मुड़ते हो।

तुम हमसे इतने ऊँचे,
बिन सीढ़ी, कैसे पहुँचे?

कहाँ से तुम लाते पानी,
छम-छम बरसाते पानी?

बादल ने यह समझाया,
धूल-कणों, जल की काया।

पंख हवा के मैं लाया,
बिन सीढ़ी ऊपर आया।

सागर से लाता पानी,
छम-छम बरसाता पानी।

बात सभी ने यह जानी,
खाई सबने गुड़धानी।

— *रमेश मिलन*

मूल्य— ❖ वैज्ञानिक दृष्टिकोण ❖ प्रकृति प्रेम ❖ आनंदानुभूति

शब्दार्थ और मुहावरे

भेद — रहस्य **काया** — शरीर **सागर** — समुद्र **गुड़धानी** — गुड़ से पकी धान की खील

अभ्यास

कविता से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Reasoning
- Inference
- Appreciation

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. कविता में कौन किससे प्रश्न कर रहा है?

ख. बच्चे क्या-क्या जानना चाहते हैं?

ग. बादल ने बच्चों को क्या समझाया?

घ. अपने प्रश्नों के उत्तर जानकर बच्चों ने क्या किया?

लिखित

1. कविता की वे पंक्तियाँ लिखो जिनसे पता चलता है -

क. बादलों का शरीर किससे बना है?

....

ख. बादल बिन सीढ़ी ऊपर कैसे पहुँचे?

....

ग. बादल पानी कहाँ से लाते हैं?

....

भाषिक योग्यताएँ— ❖ समझते हुए कविता पढ़ना ❖ आनंद लेना ❖ प्रत्यास्मरण ❖ कारण जानना

भाषा से

1. कौन-सा शब्द दिए गए शब्द का समानार्थी नहीं है? निशान (✓) लगाकर बताओ—

पानी	—	जल	☐	बादल	☐	नीर	☐
काया	—	तन	☐	शरीर	☐	अंग	☐
हवा	—	पवन	☐	आँधी	☐	वायु	☐
सागर	—	सरिता	☐	समुद्र	☐	जलधि	☐

2. पढ़ो, समझो और वाक्य बनाओ।

आसमान में काली घटा छा गई।

चार में से दो घटा दो।

पहले वाक्य में घटा शब्द का अर्थ बादल और दूसरे में कम करना है। इसी तरह दो अलग-अलग अर्थों में नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाओ।

Skills & Activities

- Synonyms
- Homonyms
- Making sentences
- Reading poems from magazines
- Collecting poems and singing them

भेद (रहस्य) ....

(प्रकार) ....

जल (पानी) ....

(जलना) ....

अब करने की बारी

क. बादलों के बारे में कविताएँ बाल पत्रिकाओं में से पढ़ो। कागज़ पर लिखकर 'कविता कोना' में लगाओ। याद करो और गाओ।

भाषिक योग्यताएँ एवं गतिविधियाँ— ✤ समानार्थी शब्द ✤ अनेकार्थी शब्द ✤ वाक्य बनाना ✤ कविताएँ इकट्ठी करना, पढ़ना और गाना

ख. अपनी अध्यापिका से जल-चक्र के बारे में जानो और उसका चित्र बनाओ।

ग. पढ़ो और याद करो।

बादल भैया आना जी,
घुमड़-घुमड़कर आना जी।
झम-झम जल बरसाना जी,
गरमी दूर भगाना जी।

सूखी धरती, प्यासे पंछी,
सबकी प्यास बुझाना जी।
खेतों में हरियाली लाकर,
सबका घर भर जाना जी।
बादल भैया आना जी।

अपना-अपना काम (चित्रकथा)

तुम बड़े नमकहराम हो। समय पड़ने पर मालिक की सेवा भी नहीं करना चाहते। तुम न सही, मैं ही बोलकर मालिक को जगाता हूँ।
ढेंचू ऽ ऽ ऽ! ढेंचू ऽ ऽ ऽ!
आधी रात को नींद खराब कर दी, इस गधे ने रेंक-रेंककर। अभी मज़ा चखाता हूँ।

क्यों रे ? चीख-चीखकर क्यों घर सिर पर उठा रहा है ? रात को भी चैन नहीं हैं तुझे।
क्यों ? अब मज़ा आया, दूसरों के काम में टाँग अड़ाने का!
हाय! हाय! मर गया।

10 सुंदर बदली

बच्चों से बातचीत कीजिए— तुम अपने आप को दर्पण में देखते हो। क्यों? तुम अपनी सुंदरता देखना चाहते हो। सुंदरता रूप-रंग में नहीं, हमारे काम में होती है। यदि हमारे काम सुंदर है, खुशी देने वाले हैं, तो हम अवश्य सुंदर हैं। एक बदली ने अपनी सुंदरता कैसे और कहाँ देखी— आओ पढ़ें।

एक थी छोटी-सी बदली। उड़ रही थी आकाश में हवा के संग। नीचे मैदान में खेलते बच्चों ने देखा। दौड़ पड़े उसके पीछे। ''देखो, देखो। कितनी सुंदर है आकाश में तैरती बदली!''

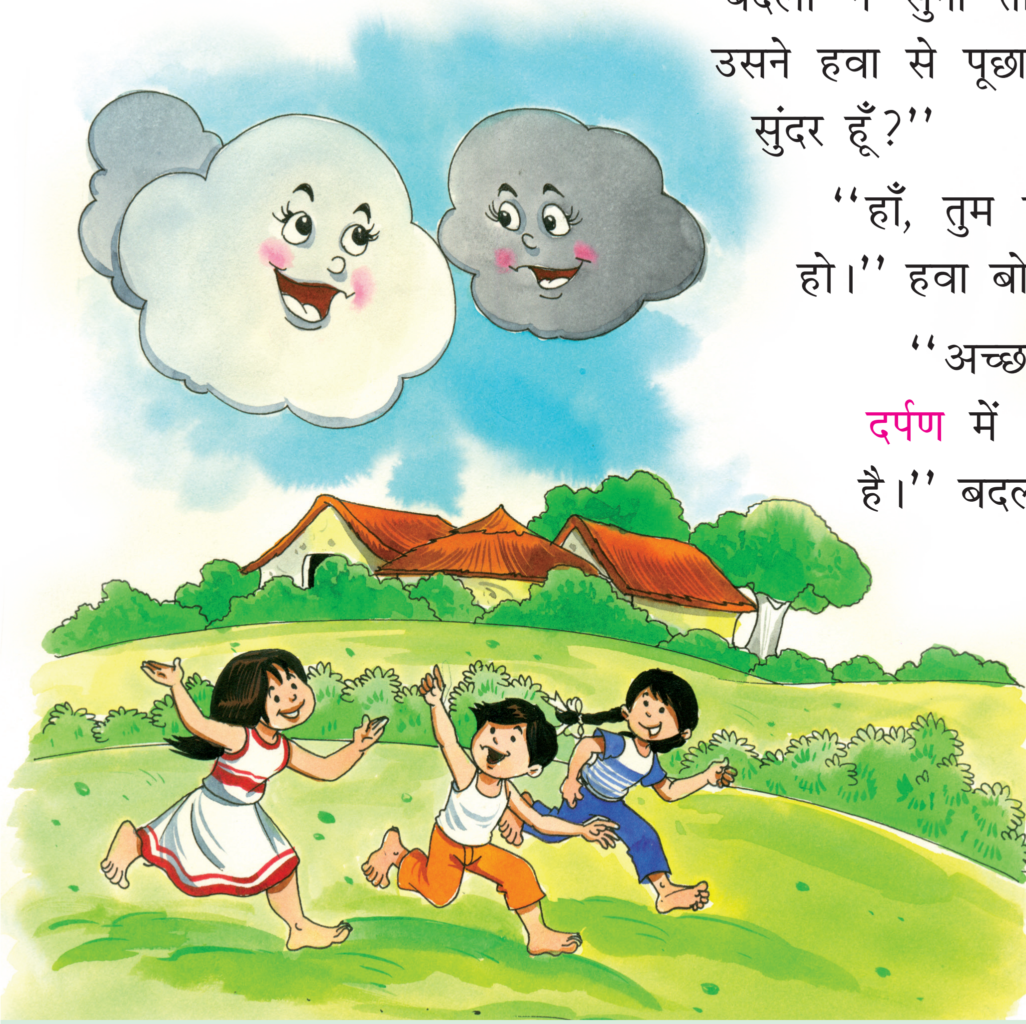

बदली ने सुना तो बड़ी प्रसन्न हुई। उसने हवा से पूछा ''क्या मैं सचमुच सुंदर हूँ?''

''हाँ, तुम सचमुच बहुत सुंदर हो।'' हवा बोली।

''अच्छा! तो चलो। मुझे दर्पण में अपना चेहरा देखना है।'' बदली ने कहा।

हवा उसे एक तालाब के ऊपर ले गई। लेकिन तालाब एकदम सूखा पड़ा था। बदली उसमें अपना रूप न निहार सकी।

मूल्य— ❖ सराहना ❖ प्रकृति सौंदर्य ❖ अपना काम करना ❖ दूसरों की खुशी में खुश होना

हवा उसे उड़ाकर एक नदी के ऊपर ले गई। गरमी के कारण नदी की धारा भी सूख गई थी। कहीं-कहीं कीचड़ या गंदा पानी बह रहा था। बदली नदी में भी अपना सुंदर मुख न देख पाई। उसने सोचा "समुद्र में तो बहुत पानी होता है। वहीं चलते हैं।"

उसने हवा से कहा, "हवा बहन, मुझे समुद्र की ओर ले चलो।"

हवा गरदन हिलाती हुई बोली, "ना-ना, मैं वहाँ नहीं जा सकती। समुद्र तो बहुत दूर है और मुझे काम भी है। तुम भी सुनो, अपनी सुंदरता के बारे में सोचना छोड़कर अपने काम पर ध्यान दो।"

"कौन-सा काम?" बदली ने पूछा।

तभी काले बादलों का झुंड गड़गड़ाता हुआ उसके पास से गुज़रा। बदली ने उनसे भी पूछा "बादल भैया, बादल भैया, क्या मैं सुंदर हूँ?"

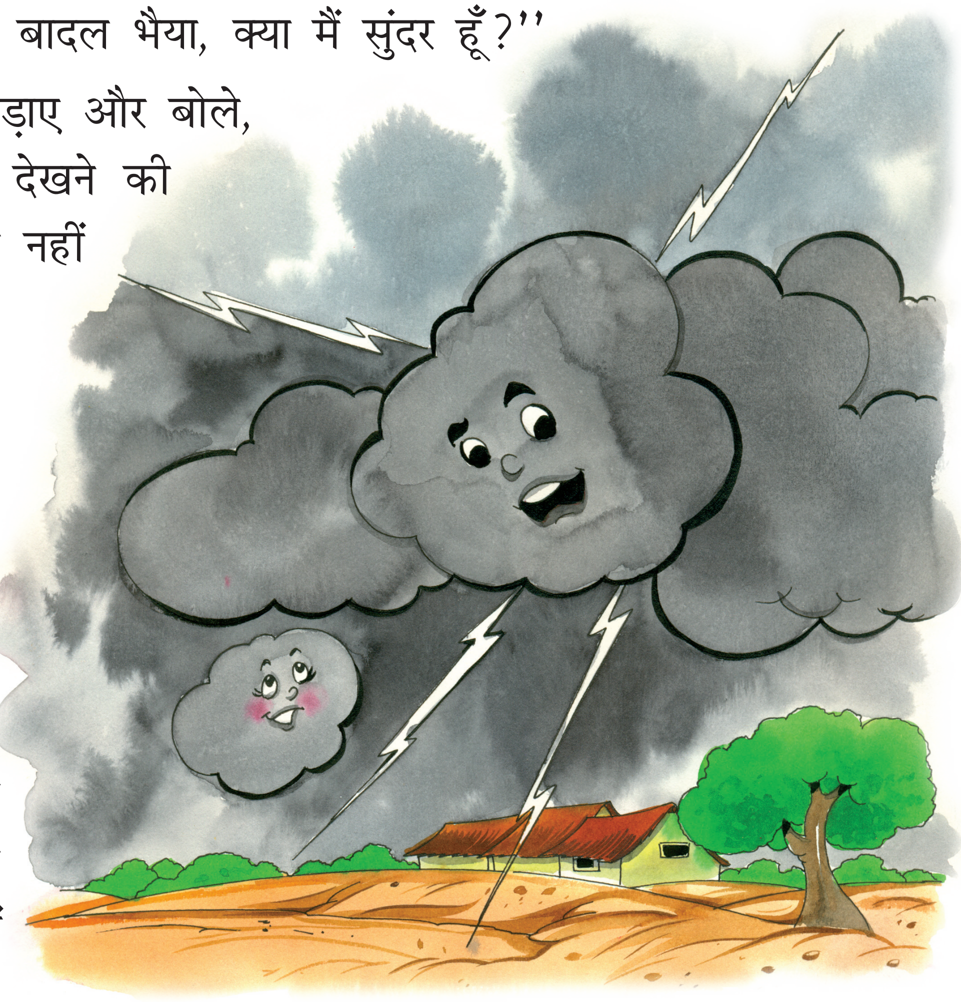

बादल ज़ोर से गड़गड़ाए और बोले, "हमारे पास यह सब देखने की फ़ुरसत नहीं है। देखती नहीं हो, धरती सूखी है! हमें अपना काम करना है। प्यासी धरती पर पानी बरसाना है।"

"अरे हाँ! मेरा भी तो यही काम है। अपनी सुंदरता निहारने के फेर में मैं तो अपना काम ही भूल गई थी।" यह कहकर बदली भी बादलों के साथ चल दी।

उसने बादलों के साथ मिलकर खूब पानी बरसाया। अपना काम पूरा करके उसने बड़ा हलका महसूस किया। वह फिर हवा में तैरने लगी। अपनी सुंदरता देखने की उसकी इच्छा मिटी नहीं थी। वह हवा से बोली, “देखो हवा बहन! मैंने अपना काम कर लिया है। अब तुम मुझे ऐसी जगह ले चलो, जहाँ मैं अपना सुंदर मुखड़ा देख सकूँ।”

हवा उसे तालाब के ऊपर ले गई। लेकिन, तालाब का पानी तो मटमैला था। अभी-अभी बारिश जो हुई थी। मिट्टी पानी के साथ बहकर आई थी। तालाब का दर्पण धुँधला था। बदली अपना रूप न देख पाई।

हवा उसे नदी के ऊपर ले गई। वहाँ भी वही हाल था। नदी में बाढ़ आई हुई थी। बदली उदास हो गई। वह रुआँसी होकर बोली, “हवा बहन, मैं अपना सुंदर चेहरा कहाँ देखूँ? क्या मैं सुंदर नहीं हूँ?”

हवा मुसकराई और बोली “तुम सचमुच देखना चाहती हो कि तुम कितनी सुंदर हो? चलो मैं तुम्हें ले चलती हूँ।”

हवा उसे खेतों और मैदान के ऊपर ले आई। उसने बदली को नीचे झाँकने को कहा।

“पर यहाँ तो कोई दर्पण नहीं है!” बदली नीचे झाँककर बोली।

“वह देखो! खेतों में खुशी-खुशी हल चलाते किसान, वह पानी में उछलते-कूदते बच्चे, वह खुशी से झूमते पेड़, चहचहाते पक्षी, वह धरती से फूटते हरे-हरे अंकुर। इन्हीं के चेहरों में तो है तुम्हारा सौंदर्य। देखो, ध्यान से देखो अपनी सुंदरता को।”

बदली ने देखा और देखती रही धरती के सौंदर्य को, प्राणियों के चेहरों पर फैली सुंदरता को। वह खिल उठी। "सचमुच मैं बहुत सुंदर हूँ।"

शब्दार्थ और मुहावरे

बदली — बदरिया **दर्पण** — आइना **रूप** — सुंदरता **निहारना** — प्रशंसा की दृष्टि से देखना **मुख** — मुँह **मटमैला** — मिट्टी के रंग का **धुँधला** — अस्पष्ट, जो साफ़ न दिखे **रुआँसी** — रोने जैसी **प्राणी** — जिसमें प्राण हों (पशु-पक्षी, व्यक्ति)

अभ्यास

पाठ से

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Recall
- Reasoning
- Factual and logical thinking

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—
   क. बदली किसके साथ उड़ रही थी?
   ख. हवा उसे तालाब के ऊपर क्यों ले गई?
   ग. बदली ने समुद्र की ओर चलने के लिए क्यों कहा?
   घ. बदली को अपना काम कैसे याद आया?

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—
   क. हवा ने समुद्र के पास जाने से मना क्यों कर दिया।
   ख. पानी बरसाकर बदली ने हलका क्यों महसूस किया?
   ग. बदली ने अपनी सुंदरता कहाँ देखी?

भाषिक योग्यताएँ— ❖ अर्थग्रहण ❖ प्रत्यास्मरण ❖ कारण बताना ❖ चिंतन ❖ लिखित अभिव्यक्ति

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. हवा बदली को लेकर कहाँ नहीं गई?

तालाब ☐ समुद्र ☐ नदी ☐

ख. बदली किसकी बात सुनकर प्रसन्न हुई?

हवा ☐ बच्चे ☐ बादल ☐

ग. पहली बार बदली तालाब में अपनी सुंदरता क्यों न देख पाई?

तालाब का पानी मटमैला था। ☐

तालाब सूखा था। ☐

तालाब में कीचड़ थी। ☐

Skills
- MCQs
- Reading and writing clusters
- Antonyms

भाषा से

1. पढ़ो, समझो और लिखो—

ध् + य	=	ध्य	—	ध्यान	संध्या	अध्यापक
		....		....	....	....
र् + प	=	र्प	—	दर्पण	अर्पित	सर्प
		....		....	....	....

2. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखो—

गंदा — ....
धुँधला — ....
सुंदर — ....

हलका — ....
प्रसन्न — ....
सूखा — ....

3. बोल-बोलकर पढ़ो और समझो—

मिट्टी	खट्टा	पट्टी	चट्टान
बच्चा	सच्चा	पच्चीस	कच्ची

भाषिक योग्यताएँ— ❖ बहुविकल्पी प्रश्न ❖ संयुक्त व्यंजन ❖ विलोम शब्द ❖ द्वित्व व्यंजन

पक्का	चक्की	टक्कर	चक्कर
पिल्ला	दिल्ली	गुल्लक	रसगुल्ला

इन सभी शब्दों में दो एक जैसे व्यंजन जुड़े हैं। इन्हें **द्‌वित्व व्यंजन** कहते हैं। पहला व्यंजन स्वर रहित और दूसरा स्वर सहित है।

4. वाक्य बनाकर लिखो—

किरण ने कहा	और	वह आज स्कूल नहीं जाएगी।
मीना ने आवाज़ सुनी	तो	पढ़ने बैठ गई।
रोहित बाहर आया	कि	दौड़कर बाहर आई।
जया ने खाना खाया		अखबार उठाकर ले गया।

क. ....

ख. ....

ग. ....

घ. ....

5. जोड़े बनाकर लिखो—

प्यासी	पानी	....
काले	पेड़	....
मटमैला	दर्पण	....
धुँधला	धरती	....
झूमते	बादल	....

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ❖ विशेषण-विशेष्य के जोड़े ❖ वाक्य बनाना ❖ रचनात्मक लेखन ❖ चित्र बनाना व रंग भरना

अब करने की बारी

क. कल्पना करो कि बादल तुम्हें अपने पंखों पर बिठाकर ले गया। क्या हुआ होगा? पाँच वाक्य लिखो।

ख. जो चीज़ें तुम्हें सुंदर लगती हैं, उनमें से किन्हीं दो के चित्र बनाकर रंग भरो।

Skills & Activities

- विशेषण-विशेष्य
- Making sentences by using conjunction
- Creative writing
- Imagination
- Drawing & Colouring

केवल पढ़ने के लिए

बीज

एक बीज था गया बहुत ही
गहराई में बोया।
उसी बीज के अंतर में था
नन्हा पौधा सोया।

उस पौधे को मंद पवन ने
आकर पास जगाया।
नन्ही-नन्ही बूँदों ने फिर
उसपर जल बरसाया।

सूरज बोला, "प्यारे पौधे,
निद्रा दूर भगाओ।
अलसाई आँखें खोलो तुम,
उठकर बाहर आओ।"

आँख खोलकर नन्हे पौधे
ने तब ली अँगड़ाई।
एक अनोखी नई शक्ति-सी
उसके तन में आई।

नींद छोड़, आलस्य त्यागकर
पौधा बाहर आया।
बाहर का संसार बड़ा ही
अद्भुत उसने पाया।

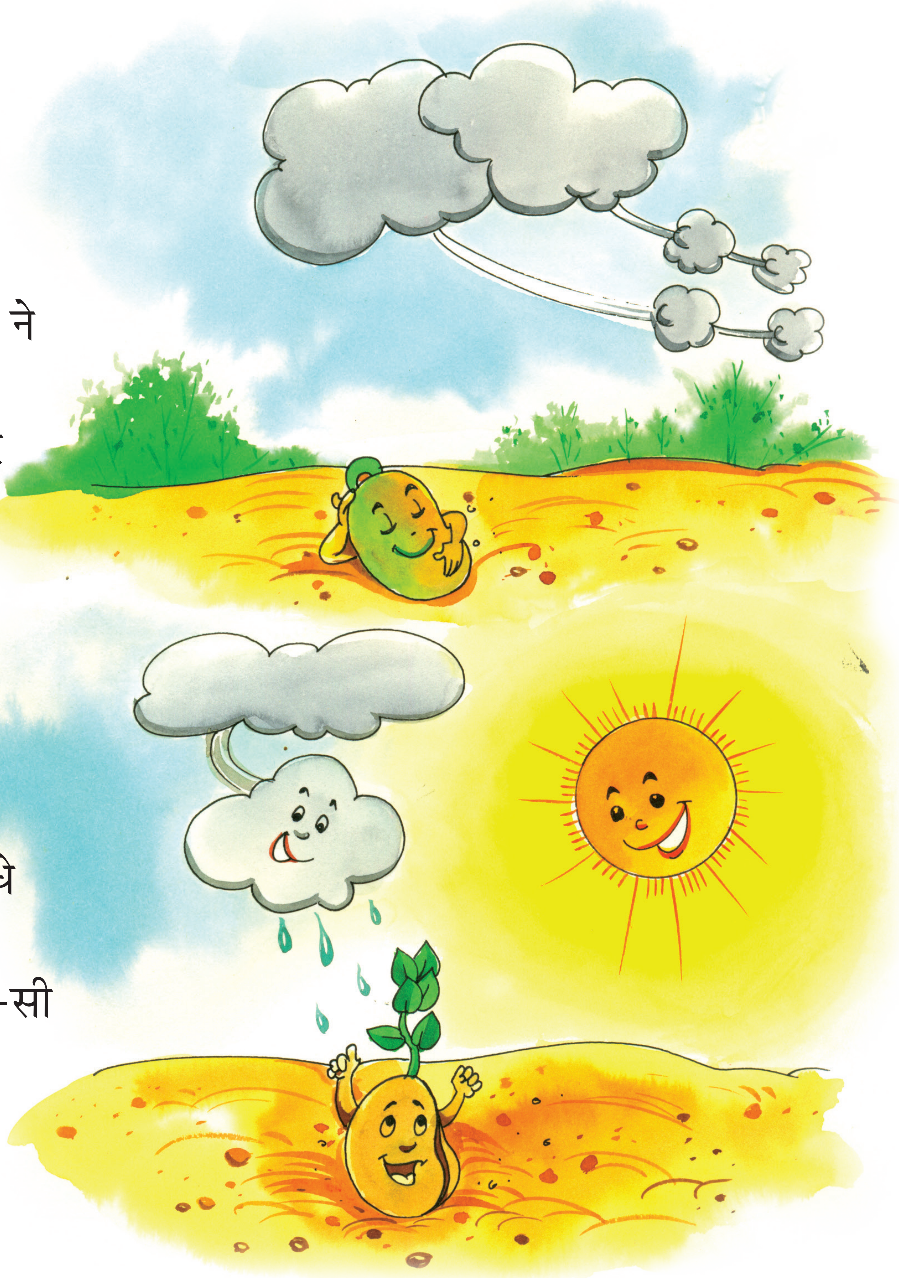

—वेंकटेश चंद्र पांडेय

11

गुलाबी नगरी

बच्चों से बातचीत कीजिए। तुमने किन-किन स्थानों की सैर की है? उस स्थान की ख़ास जगहों के बारे में बताओ। तुम्हें वहाँ कैसा लगा? आओ आज राजस्थान की राजधानी जयपुर के बारे में पढ़ें।

जयपुर

25 अक्तूबर 20.....

प्रिय मीरा

सस्नेह नमस्ते।

हमें जयपुर पहुँचे दो दिन हो गए हैं। तुम अवश्य मेरे पत्र की प्रतीक्षा कर रही होगी। दिल्ली से जयपुर तक का हमारा रेल का सफ़र बहुत ही अच्छा रहा। यहाँ जयपुर में मौसम बहुत अच्छा है। दिन में तो थोड़ी गरमी होती है, पर सुबह और रातें ठंडी होती हैं।

हमने दो दिन में पूरे जयपुर की सैर की है। तुम्हें पता ही है कि जयपुर राजस्थान की राजधानी है। इसे गुलाबी नगरी कहते हैं। यहाँ अधिकांश घर और इमारतें गुलाबी रंग की हैं। इस नगर की स्थापना सन् 1728 में महाराजा जयसिंह द्वितीय ने की थी। बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक जयपुर घूमने आते हैं।

सबसे पहले हमने हवामहल देखा। झरोखों से सजी यह पाँचमंजिला इमारत भवन-निर्माण कला का सुंदर उदाहरण है। हवामहल के पास ही जंतर-मंतर है। इस वेधशाला का निर्माण महाराजा जयसिंह ने करवाया था। जंतर-मंतर देखकर हम रामनिवास बाग गए। यह बहुत बड़ा है। यहाँ

मूल्य— ❖ पर्यटन ❖ जीवन-संस्कृति

काफ़ी हरियाली और तरह-तरह के पेड़-पौधे हैं। इसमें मछलीघर, चिड़ियाघर और वनस्पति संग्रहालय भी है। यहाँ घूमने में बड़ा मज़ा आया। रामनिवास बाग का कला संग्रहालय भी दर्शनीय है। संग्रहालय में जयपुर के राजा-महाराजाओं के वस्त्र, अस्त्र-शस्त्र और चित्र रखे हुए हैं।

कल हम आमेर का किला देखने गए थे। यह जयपुर से लगभग चौदह किलोमीटर की दूरी पर है। यह बहुत पुराना और बड़ा किला है। पहाड़ी पर बने इतने बड़े किले को देखकर आश्चर्य होता है। किले में स्थित शीशमहल देखने योग्य है। शीशमहल के पास ही देवी का मंदिर है। मंदिर में दर्शन करने के बाद हम जयपुर वापस आए। रास्ते में हमने मनसागर झील के बीच बना जलमहल देखा। इसका निर्माण सन् 1799 में सवाई प्रताप सिंह ने आनंद-स्थल और आरामगाह के रूप में करवाया था। सरदियों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी इस झील में आते हैं।

हम गुड़ियाघर और सफ़ेद संगमरमर से बना तारामंडल भी देखने गए। गुड़ियाघर में देश-विदेश की अनेक रूपों में सजी गुड़ियाँ देखकर बड़ा अच्छा लगा। समय की कमी के कारण हम तारामंडल में होने वाला विशेष 'शो' नहीं देख पाए।

रात को हमने राजस्थान के लोकनृत्य देखे। हम भी उनके साथ नाचे। फिर यहाँ के विशेष व्यंजन, दाल-बाटी चूरमा और गट्टे की सब्ज़ी, का मज़ा लिया। आज हम झीलों के शहर उदयपुर जाएँगे। अगला पत्र मैं वहीं से लिखूँगी।

चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम तथा मीठी को प्यार।

तुम्हारी सखी

सारिका

शब्दार्थ और मुहावरे

सस्नेह — प्यार सहित **राजधानी** — देश के शासन का केंद्र **अधिकांश** — ज़्यादातर **पर्यटक** — सैलानी, घूमने आने वाले **निर्माण** — इमारत को बनाने का काम, रचना **वेधशाला** — वह स्थान जहाँ नक्षत्रों और तारों का अध्ययन करने के यंत्र हों **संग्रहालय** — जहाँ प्राचीन समय की वस्तुओं का संग्रह हो **दर्शनीय** — देखने योग्य **प्रवासी** — दूसरे देश में वास करने वाले **संगमरमर** — एक प्रकार का पत्थर **विशेष** — ख़ास **व्यंजन** — पकाया हुआ भोजन

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. जयपुर का मौसम कैसा था?

ख. जयपुर को गुलाबी नगरी क्यों कहते हैं?

ग. जयपुर की स्थापना किसने और कब की थी?

घ. रामनिवास बाग में क्या-क्या है?

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Recall
- Verbal expression
- Written answers

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. यह पत्र किसने, किसे, कब और कहाँ से लिखा?

ख. आमेर का किला कहाँ है? इसकी क्या विशेषता है?

ग. जलमहल का निर्माण किसने और क्यों करवाया था?

घ. जयपुर के विशेष व्यंजन कौन-से हैं?

भाषिक योग्यताएँ— ❖ पत्र लेखन विधि से परिचय ❖ प्रत्यास्मरण ❖ प्रश्नों के उत्तर लिखना

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ और खाली स्थान में लिखो—

क. हम दिल्ली से जयपुर .... से आए।

बस ☐ रेल ☐ हवाई जहाज़ ☐

ख. जयपुर .... की राजधानी है।

राजस्थान ☐ हरियाणा ☐ गुजरात ☐

ग. मनसागर झील के बीच में .... बना है।

शीशमहल ☐ राजमहल ☐ जलमहल ☐

भाषा से

1. बोल-बोलकर पढ़ो—

प्रणाम	प्रतीक्षा	प्रवासी	प्रसिद्ध	प्रयोग
पर्यटक	पर्यटन	पर्याय	पर्याप्त	पर्वत

2. पढ़ो, समझो और लिखो—

क.

देश	—	विदेश	वास	—	प्रवास
शेष	—	....	देश	—	....
जय	—	....	सिद्ध	—	....
योग	—	....	योग	—	....

ख.

लोक + नृत्य — लोकनृत्य

गुड़िया + घर — गुड़ियाघर

लोक + कला — ....

चिड़िया + घर — ....

लोक + गीत — ....

Skills
- MCQs
- Pronunciation
- Prefix
- Compounds

भाषिक योग्यताएँ— ✤ बहुविकल्पी प्रश्न ✤ उच्चारण ✤ 'वि' और 'प्र' उपसर्ग का प्रयोग ✤ सामासिक शब्द

रसोई + घर — ....

लोक + संगीत — ....

स्नान + घर — ....

(ये सभी शब्द दो शब्दों के मेल से बने हैं।)

दो शब्दों के मेल से बने पाँच शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखो।

3. पढ़ो, समझो और शब्द बनाकर लिखो—

वास, निवास, निवासी, प्रवास, प्रवासी— ये सभी शब्द 'वास' शब्द से बने हैं। एक मूल शब्द से बनने वाले शब्द एक **शब्द-परिवार** के कहे जाते हैं।

नीचे दिए शब्दों से शब्द-परिवार बनाओ।

दर्शन — ....

देश — ....

योग्य — ....

4. नीचे लिखे वाक्यों को सही करके लिखो—

Skills
- Word family
- Correction of sentences
- Dictation

क. यहाँ काफ़ी चहल-पहल रहता है।

....

ख. सरदियों में यहाँ खूब बरफ़ पड़ता है।

....

ग. ऊँची पहाड़ी पर स्थित हनुमान जी की एक मंदिर है।

....

घ. हिमालय का दृश्य बड़ी ही सुंदर दिखती है।

....

5. श्रुतलेख लिखो—

प्रणामपर्यटक संग्रहालय निर्माण वनस्पति

संगमरमर व्यंजन अधिकांश लोकनृत्य दर्शनीय

भाषिक योग्यताएँ— ✤ शब्द-परिवार ✤ वाक्यों का शोधन ✤ श्रुतलेख

अब करने की बारी

क. अपने घूमे हुए स्थान के बारे में बताते हुए अपने मित्र या सखी को पत्र लिखो।

ख. भारत के मानचित्र में राजस्थान और जयपुर को ढूँढ़ो।

Activities
- Letter writing
- Locating places in a map
- Enlisting places and collecting information
- General knowledge

ग. राजस्थान के कुछ और दर्शनीय स्थानों एवं शहरों की सूची बनाओ और मालूम करो कि वे कहाँ स्थित हैं तथा किसलिए प्रसिद्ध हैं ?

घ. संगमरमर से बनी विश्व-प्रसिद्ध इमारत कौन-सी है ? यह कहाँ स्थित है ? जानकारी प्राप्त करो।

गतिविधियाँ— ✤ पत्र लेखन ✤ नक्शे पढ़कर स्थान ढूँढ़ना ✤ सूची बनाना ✤ जानकारी प्राप्त करना

केवल पढ़ने के लिए

एक था शेखचिल्ली

एक गाँव में एक बूढ़ी औरत अपने बेटे के साथ रहती थी। बेटे का नाम था—शेखचिल्ली। शेखचिल्ली की नई-नई शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया। लौटते समय शेखचिल्ली के ससुर ने उसे एक घोड़ी दी।

शेखचिल्ली घोड़ी पर बैठ गया और उसकी पत्नी साथ-साथ पैदल चलने लगी। थोड़ी दूर चलते ही शेखचिल्ली ने एक आदमी को कहते सुना, "कैसा मूर्ख आदमी है! औरत तो पैदल चल रही है और खुद मज़े से घोड़ी पर बैठकर जा रहा है।"

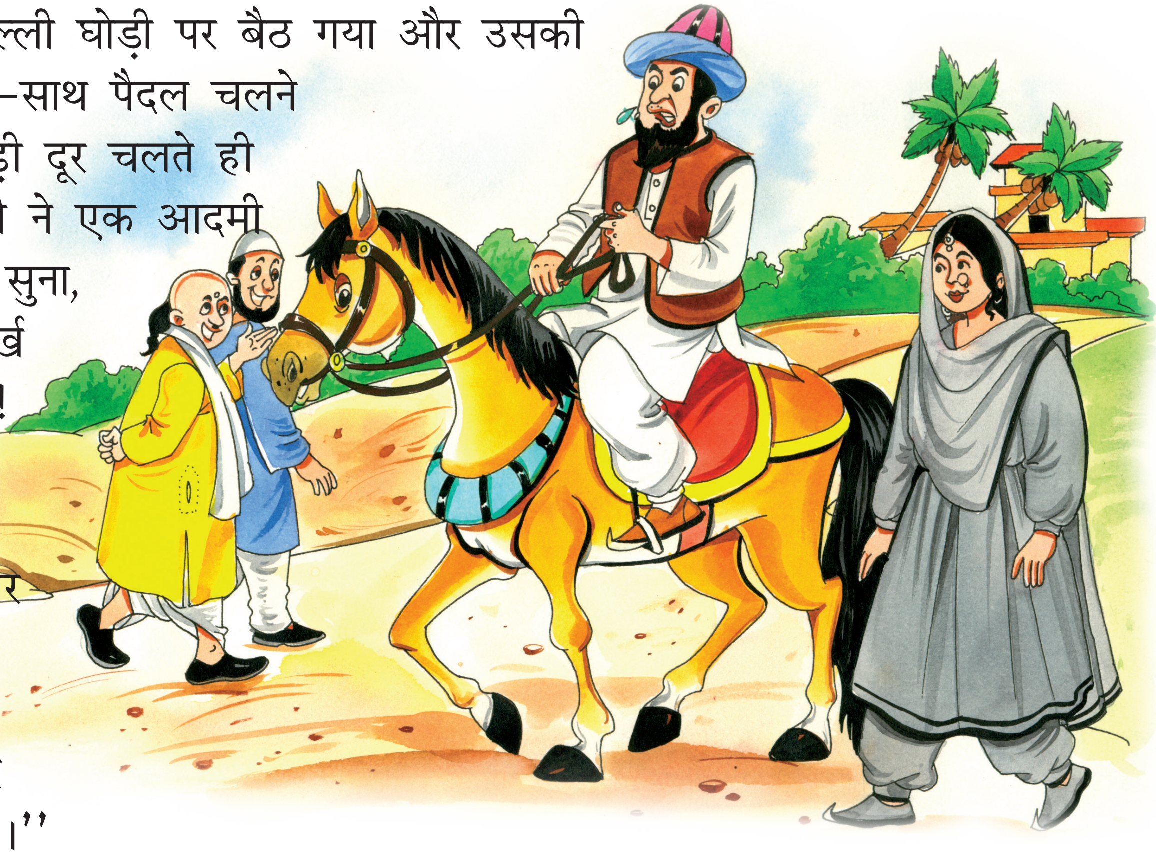

शेखचिल्ली घोड़ी से उतर गया। उसने अपनी पत्नी को घोड़ी पर बिठा दिया। थोड़ा आगे चलते ही एक पनघट था। पनघट पर कुछ औरते कुएँ से पानी भर रही थीं। शेखचिल्ली को देखकर बातें करने लगीं, "देखो, कैसा मूर्ख आदमी है! खुद पैदल चल रहा है और औरत को घोड़ी पर बिठा रखा है। औरत को भी तो ज़रा शरम नहीं है।"

शेखचिल्ली ने सुना तो वह भी अपनी पत्नी के साथ घोड़ी पर सवार हो गया। घोड़ी बेचारी दोनों के बोझ से दब गई। उससे चला ही नहीं गया। शेखचिल्ली उसे मारने लगा पर वह टस से मस न हुई। तभी वहाँ से कुछ राहगीर जा रहे थे। उन्होंने घोड़ी को पिटते देखा तो कहने लगे, "देखो, कैसा मूर्ख आदमी है। निरीह पशु को कैसी बेदर्दी से मार रहा है। बेचारी कमज़ोर-सी घोड़ी पर दो-दो लोग सवार हैं।"

शेखचिल्ली खिसिया गया। वह घोड़ी से उतर पड़ा। उसने अपनी पत्नी को भी नीचे उतार लिया। दोनों खाली घोड़ी के साथ-साथ पैदल चलने लगे। आगे उन्हें कुछ और लोग मिले। वे हँसते हुए कह रहे थे, "देखा कैसा मूर्ख है! घोड़ी होते हुए भी पैदल जा रहा है।"

शेखचिल्ली को गुस्सा आ गया। उसने घोड़ी के पाँव बाँधे और अपनी पीठ पर लाद लिया। घोड़ी को पीठ पर लादे वह ज़रा-सा ही आगे चला था कि रास्ते में कुछ और लोग मिले। वे शेखचिल्ली को घोड़ी को पीठ पर ले जाते देखकर ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे। उनमें से एक आदमी बोला-कैसा मूर्ख आदमी है। लोग तो घोड़ी पर बैठकर जाते हैं और यह घोड़ी को पीठ पर लादकर चल रहा है।

यह सुनते ही शेखचिल्ली भड़क गया। उसने गुस्से में घोड़ी को नीचे पटका और बड़बड़ाने लगा, "ये सारे दुनियावाले मूर्ख हैं। भाड़ में जाएँ ये और यह घोड़ी।"

उसने अपनी पत्नी का हाथ पकड़ा और सीधा अपने घर पहुँचकर ही साँस ली।

12

फ़ैसला

बच्चों से धरती, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के संरक्षण के बारे में बात कीजिए। मनुष्य ने प्रगति करने की चाह में इन सभी के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। लेकिन नई पीढ़ी इस गलती को समझ गई है और अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक और सचेत है। इसी के बारे में आओ, यह कहानी पढ़ें।

राजन एक किसान का बेटा था। वह बड़ा आज्ञाकारी और परिश्रमी था। वह गाँव की पाठशाला में पढ़ता था और अपने पिता के काम में उनकी मदद भी करता था।

एक दिन राजन खेत से घर लौट रहा था। उसे आकाश में उठता धुआँ दिखाई दिया। राजन तुरंत उधर की तरफ़ दौड़ा। एक झोंपड़ी में आग लगी थी। राजन ने खिड़की से झाँककर देखा कि भीतर कोई है तो नहीं। एक साँप आग से बचने के लिए इधर-उधर रेंग रहा था।

राजन ने पास ही पड़ी एक लकड़ी उठाई और उससे धक्का मारकर झोंपड़ी का दरवाज़ा खोल दिया। साँप बाहर निकलकर चला गया।

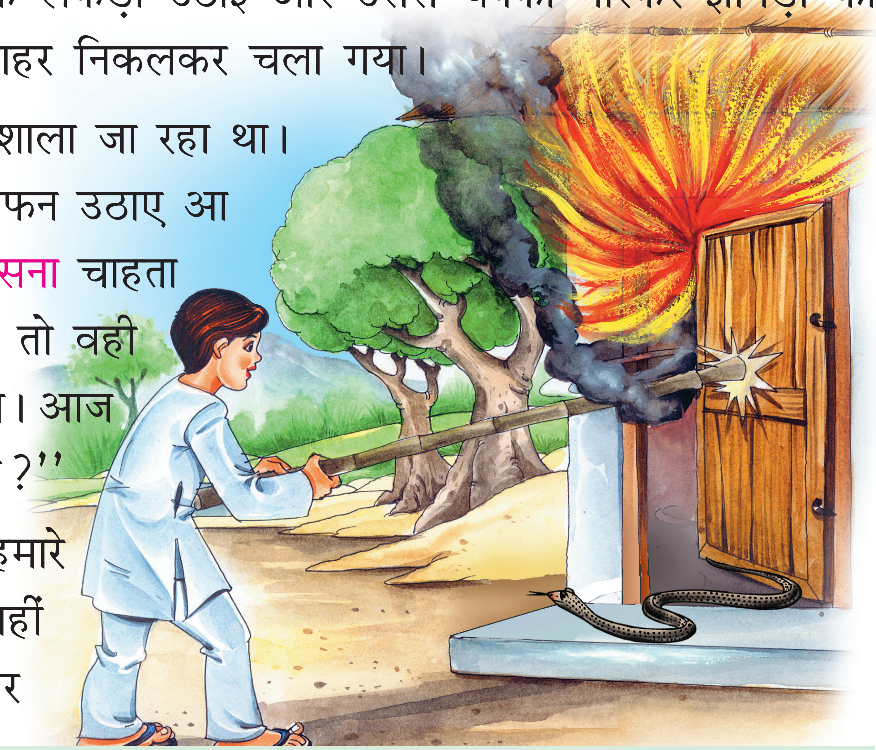

कुछ दिनों बाद राजन पाठशाला जा रहा था। तभी उसके सामने वही साँप फन उठाए आ खड़ा हुआ। वह राजन को डसना चाहता था। राजन बोला, ''अरे! तुम तो वही हो जिसकी मैंने जान बचाई थी। आज तुम मुझे ही मारना चाहते हो?''

साँप बोला, ''तुम मनुष्य हमारे शत्रु हो। हम तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ते लेकिन तुम हमें मार

मूल्य— ✤ पर्यावरण संरक्षण ✤ पेड़-पौधों व जीवों से प्यार ✤ सहायता ✤ प्रदूषण रोकना

डालते हो। हाँ, यह बात ठीक है कि उस दिन तुमने मेरी जान बचाई थी। इसलिए चलो किसी से फ़ैसला करवाते हैं कि मुझे तुम्हें डसना चाहिए या नहीं।''

दोनों एक वृक्ष के पास पहुँचे। राजन बोला, ''देखो भाई, मैंने इस साँप को आग से बचाया। यह मुझे ही मारना चाहता है। क्या यह ठीक है?''

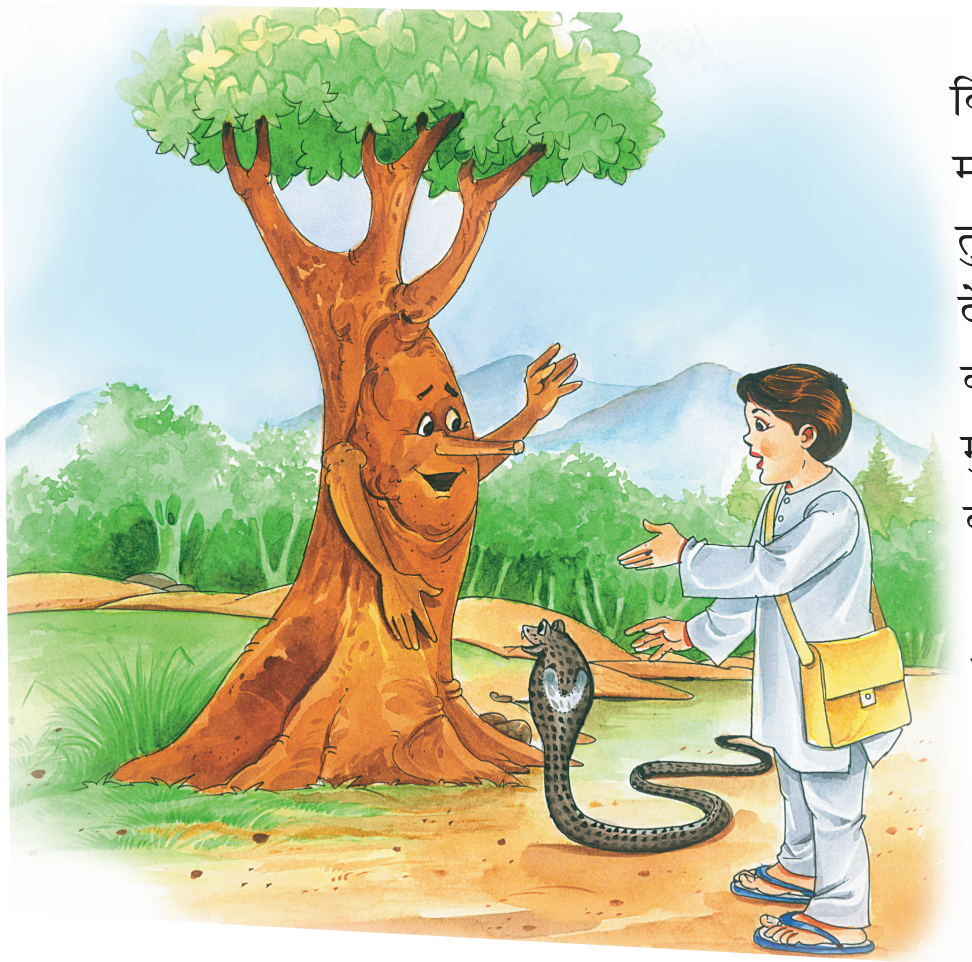

वृक्ष बोला, ''हाँ, बिलकुल ठीक है। तुम मनुष्य हो ही ऐसे। मैं तुम्हें फल देता हूँ, छाया देता हूँ, हवा को शुद्ध करता हूँ, पर तुम लोग मुझे कष्ट देते हो और काट डालते हो।''

राजन चुप रह गया। वे दोनों और आगे बढ़े। एक तालाब के पास पहुँचे। राजन ने तालाब से कहा, ''देखो, मैंने इस साँप की जान बचाई और यह मुझे ही मारना चाहता है। क्या यह ठीक है?''

तालाब बोला, ''हाँ, बिलकुल ठीक है। तुम मनुष्य पानी के बिना जीवित नहीं रह सकते। मैं तुम्हें पानी देता हूँ लेकिन तुम कपड़े धोकर, पशु नहलाकर मेरा पानी ही गंदा कर देते हो।''

तालाब की बात सुनकर साँप बोला, ''देखा, मनुष्य उन सबके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते, जो उनकी सेवा करते हैं। बोलो, अब क्या कहते हो?''

राजन ने कहा, "चलो, आगे चलते हैं।" दोनों चलते-चलते पाठशाला के समीप जा पहुँचे। साँप ने देखा कि पाठशाला बड़ी सुंदर है। चारों ओर हरे-भरे पेड़ हैं। गुरु जी पेड़ के नीचे बैठे बच्चों को पढ़ा रहे हैं। कुछ बच्चे नए पौधे लगा रहे हैं।

कुछ पौधों को पानी दे रहे हैं। पाठशाला के पास छोटा-सा तालाब है। उसका पानी चम-चम चमक रहा है, बिलकुल साफ़। कुछ बच्चे गाय की सेवा कर रहे हैं, उसके रहने के स्थान की सफ़ाई कर रहे हैं।

राजन ने कहा, "चलो, गुरुजी से पूछते हैं?"

साँप बोला, "नहीं, अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। मैं समझ गया हूँ। मैं अब तुम्हें नहीं डसूँगा।" यह कहकर साँप चला गया।

शब्दार्थ और मुहावरे

आज्ञाकारी — आज्ञा मानने वाला **परिश्रमी** — मेहनती **डसना** — साँप का काटना, डंक मारना **शुद्ध** — स्वच्छ **कष्ट** — पीड़ा, दुख **समीप** — पास **आवश्यकता** — ज़रूरत

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Recall
- Reasoning
- Logical thinking
- Pronouncing & writing of joint consonants
- Written expression

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. आकाश में धुआँ क्यों छाया था?
ख. राजन ने साँप की क्या मदद की?
ग. साँप राजन को क्यों काटना चाहता था?
घ. वृक्ष और तालाब ने साँप की तरफदारी क्यों की?

2. समझो और पढ़ो—

स्	+	त	—	स्त	बिस्तर	बस्ता	नमस्ते
ष्	+	य	—	ष्य	मनुष्य	शिष्य	शिष्या
ष्	+	ट	—	ष्ट	कष्ट	भ्रष्ट	शिष्ट
व्	+	य	—	व्य	व्यवहार	व्यक्ति	व्यायाम
स्	+	थ	—	स्थ	स्थान	स्थायी	स्थित
द्	+	ध	—	द्ध	शुद्ध	बुद्धि	वृद्धि
				(द्ध)	शुद्ध	बुद्धि	वृद्धि

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. अंत में साँप ने क्या फ़ैसला किया और क्यों?
ख. "मैं समझ गया हूँ।" साँप क्या समझ गया था?

भाषिक योग्यताएँ— ✤ प्रत्यास्मरण ✤ कारण जानना ✤ तर्कपूर्ण चिंतन ✤ संयुक्त व्यंजनों का उच्चारण ✤ प्रश्नों के उत्तर लिखना

Skills

Grammar

- Pronunciation of नुक्ता एवं अनुनासिक
- Plurals
- Synonym

भाषा से

1. बोलकर पढ़ो और समझो—

फ	फन	फल	फूल	फली	फैल	फिसल	फाटक
फ़	फ़न	फ़ैसला	साफ़	सफ़ाई	सफ़ेद	फ़ायदा	फ़िक्र
ँ	साँप	धुआँ	पहुँच	हाँ	हैं	नहीं	झोंपड़ी

(जब मात्रा शिरोरेखा के ऊपर लगती है तब अनुनासिक (ँ) को बिंदु के रूप में लिखते हैं। किंतु, उच्चारण अनुनासिक का ही होता है।

2. बहुवचन रूप लिखो—

खिड़की	—	....	पाठशाला	—	....
झोंपड़ी	—	....	माता	—	....
लकड़ी	—	....	अध्यापिका	—	....
चाबी	—	....	माला	—	....
सहेली	—	....	शाखा	—	....

3. नीचे लिखे शब्दों के मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखो—

आसमान	—	....	ज़रूरत	—	....
स्कूल	—	....	पीड़ा	—	....
मेहनती	—	....	जगह	—	....
पास	—	....	दुश्मन	—	....

भाषिक योग्यताएँ— ✤ नुक़्ते और अनुनासिक का उच्चारण ✤ बहुवचन ✤ समानार्थी शब्द

4. पाठ में बहुत से नाम वाले (संज्ञा) शब्द और काम वाले (क्रिया) शब्द आए हैं। उन्हें चुनकर लिखो—

संज्ञा	क्रिया
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

Skills & Activities

- Identifying nouns & verbs
- Writing sentence using conjunctions
- Creative writing
- Steps for saving water
- Poster making
- Collecting information

5. वाक्य बनाकर लिखो—

क. किरण ने कहा		मुझे अपने साथ नहीं ले जाएगी।
ख. माँ आज बाज़ार जाएँगी	लेकिन	तुम्हीं मेरी बुराई कर रहे हो।
ग. मैंने तुम्हारी मदद की	कि	वह आज स्कूल नहीं जाएगी।
घ. वैभव दौड़कर गया	और	हथौड़ी उठा लाया।
ङ. हरि ने गिरीश को मारा		उसने कुछ नहीं कहा।

अब करने की बारी

क. सोचकर लिखो कि यदि धरती पर वृक्ष और पशु-पक्षी न होते तो क्या होता!

ख. मनुष्य पानी के बिना जीवित नहीं रह सकता। हमें पानी बेकार खर्च नहीं करना चाहिए। शुद्ध पानी की एक-एक बूँद कीमती है। पानी बचाने के लिए तुम क्या-क्या कर सकते हो? सूची बनाओ।

ग. पेड़ों और पानी को बचाना ज़रूरी है। इसके बारे में कोई पोस्टर बनाओ और कक्षा में लगाओ।

घ. मालूम करो कि साँप आदि जीव हमारी क्या और कैसे मदद करते हैं?

भाषिक योग्यताएँ एवं गतिविधियाँ— ✣ संज्ञा व क्रिया शब्द चुनना ✣ योजक लगाकर वाक्य बनाना ✣ रचनात्मक लेखन ✣ सूची बनाना ✣ पोस्टर बनाना ✣ जानकारी एकत्र करना

फूल

प्रकृति की चीज़ों को देखकर तुम बच्चों के मन में तरह-तरह के सवाल उठते हैं। दिन में चाँद-तारे कहाँ चले जाते हैं? बारिश कैसे होती है? बादलों में पानी कहाँ से आता है। पेड़ पर पत्तियाँ और फूल कहाँ से आ जाते हैं? एक बच्चे ने माली से यही प्रश्न पूछा तो माली ने क्या उत्तर दिया—आओ पढ़ें।

कल तक जो थी डाली खाली,
आज भरी फूलों से कैसे?
तू ही भला बता दे माली!
यह सब कुछ होता है कैसे?

तरु के ही भीतर से भैया,
होता है फूलों का आना।
कौन कहाँ मुँह ढाँके सोता,
कौन जानता पता-ठिकाना?

रहते हैं कोने में दुबके,
कान खड़े रहते हों जैसे।
हवा बुलाती चुपके-चुपके,
उसको सुन लेते हैं कैसे?

फिर तो देर न कर पाते ये,
जल्दी-जल्दी में मुँह धोकर।
सज-धज रंग पहनकर अनगिन,
भीतर से आ जाते बाहर।

बाहर आते, मधु बरसाते,
तितली आती, भौंरे गाते।
सबको हँस-हँस गले लगाते
धरती को सुवास दे जाते।

—रबींद्रनाथ ठाकुर

मूल्य— ✤ प्रकति-प्रेम ✤ जिज्ञासा ✤ स्नेह सुगंध ✤ वैज्ञानिक दृष्टिकोण

शब्दार्थ और मुहावरे

तरु — पेड़ **कान खड़े रखना** — चौकन्ना रहना, सावधान रहना **अनगिन** — जिनकी गिनती न की जा सके, बड़ी संख्या में **मधु** — शहद, रस **गले लगाते** — प्यार करते **सुवास** — सु + वास, सुगंध, खुशबू

अभ्यास

कविता से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. कविता में कौन, किससे और क्या प्रश्न कर रहा है?

ख. माली प्रश्न का क्या उत्तर देता है?

ग. फूल किसके बुलाने पर बाहर आते हैं?

घ. फूल किस तरह डाली के भीतर से बाहर आते हैं?

ङ. फूल खिलकर क्या करते हैं?

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Appreciation
- Understanding
- Learning poem

लिखित

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो—

क. तरु के ही भीतर से भैया,

.... ।

कौन कहाँ मुँह ढाँके सोता,

.... ?

भाषिक योग्यताएँ— ❖ अर्थग्रहण ❖ प्रत्यास्मरण ❖ रसास्वादन ❖ कविता पूरी करना

ख. रहते हैं कोने में दुबके,

.... ।

हवा बुलाती चुपके-चुपके,

.... ?

Skills
- Use of prefix
- Verbs
- Synonyms

भाषा से

1. पढ़ो, समझो और लिखो—

वास	—	सुवास	यश	—	सुयश
शील	—	....	कुमार	—	....
गंध	—	....	पुत्र	—	....

2. समझो और लिखो—

कविता में कवि ने फूलों को वे सब काम करते दिखाया है जो एक प्राणी करता है, जैसे - फूल मुँह ढाँके सोते हैं, कोने में दुबके रहते हैं।

कविता में से ऐसे ही काम वाले शब्द ढूँढ़कर लिखो जो फूल करते हैं।

....

....

....

3. समानार्थी शब्द लिखो—

डाली	—	....	फूल	—	....
तरु	—	....	मधु	—	....
भौंरा	—	....	सुवास	—	....

भाषिक योग्यताएँ— ❖ उपसर्ग से नए शब्द बनाना ❖ क्रिया शब्द लिखना ❖ समानार्थी शब्द

अब करने की बारी

क. इस कविता को याद करो और सुनाओ।

ख. तुमने कौन-कौन से फूल देखे हैं? कौन से फूल खुशबू वाले हैं और कौन से बिना खुशबू वाले? कक्षा में बताओ।

ग. फूलों की अन्य कविताएँ पत्रिकाओं से इकट्ठी करो और लिखकर कविता कोना में लगाओ।

घ. अक्षर-जाल में से आठ फूलों के नाम चुनकर लिखो।

Activities
- Learning & reciting poem
- Differentiating
- Collecting poems
- Discussion about flowers
- Word puzzle

सू	गु	ला	ब	गें
र	ल	जू	ही	दा
ज	मो	क	चं	च
मु	ह	म	पा	मे
खी	र	ल	लि	ली

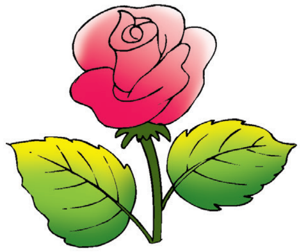
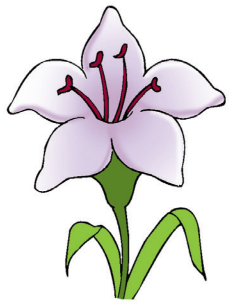

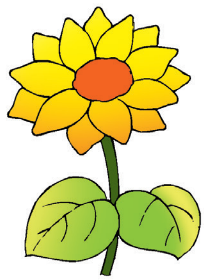
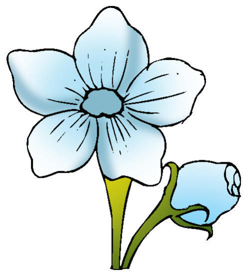
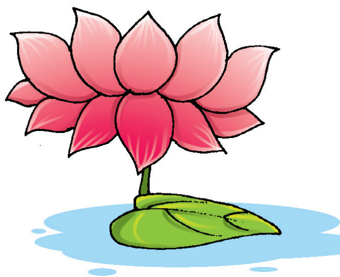

गतिविधियाँ— ❖ कविता याद करना-सुनाना ❖ कविताएँ इकट्ठी करना ❖ फूलों के बारे में चर्चा करना-अंतर करना ❖ अक्षर जाल से फूलों के नाम चुनना

14 अंगुलिमाल

बच्चों से महात्मा बुद्‌ध के बारे में बात कीजिए। घायल हंस वाली कहानी सुनाइए। बताइए कि सिद्‌धार्थ (बुद्‌ध का बचपन का नाम) शुरू से प्रेम, अहिंसा और दया में विश्वास करते थे। उन्होंने पूरे विश्व को अहिंसा, प्रेम और शांति का पाठ पढ़ाया। आज हम यह नाटक पढ़कर उनके बारे में जानेंगे।

पात्र : महात्मा बुद्‌ध, अंगुलिमाल, गाँव का मुखिया और कुछ लोग

(पहला दृश्य)

(शाम का समय। गाँव की चौपाल पर बैठे लोग बात कर रहे हैं।)

पहला व्यक्ति – मुखिया जी, डाकू अंगुलिमाल के कारण सारे गाँव का जीना दूभर हो गया है। लोग जंगल की ओर जाने से डरते हैं।

दूसरा व्यक्ति – हाँ भैया, यह डाकू है ही इतना क्रूर कि उसके नाम से ही डर लगने लगता है। सुना है वह जंगल से गुजरने वाले यात्रियों को पकड़कर मार डालता है और उनकी अंगुलियों की माला बनाकर पहनता है।

मूल्य— ✣ प्रेम-शांति ✣ अहिंसा ✣ सद्‌भाव ✣ धैर्य

पहला व्यक्ति - हमारे कितने ही भाइयों की रोज़ी-रोटी खतरे में पड़ गई है। वे बेचारे जंगल से सूखी लकड़ियाँ काटकर गुजारा करते थे पर अब अंगुलिमाल के भय से कोई जंगल की तरफ़ नहीं जाता।

(महात्मा बुद्ध का आगमन। सब खड़े होकर उन्हें प्रणाम करते हैं। बैठने के लिए आसन देते हैं। महात्मा बुद्ध उन्हें आशीर्वाद देते हैं।)

मुखिया — प्रभु! आपके चरण हमारे गाँव में पड़े, हम धन्य हो गए। क्या आप किसी विशेष कार्य के लिए पधारे हैं?

महात्मा बुद्ध — नहीं भाई, हम तो गया जा रहे थे। यहाँ रात्रि-विश्राम के लिए रुके हैं। किंतु आप लोग इतने दुखी और भयभीत क्यों दिखाई दे रहे हैं?

मुखिया — प्रभु! पास ही जंगल में डाकू अंगुलिमाल ने उत्पात मचा रखा है। गाँव के लोग उससे बहुत दुखी हैं। आपसे भी प्रार्थना है कि आप जंगल से होकर यात्रा न करें।

महात्मा बुद्ध — आप लोग चिंता न कीजिए। अंगुलिमाल हमारा कुछ न बिगाड़ेगा। हम उससे अवश्य भेंट करेंगे। आप निश्चिंत हो जाइए।

(दूसरा दृश्य)

(घना जंगल। महात्मा बुद्ध जा रहे हैं। सामने से अंगुलिमाल आता है।)

अंगुलिमाल — ऐ, रुक जाओ! मेरे इलाके में इस तरह निडर होकर घूमने का साहस तुमने कैसे किया?

महात्मा बुद्ध — (मुसकराते हुए शांत भाव से) आओ अंगुलिमाल! हम तुम्हारी ही प्रतीक्षा कर रहे थे।

अंगुलिमाल — (चेहरे पर हैरानी) मूर्ख! क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?

महात्मा बुद्ध — डर कैसा भाई? हम तुम्हारे इलाके में आए हैं, तुम्हारे अतिथि हैं। क्या तुम हमारा एक काम नहीं करोगे?

अंगुलिमाल — (आश्चर्य और असमंजस में) अच्छा, अच्छा, अधिक बातें न करो। बोलो, क्या काम है।

महात्मा बुद्ध — भाई ज़रा उस पेड़ से मेरे लिए चार पत्ते तोड़कर ला दो।

(अंगुलिमाल जाता है और पत्ते तोड़कर ले आता है।)

अंगुलिमाल — लो ये पत्ते।

महात्मा बुद्ध — बस, एक काम और कर दो। ये पत्ते उस पेड़ की शाखा पर फिर से लगा आओ।

अंगुलिमाल — (हैरानी से) क्या? यह कैसे हो सकता है। कहीं टूटा हुआ पत्ता फिर से शाखा में लगता है?

महात्मा बुद्ध — (प्रेम से) देखा तुमने? टूटी हुई चीज़ दुबारा नहीं जुड़ सकती। तुम लोगों के सिर काटते हो, क्या तुम उन्हें दुबारा जोड़ सकते हो? नहीं न! तब तुम लोगों की हत्या क्यों करते हो? जब हम दूसरों को जीवन नहीं दे सकते, तो हमें उनके प्राण लेने का भी कोई अधिकार नहीं है।

अंगुलिमाल — (महात्मा बुद्ध के चरणों में गिरकर) मुझे क्षमा करें प्रभु! मुझसे बड़ा पाप हुआ। आपने मेरी आँखें खोल दी हैं। हे प्रभु, आप मुझे सही राह दिखाइए। मैं भटक गया था। (आँखों से आँसू बहते हैं।)

महात्मा बुद्ध — उठो अंगुलिमाल, मार-काट और हिंसा छोड़कर प्रेम का रास्ता अपनाओ। दूसरों की मदद करने और सेवा करने में ही सच्चा सुख है। इसी में तुम्हारा और सबका कल्याण है। (कंधे से पकड़कर उठाते हैं।)

अंगुलिमाल — (हाथ जोड़कर) आज से मैं आपके बताए रास्ते पर ही चलूँगा।

(वह अपनी तलवार और गले में पड़ी अंगुलियों की माला उतारकर फेंक देता है।)

(परदा गिरता है)

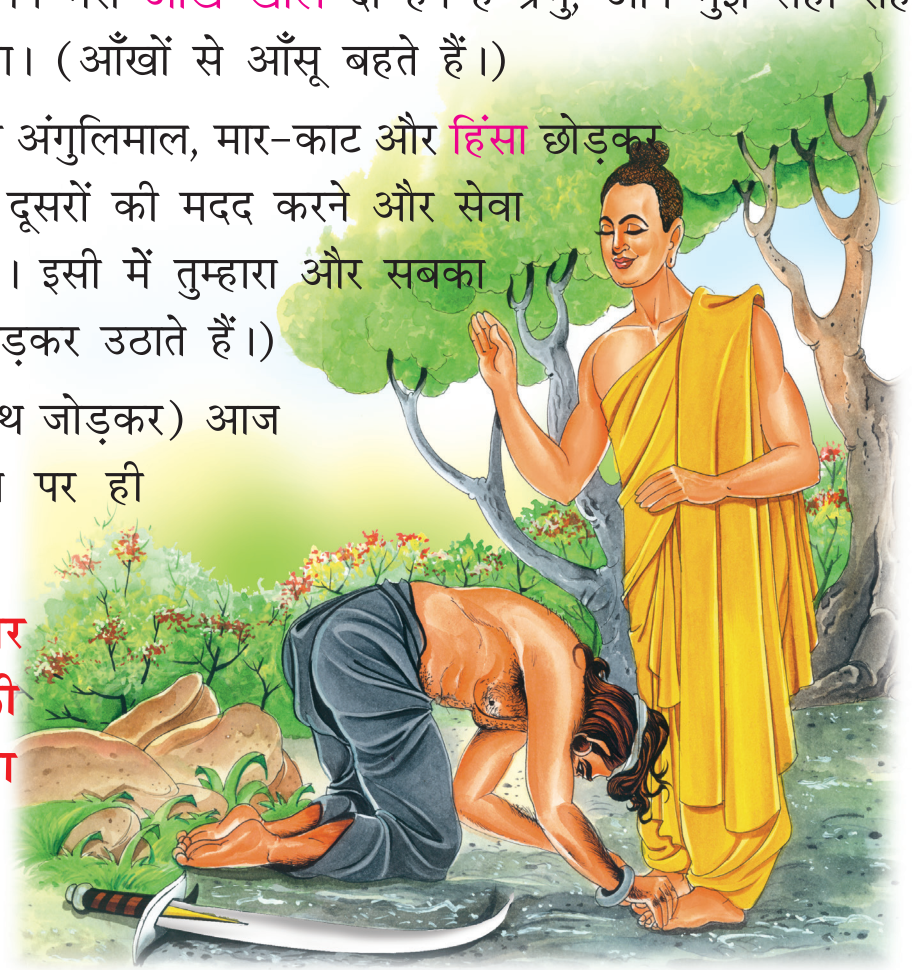

शब्दार्थ और मुहावरे

पात्र — नाटक का अभिनेता **चौपाल** — गाँव में लोगों के उठने-बैठने का स्थान जो ऊपर से ढका और चारों ओर से खुला हो **दूभर** — मुश्किल, कठिन **क्रूर** — निर्दय, जिसमें जरा भी दया न हो **आगमन** — आना **आसन** — बैठने के लिए वस्तु **आशीर्वाद** — आशिष, दुआ **चरण** — पैर **विशेष** — खास **रात्रि-विश्राम** — रात में आराम **भयभीत** — डरे हुए **उत्पात** — उपद्रव, हलचल, अत्याचार **भेंट करना** — मिलना **निश्चिंत** — बेफ़िक्र **अतिथि** — मेहमान, जिसके आने की तिथि निश्चित न हो **असमंजस** — कठिनाई **आँखे खोलना** — ज्ञान देना, सावधान करना **हिंसा** — कष्ट देना, हानि पहुँचाना **कल्याण** — भलाई, मंगल

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

Skills
Comprehension (Oral)
- Recall
- Critical thinking
- Reasoning
- Pronunciation of clusters

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. गाँव के लोगों का जीना दूभर क्यों हो गया था?

ख. डाकू का अंगुलिमाल नाम कैसे पड़ा?

ग. महात्मा बुद्ध को देखकर अंगुलिमाल हैरान क्यों था?

घ. महात्मा बुद्ध के उपदेश का अंगुलिमाल पर क्या प्रभाव पड़ा?

2. बोलकर पढ़ो—

क्रम	क्रिया	क्रीड़ा	क्रूर
कल्याण	मूल्य	तुल्य	बाल्यकाल
सत्य	त्याग	हत्या	नृत्य

भाषिक योग्यताएँ— ❖ पात्रानुसार सस्वर वाचन ❖ प्रत्यास्मरण ❖ कारण जानना ❖ संयुक्त वर्ण वाले शब्द पढ़ना

लिखित

Skills
Comprehension (Written)
- Recall
- Reasoning
- Writing answers of the questions
- Synonyms

1. किसने, किसने, क्यों कहा?

क. आप जंगल से होकर यात्रा न करें।
ख. मूर्ख! क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?
ग. क्या? यह कैसे हो सकता है!

	किसने कहा	किससे कहा	क्यों कहा
क.	....	....	....
ख.	....	....	....
ग.	....	....	....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. महात्मा बुद्ध गाँव में क्यों आए थे?
ख. मुखिया ने महात्मा बुद्ध से क्या प्रार्थना की?
ग. डाकू का नाम अंगुलिमाल क्यों पड़ा होगा?
घ. महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल को क्या काम बताया?

भाषा से

1. पाठ में से रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्द ढूँढ़कर वाक्य दुबारा लिखो—

क. ऋषि ने शिष्यों को <u>आशीष</u> दिया।

....

ख. आप <u>बेफ़िक्र</u> होकर हरिद्वार जाइए।

....

भाषिक योग्यताएँ— ❖ प्रत्यास्मरण व कारण जानना ❖ प्रश्नों के उत्तर लिखना ❖ समानार्थी शब्द

ग. मालविका ने फूलों से मेहमान का स्वागत किया।

....

घ. इतना न मारो कि उसकी जान ही निकल जाए।

....

ङ. पुत्र, तुम्हारा भला हो।

....

Skills
Grammar
- Punctuation marks
- One word substitution
- Antonyms

2. पढ़ो और समझो—

पढ़ते और लिखते समय हम कहीं-कहीं रुकते हैं। इसे दिखाने के लिए हम कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं, जैसे—

क. मैं आपके साथ चलूँगा। (। पूर्णविराम)

ख. आप कब आए? (? प्रश्नसूचक चिह्न)

ग. कितना सुंदर है यह! (! विस्मयबोधक चिह्न)

घ. वह घर आया, खाना खाया और चला गया। (, अल्पविराम)

3. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो—

जो हिंसा करता है	....
जिसके आने की तिथि निश्चित न हो	....
जो दूसरों को लूटता-मारता है	....
जिसमें ज़रा भी दया न हो	....
सेवा करने वाला	....

4. विलोम शब्द के सामने (✓) लगाओ—

मूर्ख	—	बुद्धिमान	☐	बेवकूफ़	☐	चालाक	☐
पाप	—	गुण	☐	पुण्य	☐	भला	☐

भाषिक योग्यताएँ— ❖ विराम चिह्न ❖ वाक्यांशों के लिए एक शब्द ❖ विलोम शब्द

भयभीत	—	डरपोक	☐	निडर	☐	निर्भय	☐
अधिकार	—	कर्तव्य	☐	कब्ज़ा	☐	फर्ज़	☐

5. वाक्य बनाओ—

आँखें खोलना — ....

राह दिखाना — ....

भेंट करना — ....

6. इस नाटक को कहानी के रूप में लिखो। कहानी के लिए कोई दूसरा शीर्षक सुझाओ।

Skills & Activities
- Idioms
- Sentence making
- Writing story and giving heading
- Discussion
- Dramatization
- Reading stories and narrating
- Creative writing

अब करने की बारी

क. बुराई व घृणा को प्रेम और शांति से ही जीता जा सकता है। इस विषय पर कक्षा में बातचीत करो।

ख. नाटक का अभिनय करो।

ग. महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

घ. इन चित्रों को देखो और एक कहानी बनाकर सुनाओ।

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ❖ मुहावरों का वाक्य में प्रयोग ❖ नाटक को कहानी रूप में लिखना ❖ बातचीत करना ❖ अभिनय करना ❖ कहानियाँ पढ़ना व सुनाना ❖ चित्र देखकर कहानी लिखना

15 बूढ़ा घोड़ा

बच्चो, जब हमारी बहुत-सी चीज़ें पुरानी हो जाती हैं, किसी काम की नहीं रहतीं तो हम उन्हें फेंक देते हैं। क्या हम दादा-दादी, बड़े-बूढ़ों, माता-पिता के साथ भी ऐसा करते है? नहीं, हमें उनका आदर करना चाहिए। उनकी देखभाल करनी चाहिए। आओ यह कहानी पढ़ें कि एक धनी व्यक्ति ने अपने बूढ़े घोड़े के साथ क्या किया।

इटली देश में एंटीनेटो नाम का एक धनी व्यक्ति रहता था। उसके पास एक शानदार अरबी घोड़ा था। एंटीनेटो उसकी अच्छी देखभाल करता था। उसने अपने बगीचे में घोड़े के लिए छोटा-सा घर बना रखा था। घोड़ा भी बड़ी लगन से अपने मालिक की सेवा करता था।

धीरे-धीरे घोड़ा बूढ़ा हो चला। अब उससे अपने स्वामी की उतनी सेवा नहीं हो पाती थी। एंटीनेटो को उसका दाना-पानी अखरने लगा। एक दिन उसने बूढ़े घोड़े को बाग के बाहर खदेड़ दिया।

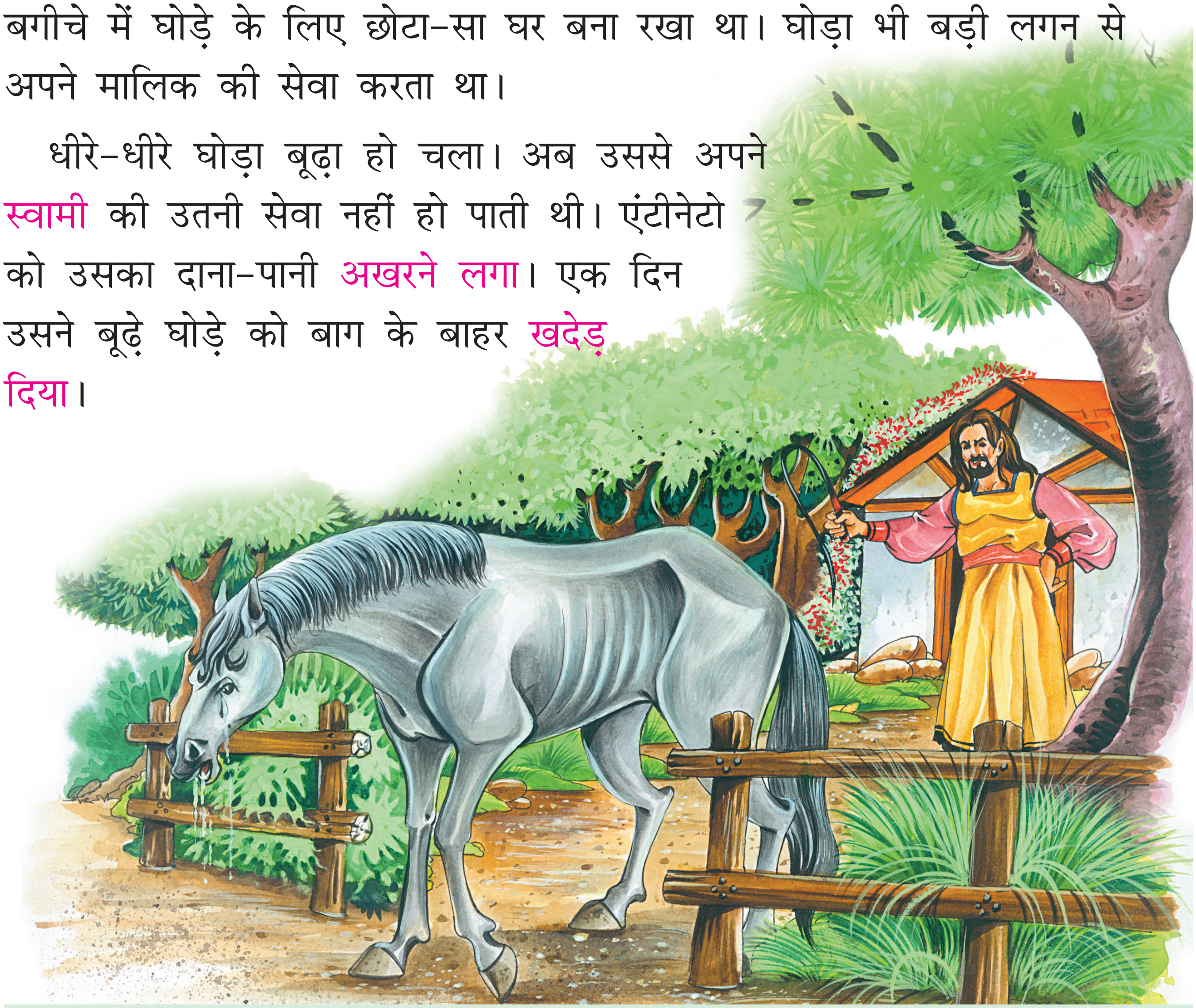

मूल्य— ❖ जीव प्रेम ❖ बुजुर्गों की देखभाल ❖ न्यायप्रियता

घोड़ा बेचारा भोजन की तलाश में मारा-मारा फिरने लगा। उसे जो भी घास-फूस, सड़ी-गली सब्ज़ियाँ मिल जातीं, वह उन्हें खाकर पेट भर लेता।

इटली के राजा के महल के बाहर बहुत सुंदर बगीचा था। राजा ने बगीचे के द्वार पर रस्सी में एक घंटी बँधवा रखी थी। जिस व्यक्ति को राजा की सहायता की आवश्यकता होती, वह रस्सी खींचकर घंटी बजा देता था। घंटी की आवाज़ सुनकर राजा उस व्यक्ति को अपने सामने बुलवाता, उसकी फरियाद सुनता और उसकी सहायता का प्रबंध कर देता था।

एक दिन राजा महल के बाहर निकला तो उसकी नज़र रस्सी पर पड़ी। बारिश और धूप के कारण रस्सी गल-सड़ गई थी। राजा ने चौकीदार से कहा, "देखो, यह रस्सी गल गई है। किसी के खींचते ही टूट जाएगी। आज ही इस रस्सी को बदल दो।"

राजा के जाने के बाद चौकीदार ने रस्सी खींचकर तोड़ दी और नई रस्सी लेने चला गया। उस दिन बाज़ार बंद था। उसे नई रस्सी नहीं मिली। चौकीदार ने सोचा, 'एक ही दिन की तो बात है। आज मैं घास की रस्सी बाँध देता हूँ। कल नई मज़बूत रस्सी ले आऊँगा।'

चौकीदार ने बगीचे से लंबी-लंबी घास तोड़ी और उसकी रस्सी बनाकर उसमें घंटी बाँध दी। तभी भूख से व्याकुल एंटीनेटो का बूढ़ा घोड़ा उधर आ निकला। हरी घास की रस्सी देखकर उसके मुँह में पानी आ गया और वह रस्सी चबाने लगा।

खाते-खाते रस्सी को झटका लगा और घंटी बज उठी। राजा ने घंटी की आवाज़ सुनी तो सेवक को बाहर भेजा। सेवक ने आकर कहा, "महाराज! फाटक के पास एक बूढ़ा घोड़ा खड़ा है। लगता है वह बहुत भूखा है, इसलिए वह घंटी में बँधी रस्सी ही खा गया।"

राजा ने तुरंत सेवक को आज्ञा दी, ''घोड़े को बगीचे में ले जाओ और उसे दाना-पानी दो। उसने घंटी बजाकर हमारी सहायता माँगी है। यह भी पता करो कि यह घोड़ा किसका है और ऐसे क्यों भटक रहा है।''

थोड़ी देर बाद सेवक ने आकर सूचना दी, ''महाराज! यह घोड़ा रईस एंटीनेटो का है। उसने इसे घर से निकाल दिया है।''

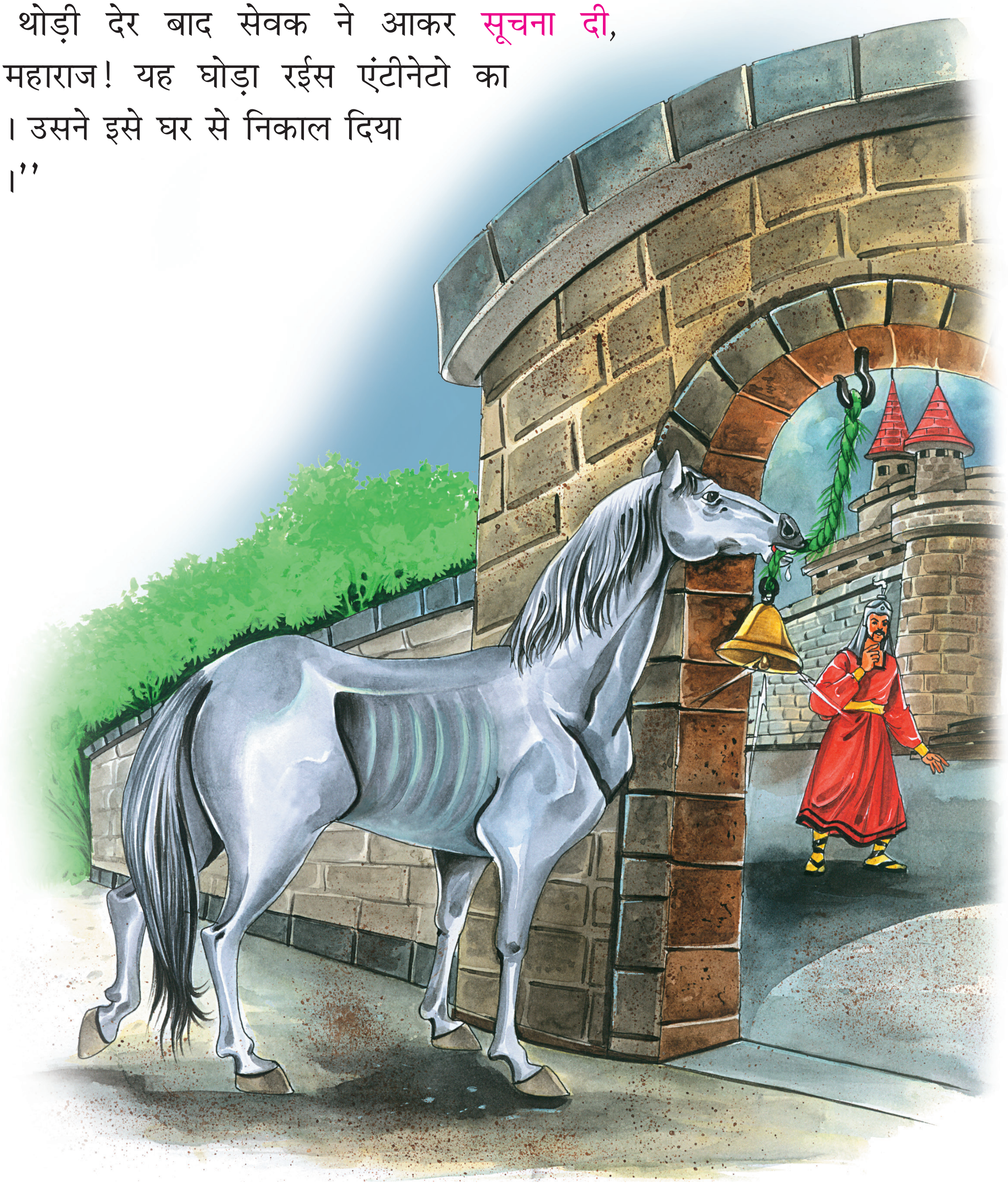

राजा ने एंटीनेटो को बुलवा भेजा। एंटीनेटो राजा के सामने उपस्थित हुआ। राजा ने पूछा, "क्या यह घोड़ा तुम्हारा है?"

"जी महाराज," एंटीनेटो ने कहा।

"तुमने इसे घर से क्यों निकाल दिया?" राजा ने पूछा। एंटीनेटो बोला, "यह घोड़ा मेरे किसी काम का नहीं रहा है महाराज, यह बूढ़ा हो गया है । इसे रखकर मैं क्या करूँगा।"

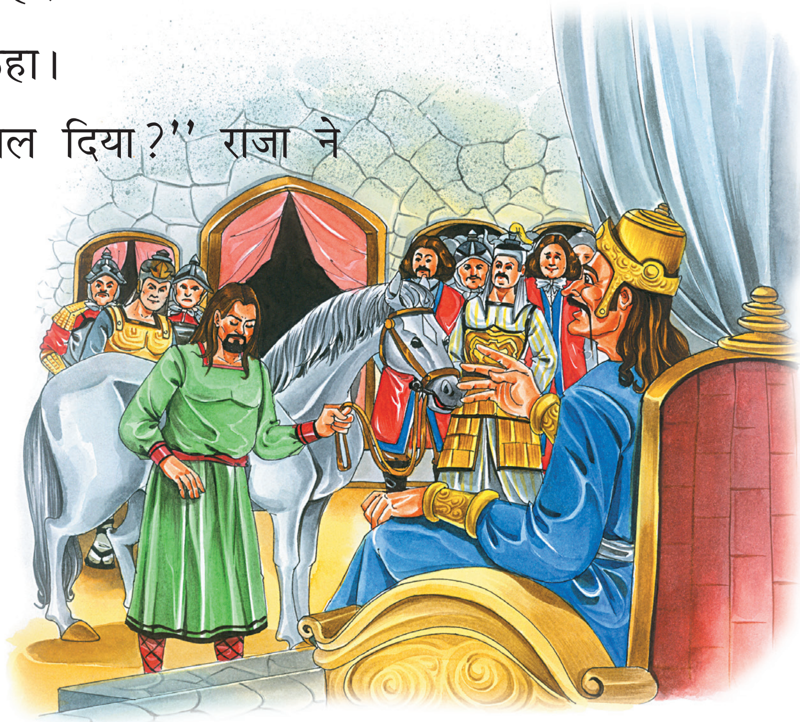

राजा को एंटीनेटो की बात सुनकर बड़ा क्रोध आया किंतु उसने शांत रहकर कहा, "एंटीनेटो, कल तुम बूढ़े हो जाओगे तो तुम्हारे बाल-बच्चे ही तुम्हारी देखभाल करेंगे। वे तुम्हें भोजन ढूँढ़ने के लिए सड़कों पर तो नहीं निकाल देंगे! इस घोड़े ने तुम्हारी इतनी सेवा की और तुमने इसे घर से निकाल दिया।"

राजा की बात सुनकर एंटीनेटो का सिर शर्म से झुक गया। उसने राजा से माफ़ी माँगी। वह घोड़े को घर ले आया और उसकी भली प्रकार से देखभाल करने लगा।

शब्दार्थ और मुहावरे

स्वामी — मालिक **अखरना** — बुरा लगना, कष्ट होना **खदेड़ दिया** — भगा दिया, हटा दिया **मारा-मारा फिरना** — धक्के खाते फिरना **फरियाद** — अपराध की शिकायत, दुहाई **प्रबंध** — इंतज़ाम **मुँह में पानी आना** — लालच आ जाना **व्याकुल** — घबराया हुआ **सूचना देना** — खबर देना **उपस्थित** — हाज़िर **क्रोध** — गुस्सा

अभ्यास

पाठ से

मौखिक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो—

क. एंटीनेटो ने घोड़े को घर से बाहर क्यों निकाल दिया?

ख. महल के बगीचे के द्वार पर राजा ने घंटी क्यों बँधवा रखी थी?

ग. चौकीदार ने घास की रस्सी क्यों बाँधी?

घ. राजा ने घोड़े की क्या मदद की?

लिखित

Skills
Comprehension (Oral and Written)
- Recall
- Factual & logical thinking
- Expressing opinion
- MCQs

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क. बूढ़ा घोड़ा रस्सी क्यों खा गया?

ख. एंटीनेटो का सिर शर्म से क्यों झुक गया?

ग. एंटीनेटो कैसा व्यक्ति था?

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ—

क. एंटीनेटो के पास कौन सा घोड़ा था?

चीनी ☐ अरबी ☐ तुर्की ☐

ख. राजा ने घंटी कहाँ बँधवा रखी थी?

महल के द्वार पर ☐ कमरे के बाहर ☐

बगीचे के द्वार पर ☐

भाषिक योग्यताएँ— ✤ अर्थग्रहण-प्रत्यास्मरण ✤ तर्कपूर्ण चिंतन ✤ प्रतिक्रिया व्यक्त करना ✤ बहुविकल्पी प्रश्न

ग. चौकीदार को नई रस्सी क्यों न मिली?

रस्सी की दुकान बंद थी। ☐

बाज़ार बंद था। ☐

दुकान की रस्सियाँ बिक चुकी थीं। ☐

Skills

Grammar

- Gender
- Word formation
- Adjectives & Nouns
- Pair of words

भाषा से

1. पढ़ो और समझो—

घोड़ा	—	घोड़ी	सेवक	—	सेविका
गधा	—	गधी	स्वामी	—	स्वामिनी
बकरा	—	बकरी	बूढ़ा	—	बुढ़िया
राजा	—	रानी	चूहा	—	चुहिया

2. पढ़ो, समझो और लिखो—

			विशेषण	संज्ञा
शान	+	दार	शानदार	घोड़ा
वफ़ा	+	दार	....	....
इज्ज़त	+	दार	....	....
धारी	+	दार	....	....
रंग	+	दार	....	....
चूड़ी	+	दार	....	....

3. पाठ में कई शब्द-युग्मों (शब्दों के जोड़े) का प्रयोग हुआ है, जैसे धीरे-धीरे, दाना-पानी। पाठ में से ऐसे ही शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखो। उनका वाक्य में प्रयोग करो।

भाषिक योग्यताएँ— ❖ लिंग बदलना ❖ शब्द बनाना ❖ विशेषण के लिए विशेष्य लिखना ❖ शब्द-युग्मों का वाक्य में प्रयोग

4. रेखांकित मुहावरे के सही अर्थ पर (✓) का चिह्न लगाओ—

क. घोड़ा भोजन की तलाश में मारा-मारा फिरने लगा।

- [ ] घोड़ा सबको मारता हुआ घूमने लगा।
- [ ] घोड़ा परेशान होकर धक्के खाता घूमने लगा।

ख. हरी घास की रस्सी को देखकर उसके मुँह में पानी आ गया।

- [ ] उसका मुँह पानी से भर गया।
- [ ] उसके मन में रस्सी खाने का लालच पैदा हो गया।

अब करने की बारी

क. एंटीनेटो ने बूढ़े घोड़े के साथ जो किया, वह तुम्हें कैसा लगा और क्यों? लिखिए।

ख. प्रजा की फरियाद सुनने के लिए कई राजाओं ने इसी प्रकार द्वार पर घंटे लगवा रखे थे। बादशाह जहाँगीर की न्यायप्रियता की कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

ग. तुम्हारे घर में दादा-दादी या नाना-नानी होंगे। तुम उनके लिए क्या-क्या करते हो? अपने साथियों को बताओ।

Skills & Activities

- Idioms
- Written expression
- Reading stories and narrating them
- Verbal expression

भाषिक योग्यताएँ व गतिविधियाँ— ❖ मुहावरे ❖ मौखिक अभिव्यक्ति ❖ कहानियाँ पढ़ना व सुनाना

हिंदी की गिनती

21	—	२१	=	इक्कीस	36	—	३६	=	छत्तीस
22	—	२२	=	बाईस	37	—	३७	=	सैंतीस
23	—	२३	=	तेईस	38	—	३८	=	अड़तीस
24	—	२४	=	चौबीस	39	—	३९	=	उनतालीस
25	—	२५	=	पच्चीस	40	—	४०	=	चालीस
26	—	२६	=	छब्बीस	41	—	४१	=	इकतालीस
27	—	२७	=	सत्ताईस	42	—	४२	=	बयालीस
28	—	२८	=	अट्ठाईस	43	—	४३	=	तैंतालीस
29	—	२९	=	उनतीस	44	—	४४	=	चवालीस
30	—	३०	=	तीस	45	—	४५	=	पैंतालीस
31	—	३१	=	इकतीस	46	—	४६	=	छियालीस
32	—	३२	=	बत्तीस	47	—	४७	=	सैंतालीस
33	—	३३	=	तैंतीस	48	—	४८	=	अड़तालीस
34	—	३४	=	चौंतीस	49	—	४९	=	उनचास
35	—	३५	=	पैंतीस	50	—	५०	=	पचास

हिंदी वर्तनी का मानकीकरण

हिंदी भारतीय संघ तथा कुछ राज्यों की राजभाषा के रूप में स्वीकृत है, इसलिए इसका मानक रूप निश्चित करना बहुत आवश्यक है। अध्यापक/अध्यापिकाओं, अभिभावकों तथा विद्यार्थियों के लिए कुछ निर्देश दिए गए हैं जिनको ग्रहण कर हिंदी वर्तनी में एकरूपता लाई जा सके।

आइए, मानक हिंदी वर्तनी संबंधी मुख्य बिंदुओं पर विचार करें –

- ✤ खड़ी पाई वाले व्यंजनों का संयुक्त रूप खड़ी पाई को हटाकर ही बनाया जाना चाहिए; जैसे–ख्याति, लग्न, विघ्न, कच्चा, छज्जा, नगण्य, कुत्ता, पथ्य, ध्वनि, न्यास, प्यास, डिब्बा, शय्या, उल्लेख, व्यास, श्लोक, राष्ट्रीय, स्वीकृत आदि।
- ✤ 'क' और 'फ़' के संयुक्ताक्षर संयुक्त, पक्का, दफ़्तर आदि की तरह बनाए जाएँ।
- ✤ ड., छ, ट, ठ, ड, ढ, ढ़, द और ह के संयुक्ताक्षर हल् चिह्न लगाकर ही बनाए जाएँ; जैसे–विद्या, चिह्न, ब्रह्मा, लट्टू, बुड्ढा, वाङ्मय आदि।
- ✤ संयुक्त 'र' के प्रचलित तीनों रूप वैसे ही रहेंगे; जैसे – प्रकार, धर्म, राष्ट्र।
- ✤ हल् चिह्न युक्त वर्ण से बनने वाले संयुक्ताक्षर के द्वितीय व्यंजन के साथ 'इ' की मात्रा का प्रयोग संबंधित व्यंजन के तत्काल पूर्व ही किया जाएगा, न कि पूरे युग्म से पहले; जैसे–द्वितीय, बुद्धिमान, चिह्नित आदि।
- ✤ विभक्ति या कारक चिह्न संज्ञा शब्दों से अलग लिखे जाएँ; जैसे–मोहन ने, मोहन को, मोहन से आदि।
- ✤ विभक्ति या कारक चिह्न सर्वनाम शब्दों से मिलाकर लिखे जाएँ; जैसे–उसने, उसको, उससे, उसपर आदि।
- ✤ सर्वनाम के साथ यदि दो विभक्ति-चिह्न हों तो उनमें से पहला मिलाकर और दूसरा अलग लिखा जाए जैसे–उसके लिए, इसमें से आदि।
- ✤ सम्मान हेतु शब्द 'श्री' और 'जी' अव्यय पृथक लिखे जाएँ; जैसे–श्री मनोहर लाल जी, महात्मा जी आदि।
- ✤ समस्त पदों में प्रति, मात्र, यथा आदि अव्यय अलग नहीं लिखे जाएँ; जैसे–प्रतिदिन, प्रतिशत, मानवमात्र, निमित्तमात्र, यथासमय, यथोचित आदि।
- ✤ क्रिया, विशेषण, अव्यय आदि में 'य' 'व' की जगह स्वरात्मक प्रयोग किया जाएँ; जैसे–नयी–नई, हुवा–हुआ। गए, किए, आए, नई, हुआ आदि मानक रूप हैं।
- ✤ जहाँ 'य' शब्द का मूल रूप हो वहाँ वह 'य' ही रहेगा; जैसे–स्थायी, अव्ययीभाव, दायित्व आदि।
- ✤ तत्सम शब्द के अंत का हल् हिंदी में लुप्त हो चुका है; जैसे–महान, विद्वान आदि।
- ✤ जिन तत्सम शब्दों में तीन व्यंजनों के संयोग की स्थिति में एक द्वित्वमूलक व्यंजन लुप्त हो गया है उसे न लिखने की छूट है; जैसे–अर्द्ध/अर्ध, तत्त्व/तत्व आदि।
- ✤ पूर्वकालिक प्रत्यय 'कर' क्रिया से मिलाकर लिखा जाए; जैसे–मिलाकर, खा-पीकर, रो-रोकर, दौड़कर, पढ़कर आदि।

प्रश्न पत्र–1

(पाठ 1–8 पर आधारित)

कुल अंक–40

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो। 4 × 2=8

क. पेड़ हमारे किस–किस काम आते हैं ?

ख. आकाश दौड़ में क्यों पिछड़ गया ?

ग. शेर ने स्वयं को लोमड़ी के साथ क्यों बाँधा ?

घ. गुरु जी ने ज़मीदार के बेटे के हाथ से पानी क्यों नहीं ग्रहण किया ?

2. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ। 3

क. मोर को पकड़ना आसान नहीं है क्योंकि

वह उड़ जाता है। ☐

यह हमेशा चौकन्ना रहता है। ☐

यह हाथों से फिसल जाता है। ☐

ख. सलोनी को क्या करना अच्छा लगता था ?

मूर्तियाँ बनाना ☐ मूर्तियाँ रँगना ☐ बरतन बनाना ☐

ग. अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल पर क्या असर हुआ ?

वह खुश हो गया ☐ वह हँसने लगा ☐ वह उदास हो गया ☐

3. किसने कहा ? किससे कहा ? 2

क. अरे ! ये तो बंदर हैं।

मुखिया ने सलोनी से ☐ बच्चों ने सलोनी से ☐

ख. मैं देखती हूँ कि कौन तीसमार खाँ है।

लोमड़ी ने शेर से ☐ गीदड़ी ने शेर से ☐

4. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो। 3

उन्नति	पवित्र	उपाय

क. गंगा एक .... नदी है।

ख. हमारा देश दिनोंदिन .... कर रहा है।

ग. नेहा ने घर से बाहर जाने का एक .... सोचा।

5. **वाक्य बनाओ—** 2

दिशा — ....

प्रतीक्षा — ....

6. **कविता की पंक्तियाँ पूरी करो—** 2

अब लू के गरम झकोरों से

....

....

चलती शीतल पुरवाई है।

7. **समान अर्थ वाले शब्द लिखो।** 3

भयानक .... भेद .... परिश्रम ....

8. **विपरीत अर्थवाले शब्दों पर गोला लगाओ।** 3

मित्र	—	दुश्मन	दोस्त	शत्रु
स्वामी	—	नौकर	मालिक	सेवक
प्रशंसा	—	निंदा	तारीफ़	बुराई

9. **इन्हें क्या कहते हैं?** 2

जो डरता न हो ....

मूर्तियाँ बनाने वाला ....

10. **सही जोड़े बनाकर लिखो।** 3

पवित्र	किसान
गीत	मीठे
धनी	जल

11. **संज्ञा शब्दों के नीचे रेखा खींचो।** 4

क. नेहा कल वाराणसी जाएगी।

ख. हम लालकिला देखने गए।

ग. रोहित की पेंसिल खो गई है।

घ. अजय बाज़ार से खिलौने लाया है।

12. **अपने मित्र के बारे में एक अनुच्छेद लिखो।** 5

प्रश्न पत्र-2

(पाठ 9-15 पर आधारित)

कुल अंक-40

1. सही उत्तर के सामने (✓) लगाओ। **3**

क. हवा बदली को लेकर कहाँ नहीं गई?

समुद्र ☐ तालाब ☐ नदी ☐

ख. जयपुर किस राज्य की राजधानी है?

राजस्थान ☐ पंजाब ☐ हिमाचल प्रदेश ☐

ग. एंटीनेटो कहाँ का रहने वाला था?

फ्रांस ☐ इटली ☐ जर्मनी ☐

2. प्रश्नों के उत्तर लिखो। **4×2=8**

क. डाकू का नाम अंगुलिमाल कैसे पड़ा?

ख. एंटीनेटो कैसा व्यक्ति था?

ग. राजन किसका बेटा था और उसका स्वभाव कैसा था?

घ. बदली ने अपनी सुंदरता कहाँ देखी?

3. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो— **4**

कृत्रिम	निर्णय	दृश्य	सौंदर्य

क. साँप और नेवले की लड़ाई का .... देखकर रोंगटे खड़े हो गए।

ख. बगीचे में एक .... झील बनाई गई है।

ग. ताजमहल का .... दर्शनीय है।

घ. हमने दिन भर घर में रहने का .... किया।

4. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो। **2**

बाहर आते, मधु बरसाते,

....

सबको हँस-हँस गले लगाते।

....

5. सही वर्तनी पर (✓) लगाओ। 3

विसतृत	विस्तृत	विसत्रत	वीस्तृत
प्रदूषण	परदूषण	पर्दूषण	प्रदुषण
अतिथी	अतीथी	अतिथि	अतीथि

6. शब्द का सही रूप लिखकर खाली जगह भरो। 3

क. .... में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। (क्यारी)

ख. फूलों पर .... मँडरा रहे थे। (भँवरा)

ग. .... पकड़म-पकड़ाई खेल रही थीं। (बालिका)

7. इन्हें क्या कहते हैं? लिखो। 3

जो सेवा करता है ....

जिसमें ज़रा भी दया न हो ....

जो फरियाद करता है ....

8. इन शब्दों के लिंग बदलकर लिखो। 3

क. माली ....

ख. बंदर ....

ग. देवता ....

9. वाक्य बनाओ— 2

ठान लेना — ....

आँखें खोलना — ....

10. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो। 2

क. नेहा .... बहन बीमार है। (की/का)

ख. मोहन छत .... पतंग उड़ा रहा है। (में/पर)

11. समानार्थी लिखो— 3

क. संतान ....

ख. मधु ....

ग. सदा ....

12. अपने मनपसंद खेल के बारे में बताते हुए अपने मित्र/सखी को पत्र लिखो। 4